@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 17 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 241 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बीआरएस नेता के. कविता की तिहाड़ में तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली, 16 जुलाई। तिहाड़ जेल में बंद बीआरएस नेता के. कविता को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उनकी तबीयत बिगड़ी है जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि अभी यह जानकारी सामने नहीं आई है कि उन्हें किस परेशानी के बाद भर्ती कराया गया है। बता दें कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता दिल्ली आबकारी नीति केस में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी द्वारा गिरफ्तार की गई हैं और वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। दरअसल, ईडी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले में साऊथ ग्रुप ने राष्ट्रीय राजधानी में,क्क को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी। एजेंसी ने बीआरएस नेता के. कविता को इसी साउथ ग्रुप का एक प्रमुख सदस्य बताया है। इसके अलावा समूह में मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे मगुंटा राघव रेड्डी, अरुण रामचंद्र पिल्लई बुचीबाबू गोरांटला, अभिषेक बोइनपल्ली और पी सरथ चंद्र रेड्डी शामिल बताए गए हैं। ईडी ने दावा किया है कि कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर दिल्ली शराब घोटाला में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर साजिश रची। इन अहसानों के बदले के कविता ने आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये भी दिए। ईडी ने कहा कि के कविता और उनके सहयोगियों ने आप को पहले ही भुगतान कर दिया।

ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देगी कांग्रेस: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

रोहतक (हरियाणा), 16 जुलाई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जमकर निशाना साधा है। शाह ने कांग्रेस के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान को चेतावनी दी और बोले बनिया का बेटा हूं, एक-एक पाई का हिसाब लेकर आया हूं। हिसाब आप नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ता लें। अमित शाह ने कहा कि इसके लिए मुख्ममंत्री नायब सैनी नहीं, बल्कि युवा भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष ही बहस करने के लिए काफी है। उन्होंने कहा कि हुड्डा साहब मैं चेतावनी देना चाहता हूं, कांग्रेस अपने कार्यकाल के 10 साल और भाजपा के 10 साल के विकास के आंकड़े लेकर आए। 2014 से पहले केंद्र व राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। उस समय हरियाणा को 41 करोड़ रुपये विकास के लिए मिले थे, जबकि भाजपा ने 10 साल में छह गुना बजट दिया है। हुड्डा साहब, क्या आप भ्रष्टाचार, जातिवाद, पिछड़ा वर्ग से अन्याय व परिवारवाद को बढ़ावा देने का हिसाब दे सकते हैं। शाह बोले, कांग्रेस नहीं, बल्कि भाजपा गांव-गांव जाकर हुड्डा सरकार के 10 साल के कार्यकाल का हिसाब मांगेगी। कांग्रेस को बताना होगा कि 10 साल उसने क्या किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा ओबीसी की विरोधी

रही है। 1957, 1980 में ओबीसी को आरक्षण का विरोध किया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मंडल कमीशन की सिफारिश ठंडे बस्ते में डाल दी। फिर राजीव गांधी ने भाषण देकर आरक्षण रुकवा दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रधानमंत्री मोदी के दिल में सबसे ऊपर है। क्योंकि उन्होंने हरियाणा में काम किया है। ओबीसी समाज से उनका लगाव है। इसलिए प्रदेश से ओबीसी समाज के दो सांसद केंद्र में मंत्री बनाए। कांग्रेस ने जातिवाद व भ्रष्टाचार को बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह ने कांग्रेस के साथ-साथ इनेलो सरकार पर भी निशाना साधा। बोले, एक सरकार आती तो भ्रष्टाचार लेकर आई, दूसरी आई तो गुंडागर्दी बढ़ी। एक सरकार ने एक जिले का विकास किया तो दूसरी ने दूसरे जिले का। जबकि भाजपा ने पूरे हरियाणा का विकास किया है। अमित शाह ने बताया कि प्रदेश सरकार ने ओबीसी वर्ग के लिए तीन बड़े फैसले लिए हैं। पहला क्रीमिलेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दी। उसमें वेतन व कृषि आय को भी नहीं जोड़ा। दूसरा ओबीसी बी वर्ग को पंचायत व नगर निगम, नगर पालिका व नगर परिषद में 5 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है। जबकि ओबीसी ए वर्ग को पहले की तरह 8 प्रतिशत आरक्षण मिलता रहेगा। मंच से नायब सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था दो माह के लिए स्थगित

लखनऊ, 16 जुलाई। यूपी डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था को दो महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मामले में शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कतों को खत्म करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। ये जानकारी प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम ने दी। बता दें कि मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बेसिक के शिक्षक संगठनों की हुई वार्ता हुई। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि शासन ने फिलहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित करने पर सहमति दी है। जल्द इसका आदेश जारी होगा। शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कत के समाधान के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। इसमें शिक्षाविद, शिक्षक नेता और अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डा. एमकेएस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि अधिकारी उपस्थित थे। डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की नाराजगी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले ही सभी डीएम, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) के साथ मिलकर शिक्षकों व शिक्षक प्रतिनिधियों से संवाद करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि विद्यालयों में पठन-पाठन सुचारु रूप से चलता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की नृशंस हत्या पर खरगे ने की कार्रवाई की मांग

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 16 जुलाई। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की नृशंस हत्या पर कांग्रेस नेताओं ने दुख जताया है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, संसद में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दुख व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाइ करने और सहनी परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बिहार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दल वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या कर दी गई। दरभंगा जिले के बिरौल में घनश्यामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके आवास पर मंगलवार सुबह क्षत-विक्षत हालत में उनकी लाश मिली थी। उनकी छाती और पेट पर जगह-जगह चाकू मारने और चोट के निशान थे। घटना की हर राजनीतिक दल के नेता ने निंदा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने

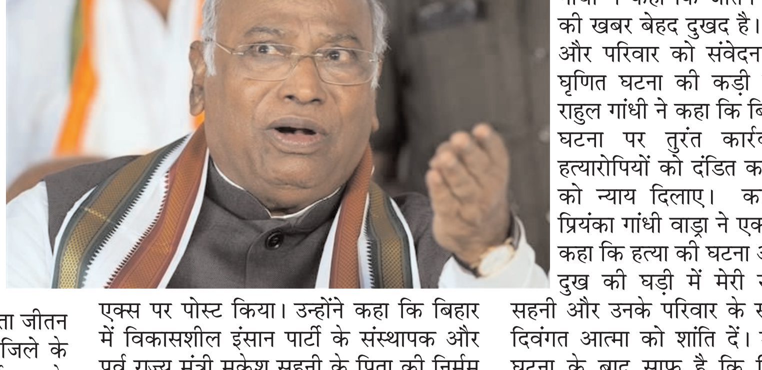

एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि बिहार में विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक और पूर्व राज्य मंत्री मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या काफी दुखद है और निंदनीय है। हम शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। हम दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई और विपक्षी इंडिया ब्लॉक के सहयोगी सहनी को न्याय दिलाने की मांग करते हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जीतन सहनी की हत्या की खबर बेहद दुखद है। मैं मुकेश सहनी और परिवार को संवेदनाएं देता हूं। इस घृणित घटना की कड़ी निंदा करता हूं। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार सरकार इस घटना पर तुरंत कार्रवाई करे और हत्यारोपियों को दंडित कर सहनी परिवार को न्याय दिलाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हत्या की घटना अति निंदनीय है। दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं मुकेश सहनी और उनके परिवार के साथ हैं। भगवान दिवंगत आत्मा को शांति दें। उन्होंने कहा कि घटना के बाद साफ है कि बिहार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और यहां जंगलराज कायम है। कोई सुरक्षित नहीं है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

संसद सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 16 जुलाई। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे दिल्ली के संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा। सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है। सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे। वहीं, तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा। इसकी वजह बताई गई कि टीएमसी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है। तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन ने रिजिजू को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे। संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होने वाला है। यह 12 अगस्त तक चल सकता है। बजट 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद पहले संसद सत्र में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस) ने हाल ही में नीट विवाद, मणिपुर की स्थिति और महंगाई जैसे मुद्दों को उठाया था। नारेबाजी और भारी हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के दौरान भी दोनों सदनों में विरोध प्रदर्शन भी हुए थे।

टमाटर के नखरे देख आलू-प्याज भी गुस्से में

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 16 जुलाई। सब्जियों की महंगाई ने रसोई का जायका बिगाड़ दिया है। आलू, टमाटर, हरी सब्जियों के भाव बदलते मौसम में आसमान छू रहा है। बारिश के मौसम में बढ़ते दामों ने आम आदमी का पसीने छुड़ा रहा है। खुदरा बाजार ही नहीं थोक बाजार में भी भाव में उछाल है। कुछ दिन पहले तक जो 40-50 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाला टमाटर 100 रुपया के पार चला गया है। इस हिसाब से एक टमाटर 10 रुपया के करीब पड़ रहा है। टमाटर के लाल होने के साथ आलू के भाव भी बढ़े हुए है। खुदरा बाजार में 40-50 रुपया प्रतिकिलो बिक रहा है। बारिश की वजह से आवक कम होने से फिलहाल भाव घटता हुआ भी दिखाई नहीं पड़ रहा है। आलू, प्याज, टमाटर ही नहीं दूसरी सब्जियों के दाम में भी अचानक से वृद्धि हो गई है। प्याज टमाटर के बिना सब्जी का जायका नहीं

आता है। लिहाजा महंगाई ने सभी सब्जियों का जायका बिगाड़ कर रख दिया है। 30-40 रुपये प्रतिकिलो बिकने वाली भिंडी 100-120 रुपये प्रतिकिलो बिक रही है। रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली सभी सब्जियों के भाव पिछले 10 दिनों की तुलना में तीन गुने हो गए हैं। हालांकि थोक मंडी में भाव में उतनी वृद्धि नहीं हुई है, जितनी खुदरा बाजार की दुकानों में हुई है। बीस और शिमला मिर्च का तीखापन भी बढ़ गया है। इनके भाव भी 100 रुपये प्रतिकिलो के पार चले गए है। आजादपुर मंडी के आढ़ती संदीप खंडेलवाल का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र से सब्जियों की आवक कम हो गई है। बरसात के कारण सब्जियों की आवक कम हो जाती है। खेतों में पानी भरने की वजह से सब्जियों का उत्पादन भी कम हो जाता है। इससे फसलें खराब भी होती हैं। यूपी, पंजाब के कोल्ड स्टोरेज में आलू इस बार कम रखा गया था। हरी सब्जियों के बारिश के कारण खराब होने की वजह से हरी सब्जियों की महंगाई पर भी असर डाला है। हालांकि उन्होंने कहा कि खुदरा बाजार में भाव ज्यादा है। थोक भाव में आलू 22-32 रुपया प्रतिकिलो है। इसी तरह प्याज 27-35 रुपया और लहसुन 120-150 रुपया बिक रहा है। उधर, रेहड़ी-पटरी पर सब्जी बेचने वाले राजन कुमार का कहना है कि बारिश की वजह से आलू-प्याज और टमाटर की जो बोरी आती है उसमें एक चौथाई सड़े हुए निकलते है। बिक्री करने के लिए उन्हें पहले छांटना पड़ता है। क्योंकि ग्राहक एक एक टमाटर को देखकर ही तौल कराते है। ऐसे में भाव बढ़ा कर बेचने की मजबूरी है। हरी सब्जियां गर्मी, उमस और बारिश की वजह से जल्दी खराब होती है। रेफ्रिजेटर तो है नहीं लिहाजा थोक मंडी से कम सब्जियां खरीदते है, इस वजह से थोक मंडी में भी ऊंचे कीमत चुकाने की मजबूरी है।

मणिपुर से नाता रखने वाले जज बनेंगे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश

नई दिल्ली, 16 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट को आज दो नए जज मिले हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड भी बना है। ऐसा पहली बार है, जब मणिपुर के किसी जज को शीर्ष न्यायालय में पदोन्नत किया गया है। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि संविधान की ओर से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और जस्टिस महादेवन को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया है। मणिपुर से ताल्लुक रखने वाले जस्टिस सिंह वर्तमान में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। गौरतलब है कि मंगलवार यानी आज सुप्रीम कोर्ट में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और मद्रास हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आर महादेवन की नियुक्ति की मंजूरी दे दी गई है। इनकी नियुक्ति के बाद शीर्ष कोर्ट में जजों का एक भी पद खाली नहीं रह गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 11 जुलाई को रिक्त पदों के लिए दो नामों की सिफारिश की थी। शीर्ष कोर्ट में जस्टिस अनिरुद्ध बोस के 10 अप्रैल, 2024 को और जस्टिस एएस बोपन्ना के 19 मई, 2024 को सेवानिवृत्त के कारण ये पद रिक्त हुए थे। कॉलेजियम में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत तथा जस्टिस ऋषिकेश रॉय शामिल थे।

आतंकी हमले से फिर देश में उबाल: राजनाथ-मनोज सिन्हा

सौरभ शर्मा

जम्मू, 16 जुलाई। जम्मू संभाग के डोडा में सोमवार रात हुई मुठभेड़ में सेना के कैप्टन सहित चार जवान बलिदान हो गए। इस शहादत से जम्मू कश्मीर सहित देश भर के लोगों में के बीच गुस्सा और गम है। राजनीतिक नेताओं ने भी हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा की है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के अभिशाप को खत्म करने और क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकियों की तरफ से सेना और पुलिस पर किए गए आतंकी हमले का बदला जरूर लेंगे। इसके साथ ही राहुल गांधी ने बलिदान सैनिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, डोडा (जम्मू-कश्मीर) में आतंकवाद विरोधी अभियान में हमारे बहादुर और साहसी भारतीय सेना के जवानों के शहीद होने पर मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। राष्ट्र हमारे उन सैनिकों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। आतंकवाद विरोधी अभियान जारी हैं और हमारे सैनिक आतंकवाद के अभिशाप को खत्म करने और क्षेत्र में शांति और व्यवस्था

बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना के सभी रैंक के अधिकारियों ने डोडा में बलिदान हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। सेना ने अपने संदेश में कहा, कैप्टन बृजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने के लिए डोडा में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीय सेना इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने डोडा मुठभेड़ में बलिदान हुए सेना और पुलिस के जवान के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की शहादत का बदला जरूर लेंगे। उपराज्यपाल ने कहा, डोडा जिले में हमारे सेना के जवानों और जेकेपी कर्मियों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारे देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि। शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कहा, हम अपने सैनिकों की मौत का बदला लेंगे और आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के नापाक मंसूबों को नाकाम करेंगे। मैं लोगों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने और हमें सटीक जानकारी प्रदान करने का आह्वान करता हूं ताकि हम आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर सकें और आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र का अंत कर सकें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, जम्मू कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए।

शंभू बॉर्डर से बैरिकेडिंग हटाने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची हरियाणा सरकार

नई दिल्ली, 16 जुलाई। छह महीने से बंद शंभू बॉर्डर से बैरिकेडिंग हटाने के खिलाफ हरियाणा सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 22 जुलाई को सुनवाई करेगा। हरियाणा सरकार ने एक सप्ताह में बॉर्डर से बैरिकेड हटाने आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। मंगलवार को न्यायाधीश सूर्याकांत और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने इस मुद्दे को अगले सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। वहीं राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता लोकेश सिन्हल ने कोर्ट से कहा कि मुद्दे पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है। याचिका में कहा गया कि सरकार लोगों को हो रही दिक्कत को लेकर चिंतित है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए याचिका दायर की गई। राज्य सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया कि बैरिकेड केवल तब हटाया जा सकता है, जब किसान अपना धरना हाईवे से खत्म करेंगे। राज्य सरकार ने कहा कि कोर्ट ने आंदोलनकारी किसानों को कोई भी निर्देश दिए बिना प्रयोगात्मक आधार पर शंभू बॉर्डर खोलने के निर्देश दे दिए। जोकि लोगों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। याचिका में यह भी कहा गया कि कानून-व्यवस्था का मुद्दा राज्य सरकार का विषय है। राज्य में किसी भी हिंसा और शांतिभंग के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। इसलिए इस हाईकोर्ट के बैरिकेड हटाने के आदेश पर विचार किया जाए। शीर्ष अदालत 22 जुलाई को मामले की सुनवाई करेगी। 10 जुलाई को हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को एक सप्ताह के भीतर शंभू सीमा पर बैरिकेडिंग हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर कानून-व्यवस्था की कोई स्थिति बनती है तो राज्य सरकार कानून के मुताबिक निवारक कार्रवाई कर सकती है। कोर्ट ने पंजाब सरकार को भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इसी तरह का निर्देश जारी किया था और कहा था कि उसकी तरफ से भी बैरिकेडिंग हटाई जानी चाहिए। इस आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भुइयां ने कहा कि कोई राज्य राजमार्ग को कैसे अवरुद्ध कर सकता है? यातायात को संभालना उसका कर्तव्य है। हम कह रहे हैं कि इसे खोलें, लेकिन नियंत्रित भी करें।

नीट-यूजी का पेपर चुराने और उसे प्रसारित करने वालों पर कसा शिकंजा

नरेश मल्होत्रा

हजारीबाग, 16 जुलाई। सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप हैं कि मुख्य आरोपी ने झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के ट्रंक से कथित तौर पर पेपर चुराया था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इन दो गिरफ्तारियों के साथ ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लीक, नकल और अन्य अनियमितताओं से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या अब 14 हो गई है। एजेंसी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर के 2017 बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य को गिरफ्तार किया है, जिसने हजारीबाग में एनटीए ट्रंक से नीट-यूजी पेपर चुराया था। बोकारो निवासी पंकज कुमार को पटना से गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने राजू सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर पेपर चुराने और गिरोह के अन्य सदस्यों को पेपर देने में पंकज कुमार की मदद की थी। राजू को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया। इससे पहले हजारीबाग में स्थित ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य और कथित तौर पर नीट परीक्षार्थियों को ठहरने के लिए वह फ्लैट उपलब्ध कराने वाले दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया था, जहां से बिहार पुलिस ने जले हुए प्रश्नपत्र बरामद किए थे। बता दे कि सीबीआई ने इस मामले में छह प्राथमिकी दर्ज की है। बिहार में दर्ज प्राथमिकी प्रश्न पत्र लीक होने से संबंधित है, जबकि गुजरात और राजस्थान में दर्ज प्राथमिकी परीक्षार्थी के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति के परीक्षा देने और धोखाधड़ी से संबंधित हैं। 5 मई को देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा नीट यूजी का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। परीक्षा आयोजित होने के बाद से ही इसका

पेपर लीक होने के आरोप लगने शुरू हो गए। 6 मई को पेपर लीक की आशंका पर पटना पुलिस ने इस मामले में एक एफआईआर भी दर्ज की। केंद्रीय एजेंसियों की सूचना पर पटना पुलिस ने शास्त्री नगर थाने में इसको लेकर एक प्राथमिकी भी दर्ज की। पेपर लीक की जांच का मामला 10 मई शुक्रवार को बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) को सौंप दिया गया। कार्यवाही में पटना पुलिस की ईओयू ईकाई ने 11 मई को चार परीक्षार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया। पटना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई और मामला न्यायालय में पहुंचा। याचिका में परीक्षा को रद्द कर इसकी सीबीआई जांच कराने की गुहार लगाई गई। पेपर लीक के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका दायर की गई। उम्मीदवारों के एक समूह ने नए सिरे से नीट-यूजी 2024 परीक्षा की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। 4 जून को नीट यूजी की अंतिम उत्तर कुंजी जारी हुई, उसके कुछ घंटो बाद ही एनटीए ने सभी को चौंकाते हुए नीट यूजी का रिजल्ट भी घोषित कर दिया। जारी कार्यक्रम के अनुसार, नीट यूजी का रिजल्ट 14 जून को जारी होने था, जोकि निर्धारित तिथि से 10 दिन पहले 04 जून को ही घोषित कर दिया गया। इस वर्ष रिकॉर्ड 67 उम्मीदवारों ने रैंक-1 हासिल की। नीट के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि नीट में टॉपर्स की संख्या इतनी अधिक हो। रिजल्ट घोषित होने के बाद देशभर से मेडिकल अभ्यर्थियों ने अंकों में अनियमितता का आरोप लगाया।

रूस से लड़ने के लिए रोबोट की फौज तैयार कर रहा यूक्रेन

एजेंसी

कीव। रूस के खिलाफ लड़ाई में मदद के लिए यूक्रेन इन दिनों कुछ नया कर रहा है। यूक्रेन को सैनिकों की कमी, मुश्किल परिस्थिति और दूसरे देशों से कम मदद मिल रही है। इस वजह से वो जीतने के लिए एक नया तरीका ढूंढ रहे हैं। छुपे हुए गोदामों और कारखानों में यूक्रेन की कई प्रयोगशालाएं मिलकर एक खास सेना तैयार कर रही हैं। ये सेना असल में रोबोटों की होगी। यूक्रेन को उम्मीद है कि ये रोबोट रूसी सैनिकों को लड़ाई में हराएंगे और यूक्रेन के सैनिकों और आम लोगों को बचाएंगे।

नई कंपनियों का योगदान

यूक्रेन में तकरीबन 250 नई कंपनियां रक्षा के लिए मशीनें बना रही हैं। ये कंपनियां छिपी हुई जगहों पर काम कर रहीं हैं, जो अक्सर गांवों की गाड़ी ठीक करने वाली दुकानों जैसी दिखती हैं। उदाहरण के लिए, उद्यमी आंद्रेई डेनिसेंको की एक कंपनी के कर्मचारी चार दिनों में ही ड्राइवरलेस गाड़ी बना लेते हैं जिसे वो ÷ओडिसी÷ कहते हैं। इस गाड़ी की सबसे खास बात ये है कि इसकी कीमत बहुत कम है ङ्क केवल 35,000 अमेरिकी डॉलर। ये आयात किए गए मॉडल की कीमत से 10 गुना कम है। ये रक्षा बनाने वाली कंपनियां दुकानों को ही कारखानों में बदल रही हैं। अंदर कई छोटे कमरे बनाए गए हैं, जहां अलग-अलग काम होते हैं। एक कमरे में धातु को जोड़ने का काम होता है, दूसरे कमरे में गाड़ी के ढांचे को बनाया जाता है। इन गाड़ियों पर फाइबरग्लास से बने सामान रखने की जगह बनाई जाती है। फिर इन्हें हरे रंग में रंगा जाता है। इन गाड़ियों में आसानी से मिलने वाले सामान, जैसे बैटरी से चलने वाली मोटर, कैमरे और गर्मी पता लगाने वाले सेंसर लगाए जाते हैं। ये बड़ी-बड़ी पश्चिमी कंपनियों के तरीके से बिल्कुल अलग हैं।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाक सेना छावनी में बड़ा आतंकी हमला, 17 जवानों की मौत, 4 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुबह सेना के छावनी क्षेत्र में एक भीषण आतंकी हमले में 17 जवानों की मौत हो गई है। सूत्रों ने बताया कि यह घटना प्रांत के बन्नू जिले में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 4:45 बजे हुई। जहां एक आत्मघाती हमलावर ने छावनी के एक गेट पर सेना के तेल टर्मिनल के वाहन को टक्कर मार दी जबकि उसके तीन से चार साथी हथगोले फेंककर क्षेत्र में घुसने में सफल रहे। जवाबी कार्रवाई में 4 आतंकियों के मारे जाने की खबर है।बताया जा रहा है कि सेना के हेलीकॉप्टर को भी आतंकवादियों ने मार गिराया है। आतंकवादियों के हमले में पाकिस्तानी सेना के 17 सैनिक मारे गए हैं। जिनमें दो मेजर और 2 कैप्टन रैंक के अधिकारी थे। अभी तक किसी भी आतंकवादी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान में न जाने कितने ऐसे संगठन हैं जो आतंकवाद को पाल पोस रहे हैं। लेकिन जिस जहर केपेड़ को पाकिस्तान ने बोया है, उसके को खुद झेलने पड़ रहे हैं।

इजरायल में वेस्ट नाइल बुखार का प्रकोप, मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हुई

यरूशलम । इजरायल में वेस्ट नाइल बुखार का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश में इस बुखार से 12 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। इसी के साथ मई की शुरुआत से अब तक मरने वालों की संख्या 31 हो गई है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने 49 नए संक्रमण मामलों की सूचना दी। इसी के साथ देश में कुल मामलों की संख्या 405 हो गई, जो कि साल 2000 में 425 मामलों के वार्षिक रिकॉर्ड के करीब है। मंत्रालय ने इस बढ़ते रोग का कारण क्षेत्र में गर्म और ज्यादा आर्द्र मौसम को बताया है। यह मौसम मच्छरों के लिए अनुकूल है। मच्छर पक्षियों को काटते हैं, जिसके बाद ये इंसानों में वायरस फैलाते हैं। इजरायल की एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार, संक्रमित लोगों में से ज्यादातर बुजुर्ग शामिल हैं, जबकि बच्चों में भी इस वायरस का संक्रमण पाया गया है। अधिकांश लोगों में संक्रमणों में सर्दी के कोई लक्षण नहीं या हल्के लक्षण दिखाई देते हैं। लेकिन कभी-कभी कुछ लोगों में गंभीर बीमारियां हो जाती हैं, जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में इजरायल के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी तामीर गोशेन ने न्यूज वेबसाइट को बताया था कि पिछले दो महीनों में 159 पक्षी वायरस से संक्रमित पाए गए, जबकि 2023 में केवल तीन पक्षियों में संक्रमण होंगे।

फिलीपींस में बाढ़ से एक व्यक्ति की मौत, दो लापता

मनीला। दक्षिणी फिलीपींस के कुछ हिस्सों में सप्ताहांत में भारी वर्षा से अचानक आयी बाढ़ में एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई तथा दो अन्य लापता हो गये। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद ने रविवार को बताया कि बाढ़ से चार क्षेत्रों में लगभग 39 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित लगभग 10 हजार लोग विस्थापित ग्रामीण निकासी केंद्रों में रह रहे हैं।

ये लोग फैसला सुनाने वाले कौन होते हैं, पीटीआई के बैन पर पार्टी लीडर शोएब शाहीन ने दी प्रतिक्रिया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जेल में बंद इमरान खान की पार्टी पीटीआई पर पाकिस्तान सरकार ने बैन लगाने का फैसला किया है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि पीटीआई राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल है और इमरान खान ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए पार्टी का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तान क्रिकेट के पूर्व कप्तान और पूर्व पाक प्रधानमंत्री इमरान खान पर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने व भ्रष्टाचार जैसे मामले चल रहे हैं। पीटीआई के बैन पर पार्टी के सीनियर लीडर शोएब शाहीन ने कहा कि, यह लोग बौखलाहट का शिकार हैं, इनको समझ आ चुका है कि इनके हाथ से गेम निकल चुका है, इनको नकार दिया गया है और इनके पास कुछ नहीं है। इन्होंने कैबिनेट के फैसले से पहले ही अपना फैसला सुना दिया है। कैबिनेट के बिना ये अपना फैसला सुनाने वाले कौन होते हैं? बैन पर

बात करते हुए आम लोगों का कहना है कि पीटीआई की सोच को आप भले ही पसंद न करते हों, लेकिन पार्टी पर बैन लगाना उचित नहीं है। राजनीतिक पार्टियों को मिल बैठकर आपस में मामले को हल करना चाहिए, वर्ना बाहरी ताकतें हस्तक्षेप करती रहेंगी।

लोगों ने कहा कि पाकिस्तान में पहले भी जिन पर बैन लगाया था, उनको पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका। बैन लगाने से पार्टी को लोगों के दिलों से खत्म नहीं किया जा सकता। ये फैसला गलत है और पार्टी को अपना विचार व्यक्त करने का अधिकार है। पाबंदी लगाने का फैसला सही नहीं है।

गाजा में स्कूल पर इजरायली हमले में 12 फिलिस्तीनियों की मौत

एजेंसी

गाजा। सेंट्रल गाजा में एक स्कूल पर इजरायली हवाई हमले में कम से कम 12 फिलिस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। इस स्कूल में विस्थापित लोग रह रहे थे। सुरक्षा सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने नुसेरात शरणार्थी शिविर में मिसाइल से बमबारी की, जिसे संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी फॉर फिलिस्तीन रिफ्यूजीज इन द नियर ईस्ट (यूएनआरडब्ल्यूए) द्वारा संचालित किया जाता है। समाचार एजेंसी ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित कुछ वीडियो फुटेज में स्कूल पर बमबारी दिखाई गई है, इसमें स्कूल के कुछ हिस्से नष्ट हो गए।

इस हमले पर इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई।यूएनआरडब्ल्यूए ने इजरायली हमले की निंदा की और जोर देकर कहा कि गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के सलाहकार अदनान अबू हस्ना ने सिन्हुआ को बताया, ÷संयुक्त राष्ट्र एजेंसी अपने काम की जगह के बारे में जानकारी रोजाना इजरायली सेना को भेजती है, फिर भी सेना इसे और संयुक्त राष्ट्र दफ्तर को निशाना बनाती है।

इससे एक दिन पहले खान यूनिस के मावासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के तंबुओं पर बमबारी में कम से कम 90 फिलिस्तीनी मारे गए और 300 अन्य घायल हो गए थे, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। इधर, इजराइली सुरक्षा बलों ने पुष्टि की है कि उसने गाजा पट्टी में हवाई हमलों में हमास के खान यूनिस ब्रिगेड के कमांडर राफा सलामेह को मार गिराया। एक बयान में, इजराइली सेना और शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने रविवार को कहा कि सलामेह खान यूनिस के क्षेत्र में मारा गया। इजरायली मीडिया ने बताया कि खान यूनिस हमले में हमास के सैन्य विंग के कमांडर मोहम्मद डेफ और सलामेह इजरायली हवाई हमले के निशाने पर थे।

सेना ने कहा, सलामेह 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा पर हमास के हमले के मास्टरमाइंडों में से एक था। सलामेह 1990 के दशक की शुरुआत में हमास में शामिल हो गया था। सेना ने कहा कि 2016 में उसे खान यूनिस ब्रिगेड का कमांडर नियुक्त किया गया था, और वह खान यूनिस क्षेत्र से इजरायली की ओर मिसाइल लॉन्च करने और सुरंगों के संचालन की देखरेख करता था।

अफगानिस्तान में बाढ़ से पांच की मौत, मरने वालों में दो बच्चे और एक महिला शामिल

एजेंसी

असादाबाद। पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार प्रांत के अधिकांश हिस्सों में सोमवार सुबह अचानक आई बाढ़ में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी।आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के

प्रांतीय प्रबंधक एहसानुल्लाह एहसान के हवाले से समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताय कि असदाबाद शहर, प्रांतीय राजधानी और प्रांत के कुछ अन्य जिलों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई। एहसान ने कहा कि असदाबाद शहर में बाढ़ के कारण दो बच्चों और एक महिला सहित चार लोगों की जान चली गई और प्रांत के असमार जिले में एक अन्य महिला की मौत हो गई। एहसान ने कहा कि अचानक आई बाढ़ ने प्रांत के बाहरी इलाकों में दर्जनों घरों, सड़कें, पुल, पुलिया, नहरें, बांध और कृषि भूमि को बहा दिया। अफगानिस्तान के मौसम विभाग ने दो दिन पहले अफ़गानिस्तान के 34 प्रांतों में से 22 में भारी बारिश, बिजली, तूफान और बाढ़ की भविष्यवाणी की थी।

बाइडन बोले- मैंने ट्रंप को निशाने पर लेने वाली बात कहकर 'गलती' की, लेकिन उनके बयान ज्यादा भड़काऊ थे

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश की जहां दुनियाभर के नेताओं ने निंदा की है। वहीं, कई लोगों ने उन्हें निशाना बनाने के लिए हिंसक बयानबाजी का इस्तेमाल किया है। एक महीने पहले राष्ट्रपति जो बाइडन की टीम ने ट्रंप को देश के लिए असली खतरा बताया था। बाइडन ने हाल ही में कहा था कि ट्रंप को निशाने पर लेने का समय आ गया है। हालांकि, हमले के बाद अब बाइडन ने माना है कि उन्होंने यह कहकर गलती की थी कि वह ट्रंप को निशाने पर लेना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि ट्रंप की ओर से उस समय ज्यादा भड़काऊ बयानबाजी की जा रही थी।

रिपब्लिकन पार्टी रैली में ट्रंप पर हुआ हमला

ट्रंप पर हाल ही में पेन्सिलवेनिया में हमला हुआ था। हमलावर की गोली ट्रंप के कानों को छूकर निकल गई थी। इस दौरान उनके कान से

खून बहने लगा। वहीं, रैली में मौजूद एक समर्थक की गोलीबारी में मौत हो गई थी। कुछ ही सेकंड में सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने हमलावर को मार गिराया था। बाद में हमलावर की पहचान थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई।

बाइडन बोले- नहीं करना चाहिए था ऐसे शब्द का इस्तेमाल

रिपोर्ट के मुताबिक, बाइडन ने प्रसारित एक इंटरव्यू में एनबीसी न्यूज से कहा कि यह कहना उनकी एक गलती थी कि वह रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को निशाने पर लेना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया कि ट्रंप के बयान ज्यादा उकसाने वाले थे। बाइडन ने एनबीसी एंकर लेस्टर होल्ट से कहा, 'इस शब्द का इस्तेमाल करना एक गलती थी।' उन्होंने कहा कि वह जो कह रहे हैं, उस पर फोकस करना चाहते हैं।

बाइडन ने ट्रप की 'खून-खराबा' वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए आगे कहा, जब कोई राष्ट्रपति ऐसी बातें कहता है, तो वह लोकतंत्र पर खतरे के बारे में कैसे बात कर सकता है? क्या आप इसलिए कुछ नहीं कहते हैं कि इससे कोई भड़क सकता है? राष्ट्रपति ने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं जो ऐसी बयानबाजी करते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने रैली में क्या कहा था: रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल मार्च में कहा था कि अगर नवंबर में उन्हें फिर से नहीं चुना जाता है तो देश में खून-खराबा होगा।

उन्होंने यह टिप्पणी एक रैली के दौरान की थी। तब वह ऑटो विनिर्माण को लेकर चीन के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बारे में बात कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ओली बोले- भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाने को प्रतिबद्ध, 30 दिनों में साबित करना होगा बहुमत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि वह भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी के बधाई संदेश का जवाब देते हुए, उन्होंने भारतीय नेता को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नवनियुक्त पीएम ओली को बधाई देकर कहा था कि वे दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। इस पर नेपाल के पीएम ने कहा, मैं हमारे पारस्परिक लाभ के लिए द्विपक्षीय रिश्तों की मजबूती को आपके साथ काम करने

को प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा, हम साथ मिलकर ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। बता दें कि ओली, एक नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे जो नेपाल में राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने की चुनौती का सामना करेगी।

ओली कैबिनेट में दो उपप्रधानमंत्री, 21 मंत्री नेपाल में पीएम केपी शर्मा ओली की कैबिनेट में इस बार दो उपप्रधानमंत्री और 21 मंत्री बनाए गए हैं। इसमें 12 पुराने, जबकि 9 नए मंत्रियों को जगह मिली है। नेपाली कांग्रेस से प्रकाशमान सिंह और नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (यूएमएल) से विष्णु पौडेल उप-पीएम बने हैं। सिंह को शहरी विकास और पौडेल को वित्त मंत्रालय की भी जिम्मेदारी दी गई है। पौडेल पांचवीं बार वित्त मंत्री बने।

30 दिनों में विश्वास मत

नेपाल के पीएम पद की शपथ लेने वाले ओली को अब 30 दिनों के भीतर संसद से विश्वास मत हासिल करना होगा। 275 सीटों वाली प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में ओली को न्यूनतम 138 वोटों की आवश्यकता होगी। नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा के समर्थन से उन्हें इससे अधिक सीटें आसानी से मिल जाएंगी। जयशंकर की आरजू राणा को बधाई विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आरजू राणा देउबा को नेपाल के विदेश मंत्री के रूप में उनकी हालिया नियुक्ति पर बधाई दी है।

सरकार ने त्रिशूली नदी में लापता बसों का पता लगाने के लिए किया टास्क फोर्स का गठन, अब तक 13 शव बरामद

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के चितवन जिले में पिछले हफ्ते भूस्खलन के बाद उफनती नदी में दो बसें बह जाने के बाद बचावकर्मियों ने 13 शव बरामद किए हैं। इनमें तीन भारतीयों के शव शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तेरह में से तीन शव भारतीय नागरिकों के हैं और पांच की पहचान की जानी बाकी है। चितवन जिले के नारायण-मुगलिंग-मार्ग के साथ सिमलताल इलाके में शुक्रवार को भूस्खलन हुआ। घटना के तुरंत बाद तीन लोग तैरकर सुरक्षित स्थान पर बाहर निकल आए। नेपाल के नए गृहमंत्री रमेश लेखक ने इस हादसे पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया।

अधिकारियों के मुताबिक, संयुक्त सचिव छबि रिजाल के नेतृत्व में पांच सदस्यीय कार्यबल को दस दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। बीरगंज से काठमांड जा रही एक बस और काठमांडू से गौर जा रही एक अन्य बस क्षेत्र में भारी भूस्खलन के बाद सिमलताल इलाके में त्रिशूली नदी में गिर गई। बसों में सात भारतीय नागरिकों सहित कुल 54 यात्री सवार थे। 51 लोग लापता थे। अब तक 13 शव बरामद किए जा चुके हैं। सरकार ने बसों और लापता यात्रियों का पता लगाने के लिए करीब 500 सुरक्षाकर्मियों और पानी के ड्रोन, शक्तिशाली मैग्नेट और राफ्टिंग नौकाओं जैसे आधुनिक उपकरणों से लैस दर्जनों गोताखोरों को तैनात किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने 39 साल के जेडी वेंस को बनाया रनिंग मेट

एजेंसी

लंदन। अमेरिका में इसी साल नवंबर में होने वाले आम चुनाव में ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेडी वेंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। 39 वर्षीय वेंस की शादी भारतवंशी उषा चिलुकुरी वेंस से हुई है। उषा आंध्र प्रदेश की मूल निवासी हैं।

रनिंग मेट के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क पर लिखा, 'लंबे विचार-विमर्श और मंथन के बाद मैंने फैसला किया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति का पद संभालने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस हैं।' उन्होंने कहा कि कई अन्य लोगों की जबरदस्त प्रतिभा को देखने के बाद जेडी वेंस के नाम पर मुहर लगाई गई है।

वेंस एक लेखक होने के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि जेडी ने मरीन कॉर्प्स में अमेरिका की सेवा की है। जेडी वेंस की तारीफों के पुल बांधते हुए ट्रंप ने बताया कि वेंस एक लेखक होने के साथ-साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं।

दो साल में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक की उपाधि

सुम्मा कम लाउड और येल लॉ स्कूल से स्नातक

येल लॉ जर्नल के संपादक और येल लॉ वेटरन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं

प्रौद्योगिकी और वित्तीय क्षेत्र में बहुत ही सफल व्यवसायिक करियर रहा है

अमेरिका के मेहनती पुरुषों और महिलाओं का समर्थन करने वाले शख्स

जेडी की पुस्तक हिलबिली एलेजी बेस्टसेलर में गिनी जाती है। हॉलीवुड में इस पर फिल्म भी बनाई जा चुकी है। ट्रंप के मुताबिक वेंस ने अपनी इस कृति में अमेरिका के मेहनती पुरुषों और महिलाओं का समर्थन किया है।

'वेंस अमेरिकी श्रमिक और किसानों के साथ खड़े रहे हैं'

ट्रंप ने वेंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाने के साथ-साथ यह भी बताया कि रिपब्लिकन खेमे के प्रचार अभियान के दौरान वेंस उन लोगों पर विशेष ध्यान देंगे जिनके लिए उन्होंने शानदार लड़ाई लड़ी है। ट्रंप के मुताबिक वेंस पेंसिल्वेनिया, मिशिगन, विस्कॉन्सिन, ओहियो, मिनेसोटा और कई अन्य राज्यों के अमेरिकी श्रमिक और किसानों के साथ खड़े रहे हैं।

जानलेवा हमले में बचे ट्रंप ने मिल्वौकी से की रनिंग मेट की घोषणा

गौरतलब है कि ट्रंप की ओर से जेडी वेंस के नाम की घोषणा अमेरिकी राज्य मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के उद्घाटन के दिन की गई। इससे पहले 14 जुलाई को पेन्सिलवेनिया में रैली के दौरान ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वे बाल-बाल बचे। गोली उनके कान को छूकर निकल गई।

जंग से जूझ रहे फलस्तीन की मदद के लिए भारत ने बढ़ाए हाथ; शरणार्थियों के लिए भेजी आर्थिक मदद

एजेंसी

गाजा। भारत ने जंग से जूझ रहे फलस्तीन की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं, भारत ने साल 2024-25 के लिए फलस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी - यू.एन.आर.डब्ल्यू.ए को 25 लाख डॉलर की पहली किस्त आज जारी कर दी है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने आज एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्य कार्यक्रमों और सेवाओं के लिए पचास लाख डॉलर के योगदान की घोषणा की थी। इसमें फिलिस्तीनी शरणार्थियों को दी जाने वाली स्वास्थ्य, शिक्षा, राहत और सामाजिक सेवाएं शामिल हैं।

भारत ने कुल साढ़े तीन करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान की

भारतीय मिशन ने कहा है कि भारत ने पिछले कुछ सालों में, फिलिस्तीनी शरणार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के माध्यम से 2023-24 तक साढ़े तीन करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

25 लाख डॉलर की पहली किश्त जारी

सोशल मीडिया एक्स पर अपने बयान में

रामल्लाह में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने कहा- भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और वर्क्स एजेंसी के लिए लगभग 25 लाख डॉलर की पहली किश्त जारी की,

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ब्राजील की पूर्व मॉडल को आठ साल की जेल; कभी अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो को डेट करने की थी अफवाह

एजेंसी

वॉशिंगटन । ब्राजील की पूर्व मॉडल और अमेरिका में रहने वाली वेलनेस इन्फ्लुएंसर कैट टोरेस को आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उन पर मानव तस्करी और महिलाओं की गुलामी जैसे कई आरोप हैं। कैट टोरेस का नाम एक वक्त अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ भी जोड़ा गया था। हालांकि, इसे लेकर कोई पुष्ट जानकारी कभी सामने नहीं आई। दरअसल, एफबीआई की जांच में पाया गया कि उनके साथ रहने वाली दो महिलाएं 2022 में लापता हो गई थीं। उन महिलाओं का दावा है कि उन्हें भी टोरेस ने तस्करी कर गुलाम बनाया था। उन्होंने उनके साथ रहने के अपने दर्दनाक अनुभव के बारे में बताया।

एक मीडिया हाउस से बात करते हुए महिलाओं ने दावा किया कि वे उनकी गरीबी से अमीरी की कहानी से आकर्षित थीं। वह एक गरीब ब्राजीलियाई नागरिक थी और उन्होंने अपने काम के दम पर हॉलीवुड सितारों के साथ पार्टी करने तक का सफर तय किया। टोरेस को लेकर एक वक्त ऐसी अफवाहें भी उड़ी थीं कि वह अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ डेटिंग कर रही हैं। यह भी दावा किया गया कि वह अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का उपयोग करके भविष्यवाणियां कर सकती हैं। एना नाम की महिला ने बताया कि वह पत्रिकाओं के कवर पर थीं। उसे लियोनार्डो डिकैप्रियो जैसे मशहूर लोगों के साथ देखा गया था। मैंने जो कुछ भी देखा, वह विश्वसनीय लगा। टॉरेस की पूर्व फ्लैटमेट (जो न्यूयॉर्क में उसके साथ रहती थी) ने बताया कि उसके हॉलीवुड के दोस्तों ने उसे अयाहुस्का नाम की एक दवा के बारे में बताया। इसके इस्तेमाल से ही उसने खुद को वेलनेस एक्सपर्ट के रूप में आगे बढ़ाया।

2019 में एना टॉरेस की सहायक के रूप में काम करने के लिए न्यूयॉर्क चली गई। उसे टोरेस के जानवरों की देखभाल करनी थी, उसके लिए खाना बनाना था, उसके कपड़े धोने थे और 2000 प्रति माह पर सफाई करनी थी, लेकिन जब वह पहुंची तो टोरेस के घर की स्थिति ने उसे चौंका दिया। उसे लगातार टोरेस के लिए उपलब्ध रहने की उम्मीद थी, उसे केवल कुछ घंटों के लिए सोने की अनुमति थी। वह कुछ घंटों के लिए सोने के लिए बिल्डिंग के जिम में छिप जाती थी। उसे कभी भुगतान नहीं किया गया। एना के भागने के बाद टोरेस ने दो और महिलाओं डेसिरे और लेटिसिया को काम पर रखा, जो उसके साथ टेक्सास में एक घर में रहने लगीं। यह काम जल्द ही महिलाओं के लिए एक दुःस्वप्न में बदल गया।

आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ना एससीओ की प्राथमिकताः जयशंकर

एजेंसी

अस्ताना । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान पर परोक्ष हमला करते हुए कहा है कि क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद एक खतरा बन गया है तथा आतंकी हमलों को अंजाम व बढ़ावा देने और इसका वित्तपोषण करने वालों की पहचान और दंडित करने की जरूरत है। हाल में अस्ताना की काजिनफॉर्म समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तीन बुराइयों ङ्क आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद ङ्क के खिलाफ लड़ाई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में प्राथमिकता है। एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 24वीं बैठक 4 जुलाई को कजाक राजधानी अस्ताना में कजाकिस्तान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जयशंकर ने किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी सम्मेलन में शामिल हुए।विदेश मंत्री ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज दुनिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद है। यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बन गया है और इसके लिए हम सभी को तत्काल कार्रवाई करनी होगी।'' जयशंकर ने कहा, ''आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। न केवल आतंकवाद के जघन्य कृत्यों को अंजाम देने वालों की, बल्कि आतंक को बढ़ावा देने वालों, इसके वित्तपोषकों और प्रायोजकों, इन सभी की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।''

तिहाड जेल प्रशासन ने भी माना है कि कई बार शुगर लेवल कम हुआ है केजरीवाल का - आप सांसद संजय सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल के वजन को लेकर आम आदमी पार्टी की ओर से सांसद संजय सिंह ने कहा कि तिहाड जेल प्रशासन ने भी माना है कि कई बार उनका शुगर लेवल कम हुआ है। शुगर लेवल कम होने पर वह नींद में कोमा में जा सकते हैं. शुगर लेवल कम होने पर ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बना रहता है। हालांकि तिहाड़ प्रशासन की ओर से आम आदमी पार्टी के वजन कम होने के दावे को खारिज कर दिया गया है।क्क सांसद संजय सिंह ने कहा, किसी भी मरीज की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करना एक अपराध है। जेल प्रशासन कई बार दिल्ली के सीएम की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक कर चुका है। इससे साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल की जिंदगी से खिलवाड़ करने की साजिश रची जा रही है...इस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने के. कामराज की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे के. कामराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने भारत की आजादी के आंदोलन में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक करुणामयी प्रशासक के रूप में अपनी छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपने ट्वीट में कहा, ''के. कामराज को उनकी जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने अमिट योगदान दिया और एक करूणामयी प्रशासक के रूप में उन्होंने छाप छोड़ी।'' मोदी ने कहा, ''उन्होंने गरीबी मिटाने और लोगों के कष्ट कम करने के लिए कठिन परिश्रम किया। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना ध्यान केंद्रित किया।''

अमित शाह 18 को एनकॉर्ड बैठक की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को नारकोटिक्स समन्वय केंद्र (एनकॉर्ड) की सातवीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। गृह मंत्रालय ने बताया कि गृह मंत्री इस दौरान राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 'मानस' की शुरुआत करेंगे। साथ ही श्रीनगर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। वह ब्यूरो की 'वार्षिक रिपोर्ट 2023' और 'नशामुक्त भारत' पर एक विस्तृत विवरण भी जारी करेंगे। बैठक का उद्देश्य मादक पदार्थों की तस्करी और इनके दुरुपयोग से निपटने में शामिल विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार की एजेंसियों के प्रयासों में समन्वय और तालमेल स्थापित करना है। केंद्र सरकार ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस नीति' अपनाई है। गृह मंत्रालय संस्थागत ढांचे को मजबूत कर सभी नार्को एजेंसियों के बीच समन्वय और व्यापक जनजागरुकता अभियान की तीन सूत्रीय रणनीति पर चलते हुए 2047 तक नशामुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। राज्यों और गृह मंत्रालय में बेहतर समन्वय के लिए वर्ष 2016 में नार्को समन्वय केंद्र स्थापित किया गया था। वर्ष 2019 में इसे चार-स्तरीय प्रणाली के माध्यम से और मजबूत किया गया।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में 'सौश्रुतम् 2024' का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के शल्य तंत्र विभाग ने महर्षि सुश्रुत की जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सौश्रुतम् 2014 का आयोजन किया जिसमें 25 प्रत्यक्ष जटिल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने यहां बताया कि यह संगोष्ठी 13 जुलाई को आरंभ हुई थी, जो आज संपन्न हो गई। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल के संस्थापक निदेशक प्रोफेसर संदीप कुमार उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। पद्मश्री प्रोफेसर मनोरंजन साहू और प्रोफेसर अनुराग श्रीवास्तव तथा अन्य जाने माने चिकित्सक भी संगोष्ठी में शामिल हुए।

एआईआईए की निदेशक प्रो. (डॉ.) तनुजा नेसरी ने बताया कि दो दिनों में, 25 प्रत्यक्ष जटिल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। प्रत्यक्ष शल्य चिकित्सा कार्यशालाओं के दौरान भगंदर (फिस्टुला-इन-एनो), अर्श (बवासीर), पिलोनिडल साइनस, पित्ताशय की पथरी, हार्निया आदि के रोगियों पर वीएएएफटी, लेप्रोस्कोपी तथा लेजर जैसी नई तकनीकों तथा पारंपरिक शल्य विधियों का उपयोग करके ऑपरेशन किए गए। पिछले एक वर्ष में, एआईआईए की शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से लगभग 1500 रोगियों को लाभ मिला है। शल्य चिकित्सा के जनक माने जाने वाले महान चिकित्सक सुश्रुत के सम्मान में हर साल 15 जुलाई को सुश्रुत जयंती मनाई जाती है। कार्यक्रम के लिए 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें विषय विशेषज्ञ, रेजिडेंट डॉक्टर, सर्जन और संकाय सदस्य शामिल थे।

विक्रम मिसरी ने नए विदेश सचिव का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले अनुभवी राजनयिक विक्रम मिस्री ने भारत के नए विदेश सचिव का पदभार ग्रहण किया।

1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी मिसरी ने विनय क्वात्रा का स्थान लिया।

मिसरी ने ऐसे समय में यह महत्वपूर्ण पद संभाला है जब भारत विभिन्न विदेश नीति चुनौतियों से निपटने की कोशिश कर रहा है, जिसमें पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के बाद चीन के साथ उसके खराब होते संबंध भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, श्री विक्रम मिसरी ने आज विदेश सचिव का पदभार ग्रहण किया। सटीमएमईए विदेश सचिव मिसरी का गर्मजोशी से स्वागत करता है और उनके सफल कार्यकाल की कामना करता है। मिसरी अपने पिछले कार्यकाल में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के पद पर कार्यरत थे। उन्हें तीन प्रधानमंत्रियों - इंद्र कुमार गुजराल, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी के निजी सचिव के

रूप में सेवा करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है। उप एनएसए नियुक्त होने से पहले, मिसरी ने 2019-2021 तक चीन में भारत के राजदूत के रूप में कार्य किया। ऐसा माना जाता है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने के बाद मिसरी ने दोनों देशों के बीच वार्ता में अहम भूमिका निभाई थी। गलवान घाटी में भीषण झड़प के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट आई थी, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।अपने शानदार करियर में मिसरी ने स्पेन (2014-2016) और म्यांमार (2016-2018) में भारत के राजदूत के रूप में भी काम किया है, इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान, अमेरिका, जर्मनी, बेल्जियम और श्रीलंका सहित कई भारतीय मिशनों में भी कार्य किया है।

सुप्रीम कोर्ट पूर्व मुख्यमंत्री उमर की पत्नी से तलाक की याचिका पर विचार करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की पत्नी पायल अब्दुल्ला से तलाक की मांग वाली उनकी एक याचिका पर वह विचार करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने उमर अब्दुल्ला का पक्ष रख रहे अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलें सुनने के बाद श्रीमती पायल को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने का निर्देश दिया। अपने तलाक के मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए उमर ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और तलाक मंजूर करने की गुहार लगाई है?। उच्च न्यायालय ने उनकी तलाक की अर्जी ठुकरा दी थी। श्री सिब्बल ने शीर्ष अदालत की इस पीठ के समक्ष दलील दी कि उनके मुवक्किल की शादी 'खत्म' हो चुकी है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता और उनकी पत्नी पायल पिछले 15 सालों से अलग रह रहे हैं।

उन्होंने शीर्ष अदालत से संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए उमर की तलाक

की याचिका मंजूर करने का अनुरोध किया। उमर और पायल अब्दुल्ला की शादी एक सितंबर 1994 को हुई थी। उमर का दावा है कि वह 2009 से अलग रह रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने 'क्रूरता' के आधार पर अपनी पत्नी से तलाक की मांग की है।दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिसंबर 2023 में उमर की तलाक की याचिका को खारिज कर दिया था।

इससे पहले वर्ष 2016 में एक पारिवारिक अदालत ने भी उन्हें तलाक का आदेश देने से इनकार कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि पायल अब्दुल्ला के खिलाफ क्रूरता के आरोप अस्पष्ट हैं। उच्च न्यायालय ने यह भी पाया कि उमर 'क्रूरता' या 'परित्याग' के अपने दावों को साबित नहीं कर सके। उच्च न्यायालय ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा था। अदालत ने उमर और पायल अब्दुल्ला को अपने दो बेटों की कस्टडी साझा करने का फैसला दिया था।

हेमंत सोरेन ने मोदी से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।' श्री सोरेन ने धन शोधन से जुड़े एक मामले में न्यायिक हिरासत से छूटने के बाद पिछले दिनों राज्य के मुख्यमंत्री पद की दोबारा

मुलाकात की। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 'झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शपथ ली। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद श्री सोरेन की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस पोस्ट में दोनों नेताओं की मुलाकात की फोटो भी साझा की है।

सरकार ने मोहल्ला बस सेवा का ट्रायल शुरु किया जो सात दिनों तक चलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में यात्रियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिए सरकार ने मोहल्ला बस सेवा का ट्रायल शुरु किया जो सात दिनों तक चलेगा।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पत्रकारों से कहा, 'मोहल्ला बस सेवाओं की शुरूआत दिल्ली में लास्ट माईल कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन बसों को सीमित सड़क चौड़ाई और उच्च भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस ट्रायल के द्वारा हम यात्रियों से उनके अनुभव के आधार पर आवश्यक प्रतिक्रिया इकट्ठा कर रहे हैं जिससे मोहल्ला बसों की सेवा का विस्तार दिल्ली के सभी इलाक़ों में सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज से शुरू होने वाला ट्रायल सात दिनों तक चलेगा और वर्तमान में प्रधान एन्क्लेव पुस्ता से मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन और अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन

DELHI GOVERNMENT
Team Delhi. Making things happen

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पत्रकारों से कहा, 'मोहल्ला बस सेवाओं की शुरूआत दिल्ली में लास्ट माईल कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

से मयूर विहार फ़ेज-III पेपर मार्केट तक चलेगी।आसानी से पहचान के लिए मोहल्ला बसों को हरे रंग का रखा गया है। मोहल्ला बसों में 25 प्रतिशत सीटें गुलाबी रंग की हैं, जो विशेष रूप से महिला यात्रियों के लिए आरक्षित हैं। नौ मीटर की इन मोहल्ला बसों में 23 यात्री सीटें और 13 यात्रियों के खड़े होने की क्षमता है।

उन्होंने कहा कि मोहल्ला बस योजना का लक्ष्य 9 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसों के द्वारा दिल्लीवासियों को उनके घर के आसपास फीडर बस सेवाएं प्रदान करना है। केजरीवाल सरकार की योजना 2025 तक कुल 2,180 ऐसी बसें शुरू करने की है, जो विशेष रूप से सीमित सड़क चौड़ाई या भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के लिए होंगी।

कांग्रेस का महंगाई को लेकर मोदी पर तीखा हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस ने महंगाई को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब का निवाला छीनकर अपने दोस्तों को देते हैं इसलिए महंगाई से पीड़ित गरीब की तकलीफ से उन पर कोई फर्क नहीं पड़ता।पार्टी ने कहा 'जनता पर 'महंगाई मैन' मोदी का चाबुक फिर चला। थोक महंगाई दर ने एक साल चार महीने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और सब्जियों से लेकर खाने की वस्तुओं में बेतहाशा महंगाई दर्ज हुई है। कांग्रेस ने आवश्वयक वस्तुओं की महंगाई का आंकड़ा देते हुए ट्वीट कर आज कहा 'खाद्य वस्तुओं की महंगाई 8.68 प्रतिशत बढ़ी है जबकि दालों की महंगाई 21.64 प्रतिशत और सब्जियों की महंगाई 38.76 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। सब्जियों में सबसे महंगा प्याज चल रहा है और इस बारे में पार्टी ने कहा, प्याज की महंगाई दर 93.35 प्रतिशत है जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 प्रतिशत और फलों की महंगाई 10.14 प्रतिशत बढ़ गई है। पार्टी ने श्री मोदी को महंगाई के जिम्मेदार बताया और कहा नरेन्द्र मोदी को गरीबों की तकलीफ से कोई फर्क नहीं पड़ता। वे गरीबों के मुंह से निवाला छीनकर अपने अमीर दोस्तों को मौज करवा रहे हैं।

धन विधेयक विवाद : सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए संविधान पीठ के गठन पर विचार करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कथित तौर पर राज्यसभा को दरकिनार कर 'आधार अधिनियम' जैसे कानूनों को धन विधेयक के रूप में पारित करने की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए वह एक 'संवैधानिक पीठ' का गठन करने के अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की कि इस मामले पर विचार करने की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सिब्बल ने आरोप लगाते

हुए इस मामले में पीठ के समक्ष उल्लेख किया कि केंद्र सरकार द्वारा धन विधेयक की आड़ में कानून पारित किए जा रहे हैं। पीठ की ओर से न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस पर कहा,जब मैं संविधान पीठों का गठन करूंगा तो देखूंगा।

इस पर श्री सिब्बल ने कहा यह मामला पहले से ही सूची में है। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और अधिवक्ता इंदिरा जय सिंह ने श्री सिब्बल की दलीलों को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मामले में दलीलें पहले ही पूरी हो चुकी हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जय सिंह ने भी कहा कि धन विधेयक से संबंधित एलआईसी का मुद्दा भी है। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने सहमति जताते हुए कहा कि हम इस मामले को सूचीबद्ध करेंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, जब मैं संविधान पीठों का गठन करूंगा, तब इस पर विचार करूंगा। मुख्य न्यायाधीश ने पहले घोषणा की थी कि 'आधार अधिनियम' जैसे कानूनों को धन विधेयक के रूप में पारित करने की वैधता के मुद्दे पर विचार करने के लिए सात न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ का गठन किया जाएगा। इस निर्णय का उद्देश्य धन विधेयकों को लेकर उठे विवाद को हल करना है, क्योंकि सरकार ने 'आधार अधिनियम' और 'धन शोधन निवारण अधिनियम' (पीएमएलए) जैसे कानून में संशोधन के लिए उन्हें धन विधेयक के रूप में संशोधन पेश किए हैं। आरोप है कि सरकार का यह दृष्टिकोण राज्य सभा को दरकिनार करने का था, जहां उस समय सरकार के पास बहुमत हासिल नहीं था।

दरअसल, धन विधेयक केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। राज्यसभा धन विधेयक में संशोधन या अस्वीकृति नहीं कर सकती है। वह केवल सिफारिशें कर सकती है, जिन्हें लोकसभा स्वीकार या अनदेखा कर सकता है।

जयशंकर ने नेपाल की नई विदेश मंत्री आरजू राणा को दी बधाई

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आरजू राणा देउबा को नेपाल की नई विदेश मंत्री बनने पर बधाई दी और कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'नेपाल के विदेश मंत्री के रूप में आपकी नियुक्ति पर आरजू राणा देउबा को बधाई। भारत-नेपाल बहुआयामी साझेदारी को बढ़ाने के लिए आपके साथ काम करने को उत्सुक हूं।

उपचुनाव में 'इंडिया' ब्लॉक को मिली जीत पर बोले राहुल गांधी, भाजपा का भय और भ्रम का जाल टूट गया

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के महज डेढ़ महीने बाद सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में शानदार जीत पर 'इंडिया' ब्लॉक को बधाई दी। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'सात राज्यों में हुए उपचुनाव के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा द्वारा बुना गया 'भय और भ्रम' का जाल टूट चुका है। किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी और नौकरीपेशा समेत हर वर्ग तानाशाही का समूल नाश कर न्याय का राज स्थापित करना चाहता है। अपने जीवन की बेहतरी और संविधान की रक्षा के लिए जनता अब पूरी तरह से 'इंडिया' के साथ खड़ी है। जय हिंदुस्तान, जय संविधान।'

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी एक्स हैंडल पर लिखा, 'विपरीत परिस्थितियों में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रयासों के लिए हम उनका अभिवादन करते हैं। उपचुनाव में मिली यह जीत दर्शाती है कि जनता ने भाजपा की अहंकार, कुशासन और नकारात्मक राजनीति को अब सिरे से नकार दिया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी 'इंडिया' ब्लॉक को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, 'सात राज्यों की 13 सीटों पर हुए उपचुनाव में देश की जनता ने अपना समर्थन इंडिया गठबंधन को दिया है। देवभूमि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की जनता ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सभी जीते हुए प्रत्याशियों को बहुत-बहुत बधाई।' बता दें कि लोकसभा चुनाव के बाद पूरे देश की निगाहें 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजों पर टिकी थी। 'इंडिया' ब्लॉक ने इस उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करके भाजपा को आत्ममंथन करने के लिए बाध्य कर दिया है। उपचुनाव में भाजपा 13 में से महज दो सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। बिहार की एक सीट पर निर्दलीय ने बाजी मारी है। इसके अलावा, कांग्रेस ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में कमाल का प्रदर्शन कर दो-दो सीटें जीती हैं। उधर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने भी पश्चिम बंगाल में प्रशंसनीय प्रदर्शन किया और राज्य की सभी चार सीटों पर कब्जा कर लिया। भाजपा मध्य प्रदेश और हिमाचल की एक-एक सीट पर जीत का परचम लहराने में सफल रही। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने एक सीट पर जीत का परचम लहराया है।

उपचुनाव के नतीजों पर विपक्षी दलों के नेताओं का जश्न, दिल बहलाने के लिए अच्छा ख्याल है- अमित मालवीय

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बाद हुए देश के अलग-अलग राज्यों के कुल 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में 10 पर इंडिया ब्लॉक के घटक दलों को 2 पर बीजेपी को तो एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। ऐसे में इंडी गठबंधन के सभी घटक दलों के नेताओं की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया आ रही है और सभी इस बात की तरफ इशारा कर रहे हैं कि जनता का भरोसा इंडी गठबंधन पर बढ़ा है और उन्होंने भाजपा को नकार दिया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में एलओपी राहुल गांधी ने तो अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर लिखा कि को जीत मिली है। उन्होंने लिखा,7 राज्यों में हुए उपचुनाव के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा द्वारा बुना गया भय और भ्रम का जाल टूट चुका है। किसान, नौजवान, मज़दूर, व्यापारी और नौकरीपेशा समेत हर वर्ग तानाशाही का समूल नाश कर न्याय का राज स्थापित करना चाहता है। अपने जीवन की बेहतरी और संविधान की रक्षा के लिए जनता अब पूरी तरह से इंडी गठबंधन के साथ खड़ी है। जय हिंदुस्तान, जय संविधान।इसी को लेकर भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कांग्रेस और इंडी गठबंधन के अन्य दलों के नेताओं को करारा जवाब दिया है। अमित मालवीय ने इस पोस्ट में लिखा है। ये नतीजे इंडी एलायंस की हताशा की स्थिति में किसी तरह अच्छा महसूस करने के प्रयास के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने आगे लिखा कि इस नतीजे पर इंडी गठबंधन और खासकर कांग्रेस के नेता जैसा जश्न मना रहे हैं नतीजों में तो ऐसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने देश के अलग-अलग राज्यों के कुल 13 विधानसभा सीटों का पूरा लेखा-जोखा लिखकर इस पर पोस्ट किया है।

Name Change
I, RIZWAN AHMAD S/O SALEEM KHAN residing at HOUSE NO E 13 A 496 T HUTS NEW SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my name to RIZWAN AHMED S/O SALEEM KHAN all future purpose

Name Change
I, Ramana Murthy Gogi/ Gogiramanamurthy and Gogi Ramana Murthy S/o Bhaskara Rao R/o F-6, F-Block, Greenwood City, Sector-46, Gurugram, Haryana-122003, These Are Same Persons.

Name Change
I, MONI MISHRA wife of NO-4283868Y Rank-NK Name- JITENDRA KUMAR MISHRA R/O VPO-DUMARIA BUZURG, TEH- DUMARIA BUZURG, DIST-KHAGARIA, BIHAR-851216 have changed my name from MONI MISHRA to MONI DEVI for all future purposes vide affidavit dated 16/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Jitender /Jitendra Kumar S/o Ranbir Singh R/o H.No-33, Village Silani, Post Bhirauti, Sohna, Gurgaon, Haryana-122103, Have Changed My Name To Jitender Kumar For All Future Purpose

Name Change
I, CHORGE SHAKUNTALA Mother of No. 14848870M, Rank-NK, Name-PRADIP RAGHUNATH CHORGE Residing at VILL-KHINDWADI, PO-KHINDWADI, PS-SATARA, TEH-SATARA, DISTT-SATARA, MAHA-RASHTRA-415004 have changed my name from CHORGE SHAKUN-TALA to SHAKUNTALA RAGHU-NATH CHORAGE for all future pur-poses vide Affidavit dated 16/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No. 16017438P Rank-HAV Name-SONVIR SINGH S/o DHARAM PAL SINGH Presently residing at VILL-BORHA, PO-BIBIYANA TAL, TEH-ANOOP SHAHR, DIST-BULAND-SHAHR, UTTAR PRADESH-202390 have changed my mother's name from KUSAM DEVI to KUSUM for all future purposes vide affidavit dated 12/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MEENU DEVI Mother of NO-16023668Y, Rank-NK, Name-RAJENDRA SINGH residing at VILL-PANTHRIA, PO- PANTHRIA, TEH- SURAJGARH, DISTT-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333031, have changed my name from MEENU DEVI to MEENA for all future purposes and in my son's serv-ice records my date of birth wrongly mentioned as 01/04/1973 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 vide affidavit dated 16/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Rajani Goyal W/O Radha Madhav Jindal R/O 107, Ashoka Heights Mathura have changed my name to Rajni Jindal for all purposes.

Name Change
I, P MARY PUSHPAM Mother of No. 15319547H Rank-HAV Name-P JAGAGINRAJ presently residing at HOUSE NO-5/64-1, VILL-PULIY-OORKURCHI, PO-THUCKALAY, TEH-KALKULAM, DIST-KANYAKU-MARI, TAMIL NADU-629175 have changed my name from P MARY PUSHPAM to BALAMMAL D BAL-AIYAN for all future purposes vide Affidavit Dated 16/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SANJAY MANDAL son of BIDHU BHUSAN MONDAL R/o VILL-SERERATI, PO-TAKI MAMUDPUR, TEH-BASIRHAT, DIST-NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743435 have changed my name from SANJAY MANDAL to SANJAY MONDAL for all future purposes.

Name Change
I, NIDHI PARMAR wife of 17036649H Rank-NK Name- PUSHPENDRA SINGH TOMAR R/O VILL-KARARI, PO-KARARI, DISTT- MORENA, MP-476001 have changed my name from NIDHI PARMAR to NIDHI TOMAR for all future purposes vide Affidavit Dated 16/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, BHASWATI MANDAL wife of SANJAY MONDAL R/o VILL-SERERATI, PO-TAKI MAMUDPUR, TEH-BASIRHAT, DIST-NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743435 have changed my name from BHASWATI MANDAL to BHASWATI MONDAL for all future purposes.

Name Change
I, Anuj Aggarwal S/O Prem Chand Bindal R/O Adarsh Colony Hodal have changed my name to Anuj Kumar Bindal for all purposes.

Name Change
I, Nikesh W/o Jitender Kumar R/o H.No-33, Village Silani, Post Bhirauti, Sohna, Gurgaon, Haryana-122103, Have Changed My Minor Son Name Manav Singh Tanwer To Manav Singh Tanwar For All Future Purpose

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT HARVIR SINGH S/OSh. RAM SAWROOP R/o. H.NO 4527, STREET NO -5, AJIT NAGAR, GAND-HI NAGAR,EAST DELHI -110031 HAS SEVERED ALL RELATIONS AND DIS-OWNED HIS SON HEMANT KUMAR & HIS WIFE KALPANA FROM HIS ALL MOVABLE /IMMOVABLE PROEPRTY MY CLIENT SHALL NOT BE RESPON-SIBLE FOR THEIR ACTS/DEEDS.
CHANCHAL SINGH ADVOCATE
CH. NO.271, ADVOCATE LAWYERS CHAMBER BLOCK, SAKET COURTS, NEW DELHI M.NO.8700118318

PUBLIC NOTICE
My client Sh. Mohammad Iqbal S/o Late Islam Khan, R/o E- 196/1, Shaheen Bagh, Abul Fazal Enclave-2, Jamia Nagar, Okhla. New Delhi-110025 has severed all his relationship ties with his sons Mohammad Israr and Mohammad Imran due to their continu-ous misconduct and behavior. My client has disowned them from his moveable and immovable properties and responsibilities and will not be responsible for their past, present and future acts whatsoever.
ABDUL NASIR KHAN (ADVOCATE)
SEAT NO.15, CENTRAL HALL PATIALA HOUSE COURTS, NEW DELHI-110001

प्रतिस्पर्धात्मक युग में कौशल विकास का होगा महत्वपूर्ण योगदानः वीसी मलिक

एजेंसी

सिरसा। प्रतिस्पर्धात्मक युग में कौशल विकास का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। हर युवा के सामने अपनी क्षमता को बिस्तर देते हुए कौशल विकास करने के लिए बहुत संभावनाएं हैं। इसलिए उन्हें इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति प्रोफेसर अजमेर सिंह मलिक विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में कला का महत्व बढ़ रहा है, क्योंकि हर युवा के सामने चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि केवल शिक्षा प्राप्त करने से हर युवा को मन मुताबिक अवसर प्राप्त नहीं होंगे। युवाओं को कौशल विकास पर भी केंद्रित करना होगा। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजमेर सिंह मलिक ने रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ राजेश कुमार बंसल, डायरेक्टर यूकोप प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर स्किल सेंटर कमल सैनी, जिला कौशल संयोजक सीनम भी उपस्थित रहे।

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया काले बिल्ले लगाकर प्रदर्शन

हिसार। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन से जुड़े स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में काले बिल्ले लगाकर सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया। कर्मचारियों ने सिविल सर्जन के माध्यम से मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन के जिला प्रधान विकास संदलाना ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि राज्य सरकार बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी वर्ग की अनदेखी कर रही है। इसका आगामी विधानसभा चुनाव में भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा। सरकार द्वारा शीघ्र मांगों पर कार्रवाई न होने पर आगामी 4 अगस्त को प्रदेशभर के बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मी मुख्यमंत्री हरियाणा के करनाल स्थित आवास पर रोष प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर संगठन के प्रमुख पदाधिकारी रविन्द्र पेटवाड़, प्रवीण सरोहा, बजरंग सोनी, प्रदीप कुमार, सुरेश कुमार, सुरेंद्र नरवाल, बलजीत सिंह, पिंकी आमना, सीमा, अमित कुमार और नूर मोहमद आदि उपस्थित रहे। एसोसिएशन नेताओं ने मांगों का जिक्र करते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग के सभी वर्गों की तरह एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के पदनाम संशोधित करना, नए नॉर्म्स के नाम पर शहरी क्षेत्र के लिए एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के समाप्त किए गए पदों को पुन बहाल करवाते हुए आईपीएचएस के न्यू नॉर्म्स और आबादी अनुसार नए पद सृजित किए जाएं साथ ही प्रदेश में 2018 के बाद रुकी एमपीएचडब्ल्यू पुरुष की भर्ती की जाए।

बीड़ बबरान धाम के अर्जी संकीर्तन में श्याम बाबा के भजनों की रही धूम

हिसार। महाभारतकालीन बीड़ बबरान धाम में आयोजित अर्जी संकीर्तन में भक्तों का उत्साह देखने लायक रहा। इस अवसर पर बीड़ बबरान धाम के महंत महाराज विनोद शर्मा ने पूरे विधि विधान से श्री श्याम बाबा की पूजा व आराधना की और निज पुजारी विनय शर्मा ने भजनों के माध्यम से स्तुतिगान शुरू किया। हिसार से पधारे गायकों के साथ मिलकर विनय शर्मा ने भजनों से समां बांध दिया। गायकों के मुख से श्री श्याम बाबा की महिमा सुनभर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। श्री श्याम बाबा के जयकारे के साथ भक्तों ने दरबार में अर्जी लगाई और मन्नतें पूरी होने की कामना की। निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि बीड़ बबरान धाम में श्याम बाबा श्रद्धालुओं के बिगड़े काम संवार देते हैं। इसलिए दूर-दूर के क्षेत्रों से भी भक्त अपनी अर्जी लगाने के लिए बीड़ बबरान धाम में पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि बीड़ बबरान धाम में महाभारतकालीन कई साक्ष्य मौजूद हैं। यहां पर सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है।

जींद के गांव कालवा में नाबालिग लड़की बालिका वधु बनने से बची

जींद। बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम ने कालवा में एक बालिका को वधु बनने से बचाया। टीम ने बाल विवाह की सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए नाबालिग की शादी को रूकवाया और साथ ही परिजनों को फिर से विवाह न करने के लिए चेताया। इसके अलावा बाल विवाह अधिनियम की जानकारी भी दी। जिस पर परिजनों ने आश्वासन दिया कि अब वह बालिग होने पर ही विवाह करेंगे।सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी रवि लोहान को सूचना मिली थी कि गांव कालवा में एक नाबालिग लड़की की शादी करवाई जा रही है और बारात कैथल जिले से आने वाली है। इस पर कार्रवाई करते हुए सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी रवि लोहान, महिला सिपाही आरती, नीलम, सिपाही सुरेंद्र, ओमप्रकाश के साथ मौके पर पहुंचे। टीम द्वारा लड़की के परिवार वालों से लड़की के जन्म से संबंधित कागजात मांगे तो परिजनों ने पहले तो टाल मटोल करने की कोशिश की और शादी ना होने की बात कही लेकिन जब मौके पर अन्य मौजिज व्यक्तियों को बुलाया गया तो लगभग दो घंटे के बाद जो सबूत दिखाए गए। जिसमें लड़की की उम्र साढ़े 17 वर्ष पाई गई। इस पर उसके परिजनों द्वारा बताया गया कि लड़की के माता-पिता अनपढ़ हैं। उसके पिता बीमार रहते हैं और उसे किसी कानून की कोई जानकारी नहीं है। इसलिए वह गलती से ऐसा कर रहे थे। इस पर सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी रवि लोहान ने परिजनों को समझाया गया कि आपकी लडक़ी नाबालिग है, इसलिए आप उसके बालिग होने तक का इंतजार करें ताकि कोई कानूनी अड़चन न आए।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 'अनंत मुस्कान' कार्यक्रम किया लॉन्च

पंचकूला- भारत में 'अनंत मुस्कान' लॉन्च करने वाला देश का पहला जिला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 'अनंत मुस्कान' का उद्घाटन पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में किया। 'अनंत मुस्कान' भारत में प्राथमिक विद्यालय-आधारित टूथ ब्रशिंग और मौखिक स्वास्थ्य शिक्षा पर एक बहु-आयामी कार्यान्वयन अनुसंधान÷ है।

इस अवसर मुख्य अतिथि, हरियाणा के राज्यपाल, बंडारू दत्तात्रेय ने प्राथमिक विद्यालय-आधारित टूथ ब्रशिंग और मौखिक स्वास्थ्य एंव शिक्षा के लिए केंद्र के प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की और ऐसी पहलों का समर्थन करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने मानव कल्याण में मौखिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया और छोटे बच्चों को उनके प्रारंभिक वर्षों के दौरान शिक्षित करने के अभिनव दृष्टिकोण के लिए कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पंचकुला भारत में इस प्रभावशाली पहल को शुरू करने वाला पहला जिला है, यह गर्व की बात है। जहां हम 447 प्राथमिक

विद्यालयों (सरकारी और निजी) में लगभग 70,000 स्कूली बच्चों को टूथ ब्रशिंग और मौखिक स्वास्थ्य के लेकर भी शिक्षित करेंगे। टूथ ब्रशिंग सत्र दैनिक आधार पर निर्धारित समय और निर्धारित अवधि के लिए आयोजित किए जाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि मौखिक रोग दुनिया भर में सबसे आम गैर-संचारी रोगों में से हैं, जो अनुमानित 3.5 अरब लोगों को प्रभावित करते हैं। लाजमी है कि ऐसे लोगों में भारत और हरियाणा के भी बहुत सारे लोग मौखिक रोगों से प्रभावित होगें। मुझे यह जानकर खुशी है कि ओरल हेल्थ साइंसेज सेंटर हरियाणा में मौखिक स्वास्थ्य को लेकर सराहनीय कार्य कर रहा है। बुजुर्गों और बच्चों के बीच मौखिक स्वास्थ्य में सुधार के उनके प्रयास बेहतरीन हैं। वर्ष 1985 से यह केंद्र सरकारी स्कूल के बच्चों को आवश्यक दंत चिकित्सा सेवाएं और शिक्षा प्रदान करवा रहा है। ओरल हेल्थ साइंसेज सेंटर की पहल, विशेष रूप से बच्चों के लिए निर्देशित, समुदाय की जरूरतों की गहरी समझ को दर्शाती है। हरियाणा में ओरल हेल्थ को लेकर न केवल स्कूलों बल्कि ग्रामीण लोगों के बीच भी जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है।'अनंत मुस्कान' कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों में प्रशिक्षित स्कूल शिक्षकों के माध्यम से स्कूलों में दैनिक दांत ब्रश करने की दिनचर्या को लागू करना, व्यापक मौखिक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करना, नियमित मौखिक स्वास्थ्य जांच करना और शिक्षकों और अभिभावकों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना शामिल है।

पीजी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित

एजेंसी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में एमएससी-केमिस्ट्री, एमए-पत्रकारिता एवं जनसंचार, एमएससी-गणित, एमएससी- फिजिक्स, एमए-मनोविज्ञान तथा एमए-गाइडेंस एंड काउंसलिंग इत्यादि पीजी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई। डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. ए.एस. मान तथा कुलसचिव प्रो. तनेजा ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा कर प्रवेश परीक्षाओं की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रो. मान तथा प्रो. तनेजा ने परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित स्टाफ को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ प्रवेश परीक्षा करवाने के लिए प्रेरित किया और उपस्थित स्टाफ को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाएं सुचारू रूप से शांतिपूर्वक ढंग से आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर पीआरओ पंकज नैन साथ रहे। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि 16 जुलाई को 10 बजे से 11.15 बजे तक एमए-राजनीति विज्ञान की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक एलएलबी आनर्स तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। अपराह्न 3 बजे से शाम 4.15 बजे तक एलएलएम पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। कुलसचिव ने बताया कि 17 जुलाई को एमए-भूगोल, बीपीएड, एमपीएड, एमए-रक्षा एवं सामरिक अध्ययन, एमए-अर्थशास्त्र, एम.लिब साइंस, एमए-फाइन आर्ट्स (ड्राइंग एंड पेंटिंग), एमए-एजुकेशन, एमए-म्यूजिक वोकल, एमए-म्यूजिक इंस्ट्रूमेंटल सितार, एमए-योग विज्ञान पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। 18 जुलाई को एमए-हिन्दी, एम.फार्मेसी-इंडस्ट्रियल फार्मेसी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, फार्माकोलोजी, फार्माकोग्नोसी, ड्रग रेगुलेटरी एफेयर्स, एमसीए, एमएससी-कंप्यूटर साइंस, एमएससी-कंप्यूटर साइंस (डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग), एमए-हिन्दू स्टडीज, एमए-अंग्रेजी पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।।

सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों के लिए हरियाणा सरकार की नई पहल, प्रदेश में बढ़ाई जाएंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों की सुविधा हेतु राज्य सरकार ने एक नई पहल शुरू करते हुए स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार सेना के साथ तालमेल बिठाकर जरूरत के अनुसार शहरों में आर्मी पॉलिक्लिनिक की तर्ज पर स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करेगी, ताकि उन्हें व उनके परिवारों को घर के नजदीक ही स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

मुख्यमंत्री ने आज इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान में पंचकूला, अंबाला व हिसार आदि में सेना अस्पताल व पॉलिक्लिनिक संचालित हैं, उसी तर्ज पर सैनिकों की मांग और जरूरत के हिसाब से अन्य स्थानों पर भी स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की जानी चाहिएं। इस अवसर पर

स्वास्थ्य मंत्री डॉ कमल गुप्ता भी उपस्थित थे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए वे सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर इस संबंध में उचित कार्यवाही करें। हरियाणा सरकार सेना की ऐसी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संसाधन उपलब्ध करवाएगी।

उन्होंने कहा कि रेवाड़ी, रोहतक और महेंद्रगढ़ जैसे सैन्य बाहुल्य क्षेत्रों में पूर्व सैनिकों द्वारा स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने की मांग की जाती रही है, इसलिए इन क्षेत्रों में चिकित्सा संस्थान स्थापित होने से सैनिकों, पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रदेशभर में जनसंवाद में आई हुई मांगों के आधार पर एसएचसी, पीएचसी व सीएचसी किए जाएंगे स्थापित

नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार निरंतर प्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र में ढांचागत विकास कर रही है। नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए सब-हेल्थ सेंटर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामान्य स्वास्थ्य केंद्र खोले जा रहे हैं। वर्तमान में संचालित अस्पतालों में सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही नर्सिंग कॉलेज भी खोले जा रहे हैं। इससे प्रदेश में डॉक्टरों और पेरा-मेडिकल स्टाफ की कमी दूर होगी। इतना ही नहीं, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (ऐम्स) की स्थापना भी हो रही है, जिससे केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि आस-पास के राज्यों के नागरिक भी लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के लिए जनसंवाद में आई हुई मांगों के आधार पर सब-हेल्थ सेंटर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामान्य स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएं।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ अमित अग्रवाल और स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव व आयुष्मान भारत हरियाणा स्वास्थ्य संरक्षण प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य दहिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा बहुजन क्रांति मिशन ने कांग्रेस में किया विलय

चंडीगढ़। हरियाणा बहुजन क्रांति मिशन ने कांग्रेस में विलय का ऐलान किया है। इसके प्रदेश अध्यक्ष दरबारी लाल चौहान ने अपने सैंकड़ों साथियों के साथ आज कांग्रेस का दामन थाम

लिया। इस मौके पर सोहना और गुरुग्राम के करीब 20 पदाधिकारियों ने भी कांग्रेस ज्वाइन की। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान के नेतृत्व में सभी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। दोनों नेताओं ने सभी का पार्टी में स्वागत किया और पूर्ण-मान सम्मान का भरोसा दिलाया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री से त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मंत्री ने की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह से आज उनके आवास संत कबीर कुटीर पर त्रिनिदाद एवं टोबैगो गणराज्य की अटॉर्नी जनरल एवं विधिक मामलों की मंत्री रेणुका सग्राम सिंह सूकलाल ने मुलाकात की। इस दौरान हरियाणा के साथ द्विपक्षीय समझौतों पर भी चर्चा की गई।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों हितधारक आपसी सहयोग से काम करें, जिससे हरियाणा और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मध्य व्यापारिक संबंधों को और मजबूती मिल सके। उन्होंने हैफेड के

अध्यक्ष को सलाह देते हुए कहा कि हैफेड राज्य का एक शीर्ष सहकारी संघ है, इसलिए हैफेड ऐसे अवसरों की तलाश करें, जहां राज्य के किसान हैफेड के माध्यम से विभिन्न देशों में अपनी उपज बेचकर लाभान्वित हो सकें।

उल्लेखनीय है कि जून, 2024 के अंतिम सप्ताह में हैफेड के अध्यक्ष कैलाश भगत के नेतृत्व में हरियाणा सरकार की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल त्रिनिदाद एवं टोबैगो के दौरे पर गया था, जिसका उद्देश्य त्रिनिदाद एवं टोबैगो तथा अन्य कैरेबियाई देशों में व्यापार के अवसरों की संभावनाओं का पता लगाना है। आज की यह मुलाकात उसी कड़ी का एक भाग है। बैठक के दौरान हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत, ओमान के उद्योगपति मोनीश बहल और हैफेड के जीएम डॉ.अरुण कुमार आहूजा मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार ने स्वीकृत किए कंप्यूटर सेंटर के लिए 5 करोड़ रुपए

एजेंसी

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति प्रो.श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में शोध कार्यों की गुणवत्ता व विद्यार्थियों के अकादमिक विकास हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है। हरियाणा शासन द्वारा एक वृहद्ध नवीन तकनीक युक्त अत्याधुनिक उपकरणों से विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। विश्वविद्यालय को पांच करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि यह कंप्यूटर सेंटर सरस्वती पुस्तकालय के द्वितीय तल पर सेंट्रल कंप्यूटर सेंटर के समीप निर्मित किया जाएगा। इस कंप्यूटर सेंटर में लगभग 350 कंप्यूटर की व्यवस्था, पूर्ण रूप से इंटरनेट से संबद्ध होंगे। सेंटर आधुनिक पद्धति से वातानुकूलित होगा। प्रत्येक छात्र के लिए पृथक वर्क स्टेशन का प्रावधान किया जाएगा। सेंटर में छात्रों के वर्क स्टेशन के अतिरिक्त शिक्षकों व तकनीकी कर्मचारियों के लिए विशेष व्यवस्था होगी। कंप्यूटर सेंटर का सभी छात्र उपयोग कर सकेंगे, लेकिन शोध कर रहे छात्रों के लिए विशेष व्यवस्था व अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर युक्त कंप्यूटरों की व्यवस्था होगी।

भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर जनता को सिर्फ धोखा ही दिया : सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार से हर वर्ग के लोग परेशान है, जब उनकी कोई सुनवाई नहीं होती तो वे धरना-प्रदर्शन और हड़ताल का सहारा लेते हैं, ऐसा ही सरकार ने हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन की मांगों की अनदेखी करके किया है, प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सक दो घंटा तक हड़ताल पर जिसके चलते मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, कई जगह तो मरीजों की जान पर बन आई। प्रदेश के सिविल अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल अवस्था में हैं, जनता विशेषज्ञों डॉक्टरों का सालों से इंतजार ही कर रही हैं। हर माह सैकड़ों मरीज रेफर किए जा रहे हैं, अल्ट्रासाउंड जैसी बुनियादी सुविधा तक नहीं। मरीजों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। भाजपा सरकार लोगों की जान से खेल रही है, यह स्थिति बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर जनता को सिर्फ धोखा दिया है।

मांगों को लेकर डॉक्टरों ने दो घंटे तक की सांकेतिक हड़ताल

एजेंसी

रोहतक। सामान्य अस्पताल के डॉक्टरों ने डॉक्टर एसोसिएशन के तत्वाधान में दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल की गई । डॉक्टर अपनी लंबित मांगों को मनवाने के लिए काफी दिनों से प्रयासरत हैं। डॉक्टर एसोसिएशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डा हरविंदर का कहना है कि डॉक्टर अपनी मांगों को मनवाने के लिए संवैधानिक तरीका अपना रहे हैं। जबकि सरकार उनकी मांगों को हमेशा अनदेखा कर रही है यहां तक की सरकार द्वारा कोरोना काल में किए गए वादे भी अभी तक पूरे नहीं किए हैं। डॉक्टर हरविंदर ने कहा है की जो डॉक्टर पीजी करते हैं सरकार उनसे एक करोड रुपए का बांड भरवाती है, जोकि हर डॉक्टर की पहुंच से बाहर है। डॉक्टर एसोसिएशन का कहना है कि इस राशि को घटाया जाए ताकि सभी डॉक्टर सुलभ तरीके से पीजी कर सके। साथ ही डॉक्टर एसोसिएशन की मांग है कि डॉक्टरों का स्पेशलिस्ट केडर बनाया जाए जो डॉक्टर जिस स्पेशलाइजेशन का है वह केवल उसी का काम करें ना कि उसे दूसरे कामों में लगाया जाए। बढ़ते मरीजों के बीच प्रत्येक विभाग

के डॉक्टर पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है इसलिए सरकार डॉक्टर की नई भर्ती कर इस बोझ को कम करें साथ ही जो उनके भत्ते हैं वह नियमानुसार उन्हें दिए जाएं। सरकार द्वारा बनाई गई एक कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार यह बताया जा चुका है कि निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पताल में वेतन का अंतर काफी बड़ा है। यही कारण है कि डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में काम करना कम पसंद करते हैं और जो डॉक्टर काम करते हैं सरकार उनसे भेदभाव करती है। डॉक्टर हरविंदर सिंह ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर 25 जुलाई तक उनकी मांग नहीं मानी तो उन्हें बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा। जिसमें वह इमरजेंसी सेवाएं भी बंध कर देंगे। इसलिए उन्होंने सरकार से निवेदन किया है कि सरकार उनकी लंबित पड़ी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करें ताकि भविष्य में मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

समाधान शिविर में प्राप्त हुई 64 शिकायतें, निपटारे के लिए अधिकारियों को सौंपी गई

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जिला व मंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित कर लोगों की शिकायतों का यथाशीघ्र निपटारा किया जा रहा है। जिला मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर में 64 शिकायतें प्राप्त हुई, जिन्हें संबंधित अधिकारियों को मौके पर निपटारे के लिए सौंपा गया।

अजय कुमार स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग, अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार, उपमंडलाधीश आशीष कुमार, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त अंकिता वर्मा, नगराधीश अंकित कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, जिला राजस्व अधिकारी कनब लाकड़ा के साथ समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सभी विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे हर कार्य दिवस आयोजित होने वाले समाधान शिविर में उपस्थित रहकर लोगों की

शिकायतों का मौके पर निपटारा करें। इन समाधान शिविरों में संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर ही शिकायतों के निपटारे की कार्रवाई शुरू कर देते हैं तथा यथाशीघ्र शिकायत का निपटारा कर दिया जाता है। अजय कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा लोगों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। परिवार पहचान पत्र में त्रुटियों से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही निपटान किया जाता है। प्रोपर्टी आईडी से संबंधित शिकायतों को नगर निगम द्वारा निपटाया जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन से संबंधित शिकायतों का निपटारा समाज कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी समाधान शिविर में उपस्थित रहकर विभाग से संबंधित शिकायतों का निपटारा कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दंगा रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को दी ट्रेनिंग

रोहतक। पुलिसकर्मियों को अब दंगा रोकने के लिए टैऊनिंग दी जा रही है, ताकि समय पर पुलिस को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। बाकायदा एक्सपर्ट पुलिसकर्मियों को यह टैऊनिंग दे रहे है। साथ ही कानून व्यवस्था की विकट परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस जवानों को पुलिस लाईन में अभ्यास कराया गया। सोमवार की साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया, पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने परेड की सलामी ली तथा पुलिस अधिकारियों व जवानो को दिशा-निर्देश जारी किए। पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने राइडर पर तैनात सभी स्टाफ को संबोधित करते हुये कहा कि अपने अपने एरिया मे निरंतर गश्त करे। राइडर्स अपने एरिया मे अतिक्रमण करने वालो व्यक्तियो के खिलाफ कार्यवाही करे व उनका सामान जब्त करे। क्राइम होटस्पोट एरिया, सुनसान एरिया जहां पर लूट, चोरी, स्नैचिंग आदि की वारदातों की संभावनाएं ज्यादा है उन एरिया में निरंतर गश्त करेंगी। दिन के समय राइडर पर तैनात जवान यह सुनिश्चित करे कि उसके एरिया मे जाम की स्थिति ना बने।

ओपी जिंदल माइनर के विस्तारीकरण का निर्माण कार्य अधिकारी 25 अगस्त तक हर हाल में शुरू करवाना करें सुनिश्चित : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार। डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे ओपी जिंदल माइनर के विस्तारीकरण का निर्माण कार्य 25 अगस्त तक हर हाल में शुरू करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह विकास परियोजना जनहित से जुड़ी हुई है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। रणबीर गंगवा ओपी जिंदल माईनर के विस्तारीकरण बारे लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में संबंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने इस विकास परियोजना की वर्तमान स्थिति से अवगत होने के उपरांत अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे 25 अगस्त तक हर हाल में ओपी जिंदल माईनर के विस्तारीकरण का निर्माण कार्य शुरू करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला राजस्व अधिकारी से कहा कि इस परियोजना के विस्तारीकरण को लेकर जमीन अधिग्रहण का कार्य आगामी 10 दिनों के अंदर पूरा करवाएं ताकि सिंचाई विभाग के अधिकारी अविलंब विकास परियोजना का निर्माण कार्य शुरू करवा सकें। उन्होंने कहा कि ओपी जिंदल माईनर के विस्तारीकरण का लोगों से वादा किया था। इस वायदे को पूरा करने के लिए काफी दिनों से ठोस सकारात्मक प्रयास किए जा रहे थे जो अब सफल होने वाले हैं। आगामी 25 अगस्त तक इस परियोजना का निर्माण कार्य हो जाएगा, जिस पर लगभग एक करोड़ 40 लाख रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। इस माईनर का विस्तार होने से हजारों किसानों को खेतों के लिए सिंचाई पानी उपलब्ध होगा। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता विमल कुमार बिश्नोई ने डिप्टी स्पीकर को अवगत करवाया कि विभाग द्वारा इस परियोजना को लेकर लगभग तमाम कागजी कार्रवाई पूर्ण की जा चुकी है। जैसे ही भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा होता है, उसके तुरंत बाद माइनर के विस्तारीकरण को का निर्माण कार्य शुरू करवाने के लिए टेंडर अलॉटमेंट की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करवा ली जाएगी। उन्होंने बताया कि इस माइनर का 63500 से 67500 तक विस्तार किया जाना है। उन्होंने सरल अर्थ में समझाते हुए कहा कि इस माइनर को 4 हजार फिट बढ़ाया जाएगा।

फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने वित्त मंत्री से की मुलाकार्त

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने मुलाकात की। वित्त मंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी है। फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार की वित्त मंत्री से हुई इस मुलाकात के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं

मिली है। यह देश का शीर्ष व्यापार संवर्धन संगठन है। इसको वाणिज्य मंत्रालय के तहत भारत सरकार और निजी व्यापार और उद्योग खंड ने 1965 में स्थापित किया था। यह संगठन विदेशी बाजार में भारतीय उद्यमियों और निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करने और उनकी सहायता करने के लिए जिम्मेदार है।

सेबी की निवेशकों के हितों पर नजर, निवेशकों को मिलेगी उनके निवेश की जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जिसको देखते हुए म्यूचुअल फंड हाउस नए प्रोडक्ट पेश करने में जुट गईं हैं। हालांकि नए फंड लगातार निवेशकों की जरूरतों के अनुसार पेश किए जाते रहे हैं, लेकिन जिस तरह से म्यूचुअल फंड में प्रवाहिता छोटे शहरों से आ रही है साथ युवा वर्ग जो रिस्क लेने के लिए तैयार है, उसको टार्गेट करते हुए कंपनियां नए उत्पादों को पेश कर रही है। जानकारों का कहना है कि इस पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की नजर बनी हुई है और वह निवेशकों के लिए किसी स्कीम के लिए एक्चुअल रिटर्न के साथ रिस्क एडजेस्टड रिटर्न (आरएआर) के बारे में डिस्क्लोजर को आवश्यक बना सकती है। इससे निवेशकों को निवेश करते समय यह जानकारी मिल सकेंगी कि उसका निवेशक कहां हो रहा है और कितना रिस्क रिटर्न मिल सकता है।

निवेशकों कों निर्णय लेने में होगी आसानी

एक्सिस सिक्यूरटीज के विशेषज्ञ का कहना है कि यदि सेबी इस तरह का डिस्क्लोजर आवश्यक बनता है तो, निवेशकों को अपने निवेश के बारे में जानकारी तो मिलेगी साथ ही उन्हें यह निर्णय लेने में आसानी होगी कि वह किस फंड में निवेश करे अथवा नहीं करे। इस तरह के नियम आने से फंड हाउस को निवेशकों को उनके निवेश और जिस फंड में निवेश किया है उसकी जानकारी देनी होगी। इसको लेकर सेबी ने सुझाव मांगे थे। फिलहाल यह सुविधा अभी निवेशकों के पास नहीं है। मौजूदा समय में म्यूचुलअ फंड को निकालने के तरीके अलग है।

रुपये में 11 पैसे की गिरावट, डॉलर के मुकाबले 83.62 के सर्वोच्च निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। विदेशी बाजार में अमेरिका की मुद्रा डॉलर में लगातार मजबूती देखने को मिली। इस वजह से रुपया 11 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। रुपया 83.62 (अस्थाई) के निचले स्तर पर बंद हुआ। इसे लेकर मुद्रा व्यापारियों का कहना है कि विदेशी धन प्रवाह की ताजा आमद ने रुपये को निचले स्तर पर समर्थन दिया। इसके अलावा, घरेलू शेयरों में सकारात्मकता देखने को मिली। इस तरह से प्रमुख सूचकांकों ने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर को छुआ।

83.62 के स्तर पर बंद हुआ रुपया

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार की बात करें तो रुपया 83.53 पर खुलने के बाद गिर गया। इसके बाद गिरावट का सिलसिला जारी रहा और यह डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 83.62 (अस्थाई) पर पहुंच गया। यह पिछली बार यानी शुक्रवार के मुकाबले 11 पैसे कम था। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.51 पर बंद हुआ था।

अदाणी समूह पर फैसले की समीक्षा से इनकार, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अदाणी समूह से जुड़े अपने तीन जनवरी के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। दरअसल, कोर्ट ने कंपनी पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी के संबंध में लगे आरोपों की जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल को सौंपने से इनकार कर दिया था। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने तीन जनवरी के फैसले के खिलाफ जनहित याचिका दायर करने वालों में शामिल अनामिका जायसवाल की तरफ से दायर समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। आज यानी सामने आए पांच मई के अपने आदेश में पीठ ने कहा कि समीक्षा याचिका पर गौर करने के बाद रिकॉर्ड में कोई कमी नहीं दिखाई देती है।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी ज्यूरिख दौरे के पहले दिन विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के महानिदेशक के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। वाणिज्य मंत्री ने डब्ल्यूटीओ टीम के साथ प्राथमिकता वाले मुद्दों की समीक्षा और चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने प्रवासी भारतियों और संभावित निवेशकों से भी मुलाकात की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) के क्रियान्वयन के संबंध में ज्यूरिख दौरे के पहले दिन ही केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत की विकास गाथा पर प्रकाश भी डाला। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल दो दिन के स्विट्जरलैंड के आधिकारिक दौरे पर हैं।

मंत्रालय के मुताबिक वाणिज्य मंत्री गोयल ने विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इसके साथ गोयल ने प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत और संभावित निवेशकों के साथ पहले दिन ही संवाद भी किया, जिसमें भारत को व्यापार और निवेश के लिए व्यवसायों और उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि पीयूष गोयल अपनी इटली यात्रा से पहले 14 और 15 जुलाई अपने स्विस समकक्षों के साथ व्यापार और बैठकों के लिए स्विट्जरलैंड में आधिकारिक दौरे पर मौजूद हैं।

डीपीआई पर भारत के जी-20 टास्क फोर्स ने केंद्र सरकार को सौंपी रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया भर में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को मजबूत करने के उद्देश्य से जी-20 के लिए भारत के शेरपा अमिताभ कांत और नंदन नीलेकणी की सह-अध्यक्षता वाली जी-20 टास्क फोर्स ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। टास्क फोर्स की रिपोर्ट का उद्देश्य दुनियाभर में डीपीआई की नींव को मजबूत करना है। ये पूरी रिपोर्ट वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और विकास के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर भारत के जी-20 टास्क फोर्स की अंतिम रिपोर्ट नई दिल्ली में जारी की गई है। इस टास्क फोर्स का गठन भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत की अध्यक्षता और इंफोसिस के सह-संस्थापक एवं अध्यक्ष और यूआईडीएआई (आधार) के संस्थापक अध्यक्ष नंदन नीलेकणी की सह-अध्यक्षता में किया गया था। वित्त मंत्रालय ने 21 जनवरी, 2023 को इस टास्क फोर्स

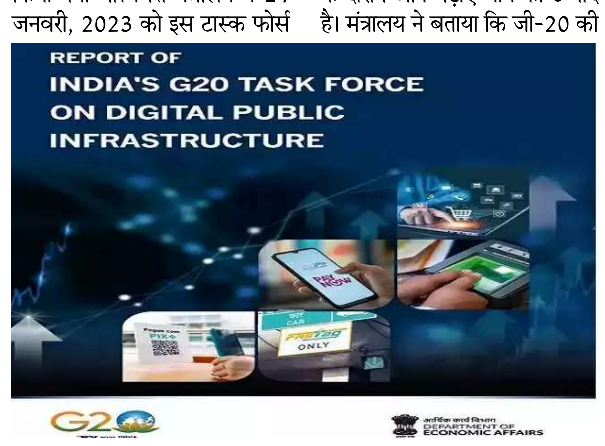

को गठित करने का आदेश जारी किया था। मंत्रालय के मुताबिक टास्क फोर्स के काम के कारण भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी के दौरान डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) की परिभाषा और रूपरेखा को स्वीकृति मिली है, जिसे ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की जी-20 प्रेसीडेंसी के दौरान आगे बढ़ाए जाने की उम्मीद है। मंत्रालय ने बताया कि जी-20 की बहुत सफल अध्यक्षता और अपने कार्यकाल के समापन के बाद, टास्क फोर्स की रिपोर्ट का उद्देश्य दुनियाभर में डीपीआई की नींव को मजबूत करना है।

शेयर बाजार में तेजी जारी, नई ऊंचाई पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ऊंचाई के नये शिखर पर बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी ने मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ऑल टाइम हाई ओपनिंग और ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का रिकॉर्ड बनाने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ऑयल एंड गैस, रियल्टी, एनर्जी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। दूसरी ओर कैपिटल गुड्स, टेक और आईटी सेक्टर के शेयरों में मुनाफा वसूली का दबाव नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 455.12 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि

पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 452.38 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.74 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,168 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,039 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,001 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,381 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,239 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,142 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 167.20 अंक उछल कर ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 80,686.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के साथ ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों ने एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू कर दी, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 343.20 उछल कर 80,862.54 अंक तक पहुंचा। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 80,556.97 अंक तक गिर भी गया। राहत की बात यही रही कि ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 142.52 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 80,664.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 85.45 अंक की तेजी के साथ 24,587.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 132.90 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 24,635.05 अंक तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 24,522.75 अंक तक लुढ़क भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 84.55 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 24,586.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

जोमैटो ने चुनिंदा शहरों में अपने प्लेटफॉर्म शुल्क में किया इजाफा

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच जोमैटो लिमिटेड ने अपने प्लेटफॉर्म शुल्क में 20 फीसदी का इजाफा किया है। जोमैटो ने

राजधानी दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में प्रत्येक ऑर्डर पर लिए जाने वाले शुल्क को पांच रुपये से बढ़ाकर 6 रुपये कर दिया है। हालांकि, स्विगी ने अपने शुल्क में बढ़ोत्तरी को वापस ले लिया है। खानपान उत्पादों की ऑनलाइन मंच जोमैटो के प्रतिद्वंदी स्विगी ने एक दिन पहले अपने शुल्क में की गई बढ़ोत्तरी वापस ले ली। कंपनी के एप पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक अब स्विगी एक ऑर्डर पर पहले की तरह पांच रुपये का प्लेटफॉर्म शुल्क ले रही है। हालांकि, इस बढ़ोत्तरी की वजह के बारे में जोमैटो और स्विगी दोनों ने कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि दोनों ही ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनियों ने पिछले साल पहली बार अपने मंच के जरिए दिए जाने वाले ऑर्डर पर शुल्क लगाया था। पहले यह शुल्क दो रुपये प्रति ऑर्डर था जिसे धीरे-धीरे बढ़ाया गया है। दरअसल इस खंड में इन दोनों कंपनियों का ही दबदबा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 2.99 फीसदी की तेजी के साथ 229.10 पर बंद हुआ है।

सोलर उद्योग के लिए अंतरराज्यीय शुल्क पर, छूट की समय सीमा बढ़ाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय सौर ऊर्जा महासंघ द्वारा सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह भारत की सौर ऊर्जा क्षेत्रों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए रिन्यूबल एनर्जी परियोजनाओं के लिए अंतरराज्यीय शुल्क (इंटरस्टेट ट्रासमिशन सिस्टम - आईएसटीएस) पर छूट की समय सीमा को बढ़ाए। मौजूदा समय में 30 जून 2025 से पहले शुरू की गई हरित योजनाओं और बैटरी, सौर ऊर्जा और पंप भंडारण परियोजनाओं के लिए 25 साल के लिए शुल्क को माफ कर दिया गया है। लेकिन भारतीय राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संघ का कहना है कि 2025 के बाद शुरू होने वाली योजनाओं के लिए शुल्क में छूट देने पर विचार करने की आवश्यकता है।

अंतिम उपभोक्ता तक टैरिफ का लाभ

महासंघ के अधिकारी बताते हैं कि आईएसटीएस छूट नई ऊर्जा क्षमता में विस्तार तो करेंगी साथ ही इसकी तुलना में बिजली की लागत कम हो जाती है, जिसमें अंतिम उपभोक्ता तक टैरफि का लाभ पहुंचता है। इसी को देखते हुए भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूबल एनर्जी (नवीकरण ऊर्जा) कर लक्ष्य रखा है। वर्तमान में आईएसटीएस शुल्क 0.80-1.20 रुपये प्रति यूनिट है, जो उद्योग के अनुसार यह सौर टैरफि का एक तिहाई और हाइब्रिड टैरफि का एक चौथाई है। उनका कहना है कि भारत ने महत्वाकांक्षी रिन्यूबल एनर्जी परियोजनाओं का लक्ष्य पूरा करने के लिए अगले छह महीने काफी महत्वपूर्ण होंगे और मिलने वाली छूट लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार साबित होगी। सरकार से सिफारिश की गई है कि आईएसटीएस छूट को उपयोगी हाईब्रिड, ओपन एक्सेस और ग्रीन हाइड्रोजन सहित सभी रिन्यूबल एनर्जी परियोजनाओं के लिए बढ़ाया जाना चाहिए।

सब्सिडी अगले कुछ साल तक रहे लागू

फ्रेयर एनर्जी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक सौरभ मर्दा का कहना है कि स्थानीय सोलर निर्माताओं को सरकार से आगामी बजट में प्रोत्साहन दे और सब्सिडी योजना को अगले कुछ सालों के लिए लागू रखने की मांग हम कर रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और भारत को अपने हरित योजनाओं के लक्ष्य को पूरा करने में सहायक होगा। जानकारों का कहना है कि आईएसटीएस का शुल्क हर राज्य में बदल जाता है, जिसको लेकर इसका इंस्टलैशन पर खर्च बढ़ता है। सरकार को बुनियादी ढांचे से लेकर सब्सिडी का खर्च इस ओर बढ़ाना होगा।

देश का निर्यात जून में 2.56 फीसदी बढ़कर 35.20 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के वस्तुओं का निर्यात जून में 2.56 फीसदी बढ़कर 35.20 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल इसी महीने में निर्यात 34.32 अरब डॉलर रहा था। वहीं, जून में कुल वस्तुओं और सेवाओं का संयुक्त निर्यात 65.47 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। जून 2024 के लिए कुल आयात (वस्तुओं और सेवाओं) 73.47 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो जून 2023 की तुलना में 6.29 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि पिछले साल इसी महीने में निर्यात 34.32 अरब डॉलर रहा था। जून में आयात करीब पांच फीसदी बढ़कर 56.18 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल की सामान अवधि में 53.51 अरब डॉलर था। इस तरह जून में व्यापार घाटा (आयात और निर्यात का अंतर) 20.98 अरब डॉलर रहा।मंत्रालय के मुताबिक जून 2024 के लिए भारत के कुल (वस्तुओं और सेवाओं) का संयुक्त निर्यात 65.47 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो जून 2023 की तुलना में 5.40 फीसदी की

सकारात्मक वृद्धि है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने निर्यात के आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि मौजूदा रुख को देखते हुए देश के वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 800 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात करीब 200 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान निर्यात 5.84 फीसदी बढ़कर 109.96 अरब डॉलर और आयात 7.6 फीसदी बढ़कर 172.23 अरब डॉलर रहा है। गौरतलब है कि मई में देश के वस्तुओं का निर्यात 9.1 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर रहा था, जबकि व्यापार घाटा बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

सैनस्टार लिमिटेड का आईपीओ 19 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 90-95 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद स्थित प्लांट बेस्ड स्पेशल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी सैनस्टार लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। निवेशक इसमें 23 जुलाई तक निवेश कर सकते हैं। इसका प्राइस बैंड 90-95 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इसके जरिए 510.15 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 19 जुलाई को खुलेगा। निवेशक 23 जुलाई तक निवेश कर सकेंगे। इसके लिए न?यूनतम मूल >?ज्ञ्ठ द्रय दायरा 90-95 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 150 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। उसके बाद 150 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है।

सैनस्टार ने कहा कि कंपनी इस आईपीओ के तहत 397.10 करोड़ रुपये के 4.18 करोड़ फ्रेश इक्विटी शेयर जारी करेगी। इसके अलावा 113.05 करोड़ रुपये के 1.19 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। कंपनी का इरादा आईपीओ के जरिए 510.15 करोड़ रुपये

जुटाने का है। कंपनी को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल चुकी है।

कंपनी भारत में खाद्य, पशु पोषण और औद्योगिक इस्तेमाल के लिए प्लांड बेस्ड स्पेशल प्रोडक्ट बनाती है। इसके प्रोडक्ट्स एशिया, अमेरिका, यूरोप और ओशिनिया, और मध्य पूर्व अफ्रीका समेत 45 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जाता है। इन सामग्रियों के निर्यात से कंपनी को 30 फीसदी से अधिक राजस्व प्राप्ति होती है।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के धुले और गुजरात के कच्छ में स्थित अपनी दो विनिर्माण सुविधाओं के माध्यम से सैनस्टार की स्थापित क्षमता 1,100 टन रोजाना है। कंपनी के इक्विटी शेयरों को बॉम्?बे स्?टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

थोक महंगाई दर जून में बढ़कर 16 महीने के उच्चतम स्तर 3.36 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। महंगाई के मोंचे पर लोगों के लिए झटका देने वाली खबर है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर जून में बढ़कर 16 महीने के उच्चतम स्तर 3.36 फीसदी पर

पहुंच गई है। इससे पिछले महीने मई में यह 2.61 फीसदी पर थी, जबकि अप्रैल में थोक महंगाई दर 1.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जून महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 3.36 फीसदी रही है। मंत्रालय के मुताबिक मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और खनिज तेल सहित अन्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण थोक महंगाई दर में बढ़ोत?तरी हुई है। हालांकि, जून 2023 में थोक महंगाई दर 4.12 फीसदी रही थी। मंत्रालय के मुताबिक खाने और पीने की चीजों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी की वजह से थोक महंगाई दर में वृद्धि जारी है। आंकड़ों के अनुसार जून महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) भी बढ़कर चार महीनों के अपने उच्चतम स्तर 5.08 फीसदी पर पहुंच गया है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों का असर सीपीआई पर भी पड़ा है। मंत्रालय के मुताबिक जून महीने में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.68 फीसदी पर पहुंच गई है, जो मई में 7.40 फीसदी रही थी।

वहीं, रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 7.20 फीसदी से बढ़कर 8.80 फीसदी हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 0.78 फीसदी से बढ़कर 1.43 फीसदी रही है। हालांकि, इस दौरान फ्यूल और बिजली की थोक महंगाई दर 1.35 फीसदी से घटकर 1.03 फीसदी रही। उल्लेखनीय है कि जून महीने में खुदरा महंगाई दर भी उछलकर 5.08 फीसदी पर पहुंच गई है, जो इसका 4 महीने का उच्चतम स्तर है।

सर्राफा बाजार की कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट नजर आ रही है। आज की कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,890 रुपये से लेकर 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी चेन्नई के अलावा ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 67,740 रुपये से लेकर 67,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 74 हजार और 22 कैरेट सोना 68 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आई है। इसकी वजह से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 95,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बरसात में सेंसिटिव हो जाती है स्किन तो फॉलो करें ये स्किन केयर रूटीन

Monsoon Skin Care Tips: नेचुरल चीजों की मदद से इस मौसम में आप अपनी स्किन को फ्रेश और ग्लोइंग बना सकती हैं. वहीं अगर आपकी भी स्किन सेंसिटिव है और मानसून में आप अपने लिए एक बेहतर स्किन केयर रूटीन ढूंढ रहे हैं तो आप इस आर्टिकल की मदद ले सकते हैं. आइए जानते हैं मानसून में कैसे रख सकते हैं आप अपनी स्किन का ख्याल.

मानसून में गीली मिट्टी की भीनी भीनी खुशबू और बरसात का मौसम आखिर किसे पसंद नहीं आता है. बरसात का मौसम तापमान में गिरावट तो ला देता है लेकिन इसके साथ साथ ये स्किन से जुड़ी कई समस्याएं भी लेकर आता है. इस मौसम में ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए समस्या और भी बढ़ जाती है. ऑयली स्किन वाले लोगों को इस मौसम में दोगुने स्किन प्रॉब्लम्स झेलने पड़ जाते हैं. ऐसे में जरूरी है कि आप एक तय स्किन केयर रूटीन जरूर फॉलो करें. वहीं अगर आपकी स्किन पहले से सेंसिटिव है तो आपको और भी ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ सकती है. ऐसे में स्किन केयर एक्सपर्ट भी आपको अपनी स्किन का खास ख्याल रखने की सलाह देते हैं. सेंसिटिव स्किन वाले लोगों की दिक्कतें इस मौसम में बढ़ जाती है ऐसे में अगर आप महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसकी जगह आप मानसून में नेचुरल चीजों का ही इस्तेमाल करें. इसमें आप गुलाब जल, एलोवेरा जेल,मुल्तानी मिट्टी जैसी चीजों को शामिल करें.

नेचुरल चीजों की मदद से इस मौसम में आप अपनी स्किन को फ्रेश और ग्लोइंग बना सकती हैं. वहीं अगर आपकी भी स्किन सेंसिटिव है और मानसून में आप अपने लिए एक बेहतर स्किन केयर रूटीन ढूंढ रहे हैं तो आप इस आर्टिकल की मदद ले सकते हैं. आइए जानते हैं मानसून में कैसे रख सकते हैं आप अपनी स्किन का ख्याल.

मानसून में कैसे रखें स्किन का ख्याल

1.ग्रीन टी का इस्तेमाल करें

बरसात के मौसम में स्किन को हाइड्रेटिंग बनाए रखने के लिए आप ग्रीन टी का इस्तेमाल कर सकते हैं. ग्रीन टी में एंटी इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज मौजूद होने के साथ-साथ कई एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं जो मानसून में स्किन को नेचुरली हेल्दी और ग्लोइंग बनाने में मददगार होते हैं. बरसात के मौसम में आप ग्रीन टी का इस्तेमाल रिफ्रेशिंग टोनर की तरह कर सकती हैं. जिसके लिए आपको लगभग एक कप ग्रीन टी को तैयार करके उसे ठंडा करना है और ग्रीन टी को ठंडा करने के बाद एक कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर अप्लाई या स्प्रे बॉटल की मदद से चेहरे पर स्प्रे करके दो से तीन घंटे के लिए छोड़ देना है. इस तरह से आप घर पर ही ग्रीन टी से टोनर बना सकती हैं.

2.एलोवेरा जेल

बारिश के मौसम में हर किसी को एक्स्ट्रा स्किन केयर करने की जरूरत पड़ती है. स्किन केयर के लिए एलोवेरा जेल को सबसे बेस्ट माना जाता है. इस मौसम में ह्यूमिडिटी के कारण स्किन कई तरह की परेशानियां जैसे खुजली, रेडनेस, इरिटेशन को झेलती है. ऐसे में सेंसेटिव स्किन के लिए एंटीबैक्टीरियल और एंटी इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज से भरपूर नेचुरल एलोवेरा जेल का इस्तेमाल लाभकारी साबित होता है.

3.नीम है गुणकारी

बरसात के मौसम में स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए नीम का इस्तेमाल पुराने समय से किया जाता रहा है. ऐसे में अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो नीम आपके लिए किसी अमृत से कम नहीं है. नीम एंटी फंगल, एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज से भरपूर होता है. जो बरसात के मौसम में कई स्किन प्रॉब्लम्स से बचाव **करने में** सहायक है.

कश्मीर : उपराज्यपाल को शक्ति मतलब चुनी हुई सरकार कमजोर

अब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फिर नियंत्रण के बाहर हो रहा है। दरअसल आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद, हिंसा ऐसी चीजें हैं जो बातों से खत्म नहीं होतीं। काम करना पड़ता है। बाकी देश में तो यह कह देते हैं कि इतने करोड़ रोजगार सृजित हुए हैं, महंगाई कहां है? अंबानी की शादी देखो! कहीं लगता है कि महंगाई है? यहां तो कुछ भी कह दो। मणिपुर में बता दो कि स्थिति सुधर रही है।चुनी हुई सरकार! जम्मू कश्मीर की जनता द्वारा चुनी हुई सरकार! इस वाक्य का प्रयोग केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, संयुक्त राष्ट्र में जाने वाले भारत के प्रतिनिधि और हम पत्रकार लोग सब कश्मीर पर बात करने, लिखने में सबसे ज्यादा करते रहे हैं।पाकिस्तान, चीन, अमेरिका, युरोप सब इस चुनी हुई सरकार से डरते थे। चुनी हुई सरकार मतलब जीवित लोकतंत्र। जम्मू-कश्मीर की जनता की इच्छा का प्रतीक। यह चुनी हुई सरकार की शक्ति ही थी कि 75 साल से पाकिस्तान के सीधे हस्तक्षेप और चीन, अमेरिका, यूरोप के कई देशों की नजर के बाद भी कश्मीर हमारा उतना ही अविभाज्य अंग रहा जैसे देश के दूसरे हिस्से।मगर अब पिछ्ले 6 साल से वहां चुनी हुई सरकार नहीं है। पहले की तरह राज्य भी नहीं है। केन्द्र शासित प्रदेश है और अब वहां उपराज्यपाल को और अधिक शक्तियां देकर चुनी हुई सरकार, जो जाने कब होगी को और ज्यादा कमजोर कर दिया गया है।इसका असर अन्तरराष्ट्रीय पर पड़ता है। भारत का कश्मीर पर हमेशा एक मजबूत स्टेंड रहा है। जब भी पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में जनमत संग्रह की बात करता है। हम कहते हैं यह विधानसभा चुनाव जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व ही करते हैं।

और इन विधानसभा चुनावों ने जम्मू-कश्मीर में हर दल को सरकार में रखा है। आखिरी बार दस साल पहले 2014 में जो विधानसभा चुनाव हुए थे उसमें बीजेपी ने पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी।

आज बीजेपी चुनी हुई सरकार की शक्तियां कम करने का बचाव यह कहकर कर रही है कि वहां चुनी हुई सरकारें दो ही परिवारों की थीं। मगर यह बताना भूल गई कि उन दोनों परिवारों के साथ वह मिलजुली सरकार चला चुकी है। गठबंधन कर चुकी है। फारुक अब्दुल्ला की एनसी के साथ वाजपेयी ने केन्द्र में सरकार चलाई थी। उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। और फिर जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई।

जम्मू-कश्मीर राजनीति की जगह नहीं है। भाजपा जब विपक्ष में थी तो कश्मीर पर खूब राजनीति करती

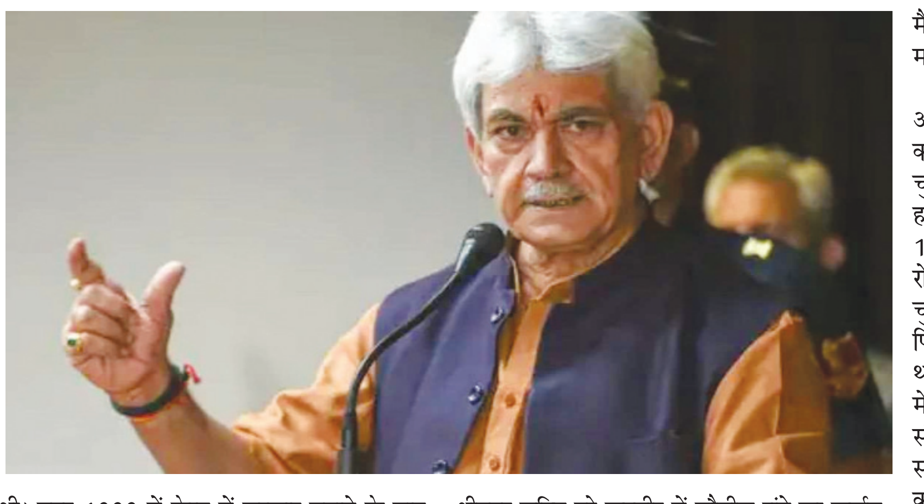

थी। मगर 1999 में केन्द्र में सरकार बनाने के बाद उसकी समझ में आ गया कि कश्मीर राजनीति का विषय नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद कहा कि कश्मीर में जो नार्मलसी (सामान्य स्थिति) लौटी है वह वहां की अवाम की वजह से है। उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जीती है। और यह सच भी है कोई सेना, सुरक्षा बल बिना जनता के सहयोग के आतंकवाद पर काबू नहीं पा सकती। सेना ने वहां स्थानीय जनता के साथ मिलकर कई सफल आतंकवादी विरोधी अभियान चलाए।प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के समय समर्पित आतंकवादी कूका परे के साथ सेना ने उत्तरी कश्मीर में कई सफल आपरेशन किए। पाकिस्तान उत्तरी सीमा कूपवाड़ा से ही आतंकवादियों की घुसपैठ करवाता था। वहां के स्थानीय लोगों ने गुजर बकरवाल के साथ मिलकर सेना ने घुसपैठ पर नियंत्रण किया। उस समय के आंतरिक सुरक्षा राज्य मंत्री राजेश पायलट पहले नेता थे जो उस दुर्गम उत्तरी सीमा के दौरे पर गए थे। हम भी उनके साथ थे। बारह महीने बर्फ से ढंकी पहाड़ियों पर चापर (हैलिकाप्टर) का लेंड होना भी बहुत मुश्किल होता था। वहीं से बर्फ कम होने गर्मियों में पाकिस्तान आतंकवादी भेजता था। उनके आने के दर्रे रास्ते पूर्व आतंकवादियों को और वहां के स्थानीय निवासी गुजर बकरवाल को मालूम होते थे। वे सेना की मदद करते थे। वे बहादुर लोग सिर्फ खबर ही नहीं देते थे। सेना के साथ रास्ता बताते हुए भी चलते थे। इसलिए 1996 में नरसिनम्हा राव सरकार वहां 9 साल बाद विधानसभा चुनाव करवा पाई। आतंकवाद का वह पीक समय था। सबसे मुश्किल दौर। इन पंक्तियों का लेखक इस पूरे दौर में वहीं रहा। श्रीनगर सहित पूरे कश्मीर में चौबीस घंटे का कर्फ्यू लगता था। चुनाव करवाना बड़ी चुनौती थी। पाकिस्तान का प्रचार था कि लोग चुनाव नहीं चाहते। मगर कांग्रेस की केन्द्र सरकार ने हिम्मत दिखाई। और 1996 में विधानसभा चुनाव करवा के वहां चुनी हुई सरकार बनवा दी। यह पाकिस्तान को कड़ा जवाब था।भाजपा कहती है वहां लोकतंत्र नहीं था! आतंकवाद के दौर में दूसरा विधानसभा चुनाव 2002 में वाजपेयी ने करवाया। और अगर लोकतंत्र न होता तो वहां सरकार बदलती नहीं। फारुक अब्दुला की सरकार हार गई और मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने।

भारतीय लोकतंत्र की विविधता और परिपक्वता का इससे बड़ा उदाहरण क्या होगा कि राज्य में मुफ्ती और कांग्रेस की मिलजुली सरकार और केन्द्र में भाजपा और एनसी की मिलीजुली सरकार। और दोनों सरकारों केन्द्र और राज्य ने इतना शानदार मिलजुल कर काम किया कि जम्मू-कश्मीर में वाजपेयी और मुफ्ती का वह तालमेल हमेशा याद किया जाता है। आतंकवाद को खत्म करने और जनता में विश्वास जगाने का सर्वोत्तम समय।अब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फिर नियंत्रण के बाहर हो रहा है। दरअसल आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद, हिंसा ऐसी चीजें हैं जो बातों से खत्म नहीं होतीं। काम करना पड़ता है। बाकी देश में तो यह कह देते हैं कि इतने करोड़ रोजगार सृजित हुए हैं, महंगाई कहां है? अंबानी की शादी देखो! कहीं लगता है कि महंगाई है?यहां तो कुछ भी कह दो। मणिपुर में बता दो कि स्थिति सुधर रही है। यह सुनकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी तीसरी बार वहां गए। और वहां पत्रकारों से दुख के साथ बोले कि मैं समझ रहा था कि हालत वाकई सुधर गए होंगे। मगर हालत और ज्यादा खराब हो गई है।

तो बातों से न मणिपुर की स्थिति सुधर सकती है और न जम्मू-कश्मीर की। जम्मू-कश्मीर में चुनाव करवाने की जरूरत थी। दस साल हो गए विधानसभा चुनाव हुए। रिकार्ड बन गया। इससे पहले जब वाकई हालत बहुत खराब थे तब 9 साल चुनाव नहीं हुए थे। 1987 से 1996 तक। मगर अब तो मोदी सरकार रोज वहां स्थिति सुधरने का दावा कर रही है। लेकिन चुनाव की अभी भी उम्मीद नहीं है।सुप्रीम कोर्ट ने पिछ्ले साल सितंबर तक चुनाव करवाने को कहा था। परिसीमन हो चुका है। भाजपा के अनुकूल जम्मू में सीटें बढ़ चुकी हैं। पहले जम्मू में 37 विधानसभा सीटें थीं। जो अब बढ़ाकर 43 कर दी गई हैं। 90 सदस्यीय विधानसभा में बिल्कुल बहुमत के पास। कश्मीर में गुलामनबी आजाद और दूसरे कुछ और नेताओं की पार्टियां खड़ी कर ली गई हैं। जिनसे कुछ सीटें मिल सकें।मगर हालत जम्मू में ही खराब हो गई। यहां से हमेशा भाजपा के समर्थन मिलता था मगर राष्ट्रपति शासन के दौरान 6 साल जम्मू को कुछ नहीं दिया गया। केवल बातें। नतीजा इस बार जम्मू की दोनों लोकसभा सीटों पर कांग्रेस अच्छा लड़ गई। जम्मू में साढ़े पांच लाख से ज्यादा वोट मिले। और दूसरी सीट उधमपुर में करीब साढ़े चार लाख। हार केवल एक लाख 24 हजार वोटों से हुई। जम्मू में एक लाख 35 हजार करीब वोट से। दस दस लाख से ज्यादा के लोकसभा क्षेत्र में बीजेपी की जीत का यह मार्जिन ज्यादा नहीं है।इसलिए बीजेपी इस बार जम्मू में सशंकित है। उपराज्यपाल को अधिक पावर देना, प्रधानमंत्री का कश्मीर जाकर योग करना जैसे उपाय अपना कर वह लोगों का ध्यान राज्य की बिगड़ती व्यवस्था से हटाना चाहती है। मगर यह टोटके समस्याग्रस्त राज्यों में काम नहीं करते। वहां तो स्थिति में सुधार दिखना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में चुनी हुई सरकार भंग करने के बाद से वहां स्थिति बिगड़ती जा रही है। राज्य का विभाजन, केन्द्र शासित प्रदेश बनाना, 370 खत्म करना, लंबे समय तक कश्मीर के नेताओं को गिरफ्तार रखना, गुलाम नबी आजाद का उपयोग करना और अब उपराज्यपाल को और अधिक शक्ति देना यह सब प्रयास फलीभूत होते दिखाई नहीं दे रहे हैं। मोदी सरकार को अपनी कश्मीर संबंधी नितियों पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। नरसिम्हा राव से लेकर श्री देवगौड़ा, श्री गुजराल, श्री वाजपेयी, मनमोहन सिंह सब प्रधानमंत्रियों के कामों में एक निरंतरता थी। राजनीति नहीं थी।

संपादकीय

ट्रम्प पर हमला : हिंसामुक्त हो राजनीति

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति एवं आगामी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के सम्भावित प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प पर हमला बहुत चिंताजनक है। निन्दनीय तो है ही। भारतीय समयानुसार सुबह 4 बजे उन पर तब गोलियां चलाई गईं जब वे पेन्सिलवानिया राज्य के बटलर शहर में अपने समर्थकों को सम्बोधित कर रहे थे। वह अमेरिका की शनिवार की शाम थी। एक युवा ने उन पर ताबड़तोड़ तकरीबन 8 गोलियां चलाईं जिनमें से एक उनके दांये कान को छूती हुई निकल गयी जिसके कारण उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। हालांकि ट्रम्प ने बेहद फुर्ती व समझदारी से स्वयं को पोडियम के नीचे बैठकर सुरक्षित कर लिया। सुरक्षाकर्मियों ने भी त्वरित एक्शन लेते हुए उन्हें पहले सुरक्षा दी फिर उन्हें कार में बिठाकर अस्पताल पहुंचा दिया। दूसरी तरफ उनके एक स्नाइपर ने हमलावर को ढेर कर दिया। इस 20 वर्षीय हमलावर की एआर-15 राइफल मिली है। जांच से पता चलेगा कि उसका मकसद क्या था और इस षड़यंत्र में कौन लोग या संगठन शामिल थे। रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गयी और दो घायल हुए हैं। हमलावर की अमेरिकी राजनीति में दिलचस्पी भी उजागर हुई है।

लम्बे समय बाद अमेरिका सर्वोच्च पद पर आसीन या रह चुके किसी व्यक्ति के साथ ऐसी हिंसा देख रहा है। अब्राहम लिंकन की 1865 में एवं जॉन एफ. कैनेडी की 1968 में हत्या हुई थी। 1972 में राष्ट्रपति उम्मीदवार ज़ॉर्ज सी. वैलेस पर एक शॉपिंग सेंटर में गोलियां चलाई गयी थीं। इसके बाद वे जीवन भर व्हील चेयर पर ही रहे। ट्रम्प वर्तमान में तो दुनिया के सबसे ताकतवर पद को नहीं सम्हाल रहे हैं परन्तु एक बार वे राष्ट्रपति रह चुके हैं। बहुत मुमकिन है कि वे इस बार फिर से अपनी पार्टी के प्रत्याशी हो सकते हैं जिसका उन्होंने दावा पेश कर ही दिया है और उन्हें उनकी पार्टी में बड़ा समर्थन भी है। पद पर न रहते हुए भी वे देश और दुनिया की राजनीति के एक तरह से केन्द्र में हैं। उनकी हत्या की साजिश का कारण अमेरिका का कोई भीतरी मसला या फिर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हो सकता है।

जो भी हो, यह घटना एक बार फिर से इस बात को प्रतिपादित करती है कि हिंसा किसी भी मकसद के लिये नहीं अपनाई जानी चाहिये और वह किसी भी समस्या का हल नहीं है। बेशक ट्रम्प का कार्यकाल कई विवादों से घिरा रहा और उन पर अनेक तरह के आरोप लगे हैं। निजी जीवन से लेकर उनकी व्यवसायिक गतिविधियों तथा यहां तक कि राजनीतिक जीवन में भी वे कई विवादों से घिरे हैं। पिछ्ले चुनावों में जब वे जो बाइडेन से राष्ट्रपति का चुनाव हार गये थे तब भी उन्होंने बहुत आसानी से सत्ता का हस्तातंरण नहीं किया था। यहां तक कि कैपिटल हिल पर (जहां अमेरिकी प्रशासन का मुख्यालय है) उनके समर्थकों ने एक तरह से धावा ही बोल दिया था और वहां की पुलिस तथा सुरक्षा कर्मियों को शांति स्थापित कर सत्ता हस्तांतरण कराने में खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। वे अमेरिकी इतिहास के ऐसे पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक मामलों में सजा सुनाई गई है। उन पर व्यापारिक दस्तावेजों में हेरफेर का दोषी माना गया है।

इस अवसर पर यह सोचे जाने की आवश्यकता है कि दुनिया का सबसे ताकतवर रह चुका इंसान और जो फिर से राष्ट्रपति हो सकता है वह भी सुरक्षित नहीं है तो जनसामान्य की बात ही क्या की जाये। इस घटना को केवल अमेरिका के सन्दर्भ में नहीं वरन वैश्विक शांति व अहिंसा के नज़रिये से देखे जाने की जरूरत है। भारत में महात्मा गांधी, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला एवं स्वयं अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, सीनियर व जूनियर दोनों ने इसी अहिंसा की वकालत की थी। हिंसा का मूल नफ़रत में है। ट्रम्प उन राष्ट्राध्यक्षों में माने गये हैं जिनकी राजनीति का आधार यही घृणा एवं हिंसा की वकालत है। पिछ्ले चुनाव की प्रचार रैलियों में वे अपने प्रतिद्वंद्वी बाइडेन का अक्सर भद्दा मज़ाक उड़ाते भी नज़र आते थे। यह भी नफरत का ही एक प्रकार कहा जा सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जिस थॉमस मैथ्यू क्रूक्स नामक युवक ने ट्रम्प पर गोलियां चलाईं और जिसे सीक्रेट सर्विस एजेंट ने तत्काल मार गिराया वह स्वयं रिपब्लिकन पार्टी का समर्थक था। हालांकि उसके बारे में यह भी पता चला है कि उसने एक बार विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी को 15 अमेरिकी डॉलर का चंदा भी दिया था।

2024-25 के बजट में आम संघर्षरत लोगों के लिए कोई राहत की उम्मीद नहीं

बुनियादी ढांचे और शहरीकरण तथा अन्य पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाने की समस्याएं, व्यापार बाधाओं को दूर करना, जीएसटी के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएं आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका सामना सरकार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के तहत बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बड़े उद्योग चाहते हैं कि सरकार %शहरीकरण% में तेजी लाने के लिए कदम उठाये।नरेंद्र मोदी सरकार 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाले बजट सत्र में 23 जुलाई को अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेगी। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वह %सुधारों% का दावा करते हुए अपनी नीति को जारी रखेगी।पिछ्ले दशक में बजट और आर्थिक नीतियों की द्वंद्वात्मकता ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर वित्तीय कॉरपोरेट्स के पहले से ही बड़े पैमाने पर कब्जे को और मजबूत करने का काम किया है। हालांकि यह हमारी जीवंत अर्थव्यवस्था के लिए विनाश का संकेत है, लेकिन इस बार यह इतना आसान नहीं हो सकता है, क्योंकि भाजपा अल्पमत में है और बिहार और आंध्र प्रदेश के उसके सहयोगी रियायतें पाने के लिए उसके गले पर सवार हैं। वित्त मंत्री को कुछ हद तक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।पिछ्ले महीने संसद के दोनों सदनों को संयुक्त संबोधन में हमारे राष्ट्रपति ने दावा किया था कि बजट %कई ऐतिहासिक कदमों से चिह्नित% होगा। 4 जून को चुनाव परिणामों के बाद से, आधिकारिक आर्थिक और राजनीतिक हलकों में केवल एक ही बात चल रही है-इक्विटी और शेयर बाजार %तेजी% के साथ पागल हो रहे हैं। बड़े व्यवसाय बड़े पैमाने पर सट्टा अवसरों के उन्माद में जकड़े हुए हैं। एनडीए गठबंधन के चुनावों में नेतृत्व करने के बाद निफ्टी और बीएसई आसमान छू गये। कागज़ात शेयर बाजारों और व्यावसायिक दिग्गजों के मुनाफे के आंकड़ों से भरे पड़े हैं, जिसमें उत्पादन और विनिर्माण को लगभग पूरी तरह से बाहर रखा गया है, जो इस तथ्य को दर्शाता है कि लोगों और उत्पादक अर्थव्यवस्था के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा है।

बुनियादी ढांचे और शहरीकरण तथा अन्य पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाने की समस्याएं, व्यापार बाधाओं को दूर करना, जीएसटी के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएं आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका सामना सरकार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के तहत बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बड़े उद्योग चाहते हैं कि सरकार %शहरीकरण% में तेजी लाने के लिए कदम उठाये। यह एमएसएमई और अन्य विनिर्माण को छोड़कर शहरी भूमि और संपदा सट्टेबाजी में बड़े पैमाने पर उत्पादक पूंजी

के जाने को दर्शाता है।उद्योग का एक अन्य वर्ग, विशेष रूप से एमएसएमई, औद्योगिक उत्पादन और बिक्री को प्रभावित करने वाली जीएसटी की उच्च और जटिल दरों के बारे में शिकायत कर रहा है। अर्थव्यवस्था के विपरीत ध्रुव पर एक स्वाभाविक परिणाम निवेश में तेज और बड़ी गिरावट है। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विश्लेषित सीएमईआई आंकड़ों से पता चलता है कि जून में समाप्त होने वाली तिमाही में विनिर्माण निवेश 20 साल के निचले स्तर पर गिरकर केवल 44300 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले सबसे कम स्तर जून 2005 में था। यह चौतरफा आर्थिक %विकास% के बड़े-बड़े दावों के बावजूद था।फिर भी, भारत की बड़ी कंपनियों ने इस साल की पहले छह महीनों में इक्विटी बाजार में रिकॉर्ड2.5 लाख करोड़ रुपये (30अरब डॉलर) जुटाये हैं, जो जनवरी-जून की अवधि के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह पिछ्ले साल की इसी अवधि की राशि से दोगुना है।अडानी और अंबानी भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण और सट्टा प्रकृति के प्रतीक बन गये हैं। अरबपति गौतम अडानी समूह देश के सबसे बड़े मुंद्रा बंदरगाह पर जहाज बनाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें सरकार उनकी सेवा में है। भारत शीर्ष दस जहाज निर्माण कंपनियों वाले देशों में से एक बनना चाहता है, और सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कीमत पर अडानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं दिखता। वर्तमान में भारत दुनिया में 20वें स्थान पर है।यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अडानी की जहाज निर्माण योजनाओं को पहले रिपोर्ट नहीं किया गया था, जिसे मुंद्रा बंदरगाह के लिए 45000 करोड़ रुपये के विस्तार योजना में छिपा दिया गया था। पर्यावरण को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जायेगा, लेकिन पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी पहले ही प्रबंधित की जा चुकी है। अडानी ने इस तथ्य का लाभ उठाया है कि चीन, दक्षिण कोरिया और जापान में यार्ड 2028 तक बुक हैं, जिससे वैश्विक खिलाड़ी भारत की ओर देखने को मजबूर हैं। लेकिन भारत सरकार ने इस स्थिति का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के बंदरगाहों और यार्डों को दरकिनार करने के लिए किया है।महाराष्ट तट पर वधावन में एक और योजनाबद्ध बहुत बड़ा बंदरगाह बनाया जायेगा, जिसे दुनिया भर के दस सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक माना जाता है। पीपीपी के तहत अनुमानित 76000 करोड़ रुपये की परियोजना में से 37244 करोड़ रुपये निजी क्षेत्र द्वारा दिये जायेंगे। यह दुर्लभ मैंग्रोव, आर्द्रभूमि आदि को बड़े पैमाने पर नष्ट कर देगा। भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह %समुद्री भूमि% है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2025 के लिए विनिवेश और %संपत्ति मुद्रीकरण% से एक लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के विनाश और इसे बड़े व्यवसाय को सौंपने की योजना को छिपाने के लिए एक सम्मानजनक शब्द है। फरवरी 2024 में अंतरिम बजट ने इन दोनों को मासूम दिखने वाले %विविध पूंजी प्राप्तियों% के तहत जोड़ दिया था! इसलिए वे सिर्फ पूंजी %प्राप्तियां% हैं, न कि कड़ी मेहनत से अर्जित सार्वजनिक संपत्ति की बिक्री! %मुद्रीकरण% सार्वजनिक क्षेत्र के विनाश को छिपाने का एक तरीका है।

बेरोजगारी की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो विशाल व्यापारिक घरानों, विशेष रूप से अंबानी और अडानी को रियायतें देने का परिणाम है। यह मोदी सरकार द्वारा दशकों से अपनाई गई नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है, जो एमएसएमई के बड़े पैमाने पर विनाश के कारण और भी बढ़ गई है। नोटबंदी, जीएसटी और बढ़ते आयात ने इस क्षेत्र के लिए तबाही मचा दी।अमेरिकी निवेश बैंक सिटीग्रुप की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत को अपने युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए अगले दस वर्षों तक हर साल 120 लाख नौकरियां पैदा करने की आवश्यकता होगी। यहां तक कि 7प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि भी इतनी रोजगार पैदा नहीं करेगी।

हरियाणा (मानेसर) में अमेजन् के गोदाम, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन की चेन्नई फैक्ट्री में श्रम कानून का उल्लंघन हो रहा है, जहां महिला श्रमिकों के साथ भेदभाव किया गया। छंटनी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय आईबीसी(दिवाला एवं दिवालियापन संहिता) तथा कंपनी कानून में व्यापक संशोधन करने पर विचार कर रहा है। लेनदारों के नेतृत्व वाला दृष्टिकोण आगे भी जारी रहेगा, जिसमें दिवाला समाधान बड़ी फर्मों के पक्ष में अपनाया जायेगा, जिससे उन्हें घाटे की भरपाई करने में मदद मिलेगी।

सरकार कंपनी अधिनियम 2013 में लगभग 100 संशोधन लाकर भारतीय कॉरपोरेट के च्अनुपालन बोझ% को कम करना चाहती है। इससे बड़े कारोबार करना आसान हो जायेगा और कॉरपोरेट घरानों को उनके रास्ते में बाधा डालने वाली %बोझिल% प्रक्रियाओं से मुक्ति मिल जायेगी।

पिछ्ली भाजपा सरकार द्वारा पहले ही संपत्ति कर समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा, हमारे बड़े कारोबारी घराने और अरबपति उचित रूप से वह कर नहीं देते हैं जो उन्हें देना चाहिए। उदाहरण के लिए, वे %सार्वजनिक दान% में लिप्त हो सकते हैं, जिस पर कर नहीं लगता। वे लोगों से धन और पूंजी एकत्र कर सकते हैं और फिर अपने %दान% पर थोड़ा-बहुत खर्च कर सकते हैं! सरकार कंपनियों से उनकी %सामाजिक जिम्मेदारियों% को याद रखने की अपील करती रहती है!

यह आम जनता के लिए निराशाजनक है और अडानी और अंबानी के नेतृत्व वाली सट्टा वित्तीय पूंजी के लिए उज्ज्वल है। औद्योगिक, कृषि और कारीगर पूंजी का बड़े पैमाने पर सट्टेबाज़ी और शेयर बाज़ारों में स्थानांतरण हो रहा है, जिससे विशाल अरबपतियों का उदय हो रहा है। लोगों को जागना होगा और इस रूझान को वापस लेने के लिए कुछ करना होगा।

नौकरीपेशा लोगों पर मंडराती सेहत की समस्या

आजकल की इस आपाधापी में जहां एक ओर लोग अपने काम की पीछे अपना सारा समय लगा देते हैं वहीं दूसरी ओर अपने इस काम के पीछे अपनी सेहत से भी खिलावाड़ करते रहते हैं। नौकरीपेशा लोग हमेंशा किसी ना किसी बीमारी से ग्रस्त ही रहते हैं।आइए जानते हैं नौकरीपेशा लोगों की सेहत पर कौन सी बड़ी समस्याएं मंडराती हैं।

अवसाद : एक प्रमुख समाचार पत्र में 2011 में प्रकाशित शोध में पाया गया है जो लोग प्रतिदिन 11 घंटे से अधिक देर तक काम करते हैं उनमें अवसाद का खतरा दोगुना होता है। बहुत अधिक अवसाद ही नौकरीपेशा लोगों को स्ट्रोक या हार्ट अटैक की स्थिति में पहुंचा देता है।

समय से पहले ही बढ़ जाती है उम्र की समस्या : अमेरिकी शोध की मानें तो दफ्तर का तनाव समय से पहले ही बढ़ी उम्र की समस्याओं को बढ़ाता है। काम का तनाव जितना अधिक होता है शरीर में मौजूद टेलोमेयर्स (उम्र से संबंधित विशेष प्रकार का डीएनए) उतना ही कम होता है।

दिल का दौरा : लंदन कॉलेज यूनिवर्सिटी के 2012 के एक शोध की मानें तो जो लोग कार्यक्षेत्र में बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हैं या काम के दबाव में रहते हैं, उन्हें दिल के दौरे का रिस्क 23 प्रतिशत अधिक रहता है।

मधुमेह : एक मेडिसिन पत्र में प्रकाशित शोध की मानें तो नौकरीपेशा महिलाओं को डायबिटीज की आशंका अधिक रहती है। हालांकि शोधकर्ताओं ने अब तक यह नहीं पता लगाया है कि कार्यक्षेत्र और डायबिटीज का पुरुषों से भी उतना ही संबंध है जितना महिलाओं से है।

व्यक्तिगत संबंधों पर भारी है दफ्तर का तनाव : अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के शोध की मानें तो दफ्तर में देर तक काम करने वाले लोगों का तनाव उनके व्यक्तिगत संबंधों को भी भारी पड़ता है। करीब 79 प्रतिशत नौकरीपेशा पुरुषों और 61 प्रतिशत नौकरीपेशा महिलाओं ने इस शोध में माना कि उनके दफ्तर का तनाव उनके व्यक्तिगत संबंधों पर हावी है

कहीं आपका सोफा न बना दे आपको थायरॉइड का मरीज

घर में महिलाएं रोजमर्रा की जिंदगी में कितने ही सामानों का इस्तमाल रोज करती है।जैसे सोफा, कार्पेट, पर्दे, कागज के सामान आदि।लेकिन इन प्रसाधनों का रोजमर्रा में आपको कितने भी फायदें हों लेकिन इनसे सेहत को एक बड़ा खतरा भी है। हाल में एक शोध में पाया गया है कि इन चीजों के फैब्रिक में विशेष प्रकार के रसायनों का इस्तेमाल होता है जिसकी वजह से महिलाओं में हाइपोथायरॉइड का रिस्क बढ़ जाता है।ताइवान के एन चू कांग अस्पताल के डॉक्टर व शोधकर्ता चेन यू लिन ने बताया कि हमने पशुओं के परीक्षण के आधार पर यह पाया कि सोफा या कालीन के फैब्रिक में इस्तेमाल किए जाने वाले परफ्यूकरोलेटेड केमिकल्स महिलाओं को हाइपोथायरॉइड का शिकार बना सकते हैं। हालांकि अभी तक मानव शरीर पर हमने यह परीक्षण नहीं किया है पर पूरी संभावना है कि इसका संबंध महिलाओं से हो सकता है।शोध के दौरान शोधकर्ताओं ने परीक्षण के साथ-साथ जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंडोक्राइनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में प्रकाशित शोध के दौरान 1,181 प्रतिभागियों का अध्ययन किया और पाया कि जिन लोगों के रक्त में परफ्यूकरोक्टानोएट (पीएफओए) का स्तर अधिक है उन्हें हाइपोथायरॉइड की समस्या की आशंका अधिक है। शोधकर्ताओं का मानना है कि सोफा, कालीन, कॉस्मेटिक्स बनाने में इस्तेमाल किए जाने परफ्यूकरोलेटेड केमिकल्स बहुत धीरे टूटते हैं जिससे ये लंबे समय में वातावरण में घुलते हैं और रक्त में पहुंच जाते हैं।अमेरिका के नेशनल ईंस्टिटयूट ऑफ हेल्थ की निदेशक लिडा बिर्नबॉम के अनुसार थायरॉइड के अलावा इनका संबंध किडनी, लिवर और दिल के रोगों से भी हो सकता है लेकिन फिलहाल इनके प्रत्यक्ष संबंध के बारे में कुछ कहना मुश्किल है।

प्रभावकारी होता है ग्लूट व्यायाम

ऊंची कद काठी, बेहतरीन डोले, शानदार थाईस, चौड़ी छाती और मजबूत बदन हर मर्द की चाहता होती है। लेकिन इस प्रकार के शरीर के लिए आपको व्यायाम में काफी पसीना बहाना पड़ता है। वो भी नियमित तरीके से। व्यायाम करते समय आपको कई बातों का ख्याल करना पड़ता है। मसलन जिस एक्सरसाइज को आप कर रहे हैं वह सही तरीके से हो रही है या नहीं। गलत तरीके से किया गया व्यायाम हानिकारक भी हो सकता है। आइए जानते हैं कुछ विशेष।

ग्लूट एक्सरसाइज

कोई भी व्यायाम शरीर के अन्य अंगों के साथ ही किसी खास अंग पर भी असर डालती है। जैसे आप सीने के लिये व्यायाम कर रहे हैं या डोलो के लिये या फिर कूल्हों के लिये। शरीर के हर हिस्से के लिए अलग व्यायाम है और ये आपके लिए लाभकारी साबित भी होते है। आगे इस लेख में हम बात करते हैं ग्लूट एक्सरसाइज यानी कूल्हों के व्यायाम के फायदों के बारे में।

शरीर के संतुलन में मदद

कूल्हों की मजबूत मांसपेशियां शरीर का संतुलन बनाने में बहुत अहम होती हैं। यदि आपके ग्लूट्स में कमजोरी आ जाती है तो कुछ गंभीर समस्याएं भी हो सकती है। इनमें शरीर का झुकाव, एकाइलेस टेनडिनाइटिस, घुटने की तकलीफ, एड़ी और पिडली में दर्द आदि हैं। यानी ग्लूटस एक्सरसाइज आपको भविष्य की आशंकाओं से बचाती हैं। धावकों के लिए ग्लूटस बेहद जरूरी होती है, इससे उनके शारीरिक केंद्रक, कूल्हे और कमर को मजबूती मिलती है।

मजबूत शरीर

मजबूत शरीर के लिए कूल्हों की मांसपेशियों का चुस्त होना बहुत जरूरी है। कूल्हों का आकार और मजबूती इनकी तीन मशल्स पर निर्भर करता है। यदि आप अपनी दिनचर्या में ग्लूटस एक्सरसाइज को शामिल कर लेंगे तो इससे आपके शरीर को मजबूती मिलेगी। फिटनेस विशेषज्ञों के मुताबिक मजबूत कूल्हे आपको ज्यादा वजन उठाने में भी मदद करते हैं।

कमर दर्द में आराम

ग्लूटस एक्सरसाइज कई बार किशोरावस्था या फिर ज्यादा उम्र में होने वाले कमर दर्द से आपको निजात दिलाती हैं। इन्हें करने से न केवल आपके कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है बल्कि आपकी कमर की नसें भी मजबूत होती हैं।

आकर्षक बदन

ग्लूट एक्सरसाइज नियमित करने से आपके कूल्हों की शेप में बदलाव आता है और इसका असर आपके बदन की खूबसूरती पर पड़ता है। शरीर के खूबसूरत दिखाई देने में कूल्हें अहम होते हैं। ज्यादा भारी नितंब भी भद्दे लगते हैं, यदि आप ग्लूटस एक्सरजाइज को नियमित भी नहीं कर पाते हैं तो हफ्ते में एक बार करने की कोशिश करें।

चुस्त

सुबह के वक्त की गई एक्सरसाइज आप दिनभर चुस्त बने रहते हैं। अब यह व्यायाम कूल्हों से संबंधित हो या शरीर के अन्य किसी अंग से आप चुस्त तो रहते ही हैं और तंदुरुस्त भी।

यदि आपका काम लंबे समय तक बैठे रहने वाला हैं तो ग्लूटस एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें। अगर आप इसे नियमित नहीं कर पाते तो हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर करें।

जांघों की मजबूती

ग्लूटस एक्सरसाइज आपकी जांघों को भी मजबूत बनाती हैं। यदि आपकी जांघें मजबूत हैं तो आपका बदन देखने में आकर्षक लगता है। कूल्हों का व्यायाम करने से आपके बटक के आकार में परिवर्तन होगा और जांघें मजबूत होंगी।

बीमारी से बचाव

आप किसी भी प्रकार का व्यायाम करें, उसका सबसे ज्यादा फायदा यहीं होता है कि ये आपका बीमारियों से बचाव करता है। ग्लूटस एक्सरसाइज भी आपका बीमारियों से बचाव करती हैं।

कैसे पहचानें किस कारण से हो रहे हैं मुहांसे?

मुंहासों की समस्या से ज्यादातर युवा परेशान रहते हैं। छुटकारा पाने के लिए कई तरह के इलाज भी कराते हैं, पर मनचाहा फायदा नहीं होता। मुंहासे होने की कई वजहें हो सकती हैं, उन्हें जानकर ही उपचार करवाएं। जानकारी दे रहा है आलेख। हमारी त्वचा तीन परतों से बनी है। सबसे ऊपरी परत कुछ-कुछ समय बाद बदलती रहती है। ऐसा मृत त्वचा के झड़ जाने से होता है। यह प्रक्रिया चलती रहती है। उसके नीचे वाली परतों में नसें, रक्त नलिकाएं, तेल एवं पसीने की ग्रंथियां तथा हेयर फोलिकल (रोमकूप) होते हैं। सबसे नीचे वाली परत वसा कोशिकाओं से बनी होती है। सही ध्यान नहीं रखने पर तेल ग्रंथियां और मृत त्वचा रोमकूपों में रुकावट पैदा करती हैं, जिससे नई परत बाहर नहीं निकल पाती। वहां त्वचा फूलकर दानों का रूप ले लेती है, जिसे मुंहासे कहते हैं। मुंहासे दो प्रकार के होते हैं। एक, छोटे-छोटे सफेद दाने होते हैं, जिनमें मवाद भर जाता है। दूसरे, लाल रंग के दाने होते हैं, जो ज्यादातर सूखी त्वचा वालों को होते हैं। मुंहासे कई कारणों से हो सकते हैं। हार्मोन में असंतुलन होने पर मुंहासे निकलते हैं। इसके लिए खान-पान और जीवनशैली में सुधार जरूरी होता है। महिलाओं में पहले की तुलना में पीसीओडी और थायरॉएड के मामले बढ़े हैं।

माहवारी चक्र का सही नहीं होना भी मुंहासों का एक कारण होता है। गर्भावस्था के बाद भी कुछ महिलाओं में मुंहासे निकलते हैं। चेहरे पर बहुत अधिक धूप पड़ना भी मुंहासे के खतरे को बढ़ाता है। एक कारण शरीर में इंसुलिन ज्यादा बनना भी होता है, जिसके बारे में कम लोग ही जानते हैं। इसका मतलब यह है कि हमारे खानपान का हमारे मुंहासों से सीधा संबंध है, जिन्हें मुंहासे अधिक निकलते हैं. उन्हें हाई ग्लाइसेमिक खाना नहीं खाना चाहिए। ये वे चीजें होती हैं, जिनमें कार्बोहाइड्रेट बहुत ज्यादा होता है। हाई ग्लाइसेमिक भोजन सफेद ब्रेड, नान और मैदे से बनी चीजें 'स्टार्चयुक्त सब्जियां जैसे आलू' छोटे व मोटे चावल 'पाश्ता, नूडल, बर्गर आदि जंकफूड' दूध या दूध से बनी चीजें 'केक, पेस्ट्री, बिस्कुट, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक फलों में तरबूज।

लो ग्लाइसेमिक भोजन लो: ग्लाइसेमिक भोजन में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम और पोषक तत्व अधिक होते हैं। जैसे-ब्राउन ब्रेड, ओट्स व मछली बासमती और सेला चावल हरी पत्तेदार सब्जियां सरसों का तेल, राइस ब्रान तेल, जैतून का तेल, नारियल तेल, घी आदि बादाम, काजू, खुबानी आदि मेवे फलों में सेब, स्ट्राबेरी, अमरूद आदि डेयरी उत्पादों की भूमिका भारत में 75 प्रतिशत लोग दूध को ठीक ढंग से नहीं पचा पाते। ऐसे लोग डेयरी उत्पाद का सेवन अधिक करते हैं तो उन्हें अपच होने लगता है, जिससे उन्हें मुंहासे निकलने लगते हैं। चेहरे पर बहुत अधिक मुंहासे हो रहे हैं तो कुछ समय के लिए दूध या दूध से बने पदार्थों का सेवन बंद करके देखें। अगर मुंहासों की समस्या कम होती दिखे तो आगे से अपने आहार में डेयरी उत्पादों की मात्रा कम ही रखें। सोया मिल्क, नारियल दूध, बादाम का दूध ले सकते हैं।

खाने में जिंक व आयरन युक्त चीजें जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, अनार आदि आहार में शामिल करें। विटामिन-सी त्वचा के लिए अच्छा होता है, इसके लिए खट्टे वर्ग के फल एवं सब्जियां खाएं। विटामिन ए, डी और ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त चीजें लें। मछली एवं अखरोट में ओमेगा-3 खूब होता है। पानी भी पर्याप्त मात्रा में पिएं। जबड़े वाला हिस्सा जब लिवर ढंग से काम नहीं कर रहा हो तो जबड़े वाले हिस्से में मुंहासे निकलने लगते हैं। इसके लिए डॉक्टर से भी सलाह ले सकते हैं।

इम्यूनिटी पर पड़ रहा है प्रदूषण का असर, अपनाएं आयुर्वेदिक नुस्खे

आम जिंदगी पर बढ़ते प्रदूषण का असर आज हर किसी के लिए परेशानी का सबसे बड़ा सबब बना हुआ है। आज दुनियाभर में लोग इस समस्या से बेहद परेशान हैं। प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देशभर में हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाना, साथ ही हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित होने से बचाना और उनमें होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए अलग-अलग तरह से समाज में जागरूकता फैलाना है।

इसके अलावा हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस उन लोगों की याद और सम्मान में भी मनाया जाता है, जिन्होंने भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवा दी थी। यूं तो प्रदूषण व्यक्ति के शरीर पर कई तरह से बुरा असर डालता है, लेकिन प्रदूषण का सबसे ज्यादा बुरा असर व्यक्ति की इम्यूनिटी पर पड़ता है। तो आइए इस खास मौके पर जानते हैं प्रदूषण के प्रकोप से कैसे खुद को बचाते हुए मजबूत बनाएं अपनी इम्यूनिटी। ये आयुर्वेद और यूनानी पद्धति के नुस्खे आपको स्वस्थ रखने के साथ प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से भी बचाने में आपकी मदद करेंगे।

आंखों की सेहत के लिए

आंखों में गुलाब जल डालें: प्रदूषण के कारण आंखों में जलन होती है। इसके लिए रोजाना सोने से पूर्व आंखों में अर्क गुलाब जल की दो-दो बूंदे डालें।

गले में इंफेक्शन

गले में इंफेक्शन एवं नजला खांसी से बचने के लिए शहद, अदरक, कालीमिर्च और जराकुस के पत्तों की चाय बनाकर पिएं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए

प्रदूषण के कण इम्यून सिस्टम पर सीधा वार करते हैं। इससे बचने के लिए डाइट में हरा आंवला शामिल करना काफी उपयोगी होता है। इसकी चटनी, सब्जी और मुरब्बा खाने से फायदा होगा।

बॉडी को करें डिटॉक्स

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पिएं।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए

अदरक और शहद को साथ में लेने से सर्दी-जुकाम से बचा जा सकता है।

कॉर्न बिरयानी

सामग्री

■ कॉर्न: डेढ़ कप ■ बासमती चावल: 3 कप ■ बड़े प्याज: लंबाई में कटे 2 ■ 3 बारीक कटे टमाटर ■ अदरक-लहसुन का पेस्ट: 2 टीस्पून ■ 6 बारीक कटी हरी मिर्च ■ तेल: 4 टेबलस्पून ■ घी: 4 टेबलस्पून ■ दही: 200 ग्राम ■ पानी: 750 मिली ग्राम ■ नमक: स्वादानुसार ■ मिर्च पाउडर: 2 टीस्पून ■ हल्दी पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ बारीक कटा हरा धनिया: 1/4 कप ■ मिंट की पत्तियां : 1/4 कप ■ दालचीनी: 2 टुकड़े ■ 5 लौंग ■ 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगोकर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

मकई का चीला

सामग्री

- स्वीट कॉर्न: 1 कप
- 1 प्याज
- रिफाइन्ड ऑयल: 1 चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- 1 कटी हुई मिर्च
- बेसन: 2 चम्मच
- अदरक: आधा चम्मच

विधि

इस स्वादिष्ट ब्रेकफास्ट को बनाने के लिए सबसे पहले ग्राइंडर में स्वीट कॉर्न को पीसकर पेस्ट बना लें। आपको एक गाढ़ा मिक्चर बनाना है। इसके बाद इस मिक्चर को एक बर्तन में निकाल लें। उस बर्तन में मकई, बेसन, कटी हुई मिर्च, कटा हुआ प्याज, नमक और घिसी हुई अदरक मिला लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए सबको अच्छे से मिला लें। एक पैन को गैस पर रखकर गर्म करें और उसमें 3-4 बूंद तेल डालें। इस पर बैटर को डालकर गोल शेप (डोसा की तरह) बना लें। इसे दोनों तरफ अच्छे से सेकें। आप इसे चटनी के साथ ट्राई कर सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे चेरी या पुदीने से सजा सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 5013

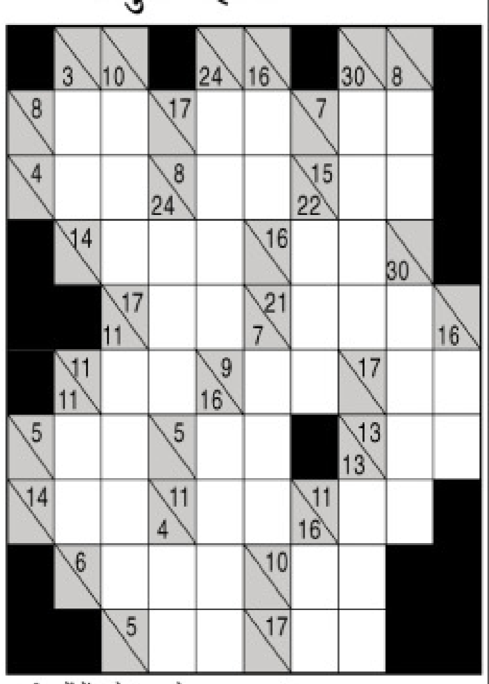

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

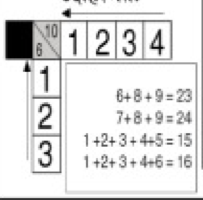

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5012 का हल

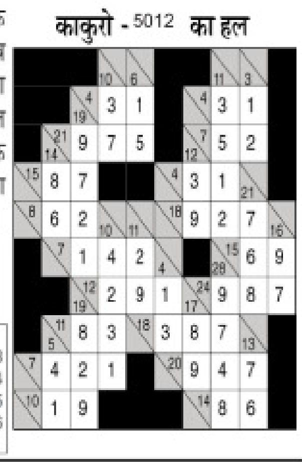

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

▯ ▯ ▯

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

▯ ▯ ▯

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली- 5013

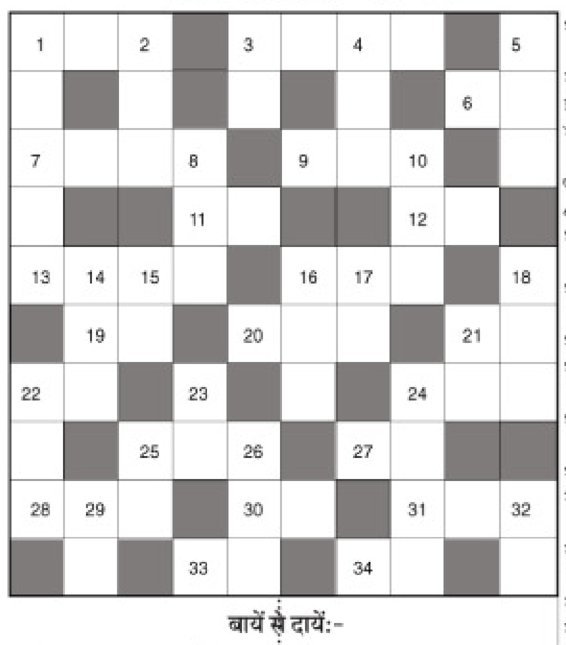

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां से अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरुख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटाकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5012

5013

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5012

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 5013

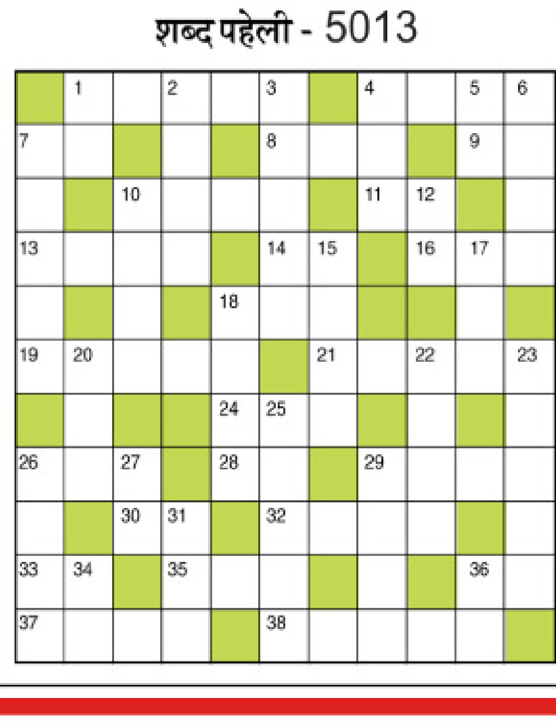

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली - 5012 हल

खड़गे ने नेपाल के प्रधानमंत्री बनने पर दी ओली को बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्री के पी शर्मा ओली के नेपाल का प्रधानमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दी हैं। श्री खड़गे ने कहा कि नेपाल तथा भारत के लोगों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं। दोनों देशों के नागरिकों के बीच रिश्तेदारी है और परस्पर संबंध बहुत गहरे हैं। उन्हें उम्मीद है कि श्री ओली की ताजपोशी से इन संबंधों को और प्रगाढ़ता मिलेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा,कांग्रेस की तरफ से नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को शुभकामनाएं। उन्होंने कहा,नेपाल हमारा करीबी पड़ोसी है और हम दोनों देशों भारत तथा नेपाल के बीच प्रगाढ़ मित्रता तथा साझेदारी के अनूठे संबंध हैं तथा यह सब दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तेदारी एवं संस्कृति के गहरे संपर्कों की खासियत के कारण है। प्रत्येक भारतीय नेपाल के साथ आपसी सहयोग और संबंधों के बंधन को उज्ज्वल भविष्य के लिए और मजबूत करने के वास्ते तत्पर है।

सड़क हादसे में नवादा के एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत, छह घायल

नवादा। बिहार में नवादा जिले में हुए सड़क हादसे में नवादा के एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत और छह अन्य घायल हो गए। जिले के रोह थाना क्षेत्र के हमीदपुर बारा से एक परिवार मंगलवार तड़के स्कार्पियो से मुंडन कराने पटना जिले के बाढ़ उमानाथ जा रहा था। रास्ते में यह लोग हादसे का शिकार हो गए। बताया गया है कि बाढ़ बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के मानसरोवर पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने स्कार्पियो को टक्कर मार दी। इससे स्कार्पियो सवार नवादा जिले के हमीदपुर बारा गांव के एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई है और 6 लोग घायल हो गए। अनहोनी सूचना आते ही गांव में कोहराम मच गया।

असम के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री को राज्य में आई बाढ़ से प्रभावित स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र स्थिति से निपटने और बाढ़ के प्रभाव को कम करने में राज्य को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ है। प्रधानमंत्री ने राज्यपाल को पुनर्वास कार्य को पूरा करने में राज्य सरकार की मदद करने में अपने समर्थन और सहायता का आश्वासन भी दिया।

कल्याण में नेतिवली पहाड़ी में भूस्खलन से नागरिकों में दहशत, कोई हताहत नहीं

मुंबई। कल्याण में नेतिवली पहाड़ी में भूस्खलन होने से पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। इससे इलाके में दहशत फैल गई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन कल्याण-डोंबिवली नगर निगम ने इस इलाके के छह परिवारों को अस्थायी रूप से एक नगरपालिका स्कूल में स्थानांतरित कर दिया है। साथ ही इस क्षेत्र के 140 नागरिकों को अन्यत्र स्थलांतरित होने के लिए नोटिस जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह से कल्याण में बारिश हो रही है। इसी वजह से सोमवार दोपहर कल्याण के नेतिवली पहाड़ी में भूस्खलन हो गया और बड़ा पत्थर पहाड़ी पर बसे झोपड़ों की ओर तेजी से बढने लगा। लेकिन गनीमत यह रही कि आधे रास्ते में आकर पत्थर किसी अवरोध के चलते एक घर के सामने रुक गया, इसलिए इस हादसे में कोई जनहानि या आर्थिक नुकसान नहीं हुआ। इस घटना की जानकारी मिलते ही कल्याण डोंबिवली नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और अति खतरनाक स्थिति में रहने वाले छह परिवारों को तत्काल स्थलांतरित किया है। कल्याण डोंबिवली नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारी सविता हिले ने बताया कि अत्यंत खतरनाक स्थिति में रहने वाले छह परिवारों को पास के नगरपालिका स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि पहाड़ी के पास रहने वाले लोगों को नोटिस जारी किया गया है।

यूपी में 20 जिलों के 900 गांव बाढ़ की चपेट में

सीएम योगी बोले- पीड़ितों को 24 घंटे में दें मुआवजा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा, गोमती और घाघरा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। रामगंगा, गर्रा, खनौत, राप्ती, बूढ़ी राप्ती, कानो, शारदा नदियां भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। लखीमपुर खीरी से लेकर बलरामपुर, अयोध्या, उन्नाव और बलिया, बस्ती समेत 20 जिलों के करीब 900 गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। बलिया में घाघरा नदी के कटाव के कारण 13 गांव पानी में डूबे हुए हैं। वाराणसी में 48 घंटे में गंगा नदी का जल स्तर दो मीटर तक बढ़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय बैठक में बाढ़ प्रभावित इलाकों की समीक्षा करते हुए कहा कि बाढ़ आपदा सहायता और संवेदना का समय है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के साथ चौबीस घंटे में मुआवजा देने के निर्देश दिए। बाढ़ पीड़ितों के साथ सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शिष्टता से पेश आने की नसीहत दी।

बाढ़ प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बाढ़ से अब तक 20 जनपदों की 69 तहसीलों के 1571 गांव के अलावा बरेली, पीलीभीत व शाहजहांपुर के शहरी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। इसका असर 14.80 लाख नागरिकों पर पड़ा है। इनमें से 5.29 लाख व्यक्ति ऐसे हैं, जिनकी सम्पत्तियों (खेती, मकान, गृहस्थी

और पशु) को नुकसान पहुंचा है। जल भराव के कारण प्राथमिक रूप से 3.19 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल प्रभावित हुआ है। सेटेलाइट से प्राप्त जलभराव डाटा के आधार पर स्थलीय टीमें बनाकर खेती के नुकसान की पुष्टि कराई जा रही है। साथ में ड्रोन सर्वे की व्यवस्था भी की जा रही है।

देखते ही देखते शारदा में समाया देवी मंदिर

लखीमपुर खीरी में शारदा नदी के भूमि कटान करने के रौद्ररुप को देख ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई है। चार घंटे में बेलहा सिकटिहा गांव के पास देवी मंदिर नदी में समा गया। इसे देखकर ग्रामीणों की धड़कनें बढ़ गईं हैं।

राप्ती खतरे के निशान से 93 सेमी ऊपर

गोरखपुर में बीते चौबीस घंटे में राप्ती नदी के जलस्तर में 20 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे पहले से खतरे के निशान से ऊपर बह रही इस नदी का जलस्तर लाल निशान से 93 सेंटी मीटर ऊपर पहुंच गया है।

काशी में उफान पर गंगा, आठ घाटों का संपर्क टूटा...आरती स्थल भी बदलना पड़ा

काशी में गंगा के जलस्तर में लगातार दूसरे दिन भी बढ़ाव जारी रहा। देर शाम आठ घाटों का आपसी संपर्क टूट गया। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर 61.79 मीटर दर्ज किया गया। रत्नेश्वर महादेव मंदिर पूरी तरह से पानी में डूब गया है।

देर शाम को प्राचीन दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती का स्थल भी बदलना पड़ा। विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार से लगते ललिता घाट के रैंप और मणिकर्णिका घाट के रैंप पर भी पानी चढ़ने लगा है।

नोएडा में साइबर ठगों का आतंक

नैनीताल बैंक के सर्वर को हैक कर निकाली 16.50 करोड़ की रकम

एजेंसी

नोएडा । साइबर ठगों ने लगातार ठगी कर नोएडा में आतंक मचा रखा है और इस बार ठगों ने नोएडा में नैनीताल बैंक के सर्वर को हैक कर 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम 89 अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर ली। इनके खिलाफ बैंक के आईटी विभाग के मैनेजर ने मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि साइबर ठगों ने 89 अलग-अलग खातों में सर्वर को हैक कर रकम ट्रांसफर की है। इसके लिए पुलिस ने टीमों का गठन किया है और उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। साइबर सेल के एसीपी विवेक रंजन ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक मैनेजर द्वारा थाना साइबर में सूचना दी गयी कि बैंक का सर्वर हैक कर किसी अज्ञात व्यक्ति ने 16.50 करोड़ रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर

किए हैं। इसको संज्ञान में लेते हुए मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने कहा, मामले के खुलासे के लिए टीमों का गठन भी किया गया है। साक्ष्य संकलन करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। एसीपी विवेक रंजन ने बताया कि अभी तक की जांच में 89 खातों में पैसों को ट्रांसफर करने की बात सामने आई है। इसकी जांच अभी जारी है। दरअसल सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक के आईटी मैनेजर सुमित कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया है कि 17 जून को आरटीजीएस खाते के नियमित समाधान के दौरान बैलेंस शीट में करीब 3.61 करोड़ रुपए का अंतर पाया गया था। इसके बाद आरटीजीएस टीम ने स्ट्रक्चर्ड फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम सर्वर के साथ कोर बैंकिंग सिस्टम में लेनदेन की जांच की। 18 जून को जब फिर से जांच की गई तो इसमें भी बैलेंस शीट में अंतर मिला। बैंक की अभी तक जांच में 16 करोड़ से ज्यादा की रकम ट्रांसफर की गई है।

गौरतलब है कि अभी तक साइबर ठग लोगों को अलग-अलग माध्यम से अपना निशाना बनाते आए थे। लेकिन अब बैंक के सर्वर को हैक कर 16 करोड़ से ज्यादा की रकम उड़ा लेना अपने आप में एक बड़ा मामला है। पुलिस टीम के लिए भी यह काफी बड़ी चुनौती मानी जा रही है।

उत्तराखंड में भाजपा सरकार की गलत नीतियों से लोग दुखी : मायावती

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तराखंड उपचुनाव के नतीजों को लेकर कहा कि राज्य में भाजपा सरकार की गलत नीतियों और द्वेषपूर्ण कार्यशैली से लोग दुःखी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उत्तराखंड में पार्टी संगठन के कार्यों, पार्टी के जनाधार को बढ़ाने तथा बीएसपी पार्टी व मूवमेंट से जुड़े खास मुद्दों के साथ ही राज्य में हाल में हुए विधानसभा उपचुनाव आदि पर पार्टी के वरिष्ठ व जिम्मेदार लोगों के साथ नई दिल्ली में आयोजित बैठक में गहन समीक्षा।' उन्होंने आगे लिखा, 'उत्तराखंड में भाजपा सरकार की गलत नीतियों व द्वेषपूर्ण कार्यशैली आदि से लोग दुःखी हैं, जिसको लेकर जनता को जागरुक करना है कि कांग्रेस भी उनकी गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, असुरक्षा आदि से त्रस्त जीवन का समाधान नहीं है बल्कि बहुजनों को खुद अपने पैरों पर खड़ा होना है।' उत्तराखंड में दो सीटों पर हुए उपचुनाव में मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा)

को भी झटका लगा है। यहां दोनों ही सीटों पर कांग्रेस पार्टी को जीत मिली है। उपचुनाव में बसपा, कांग्रेस और भाजपा से पीछे रही है।

सुखबीर बादल की बढ़ी मुश्किलें, श्री अकाल तख्त साहिब ने मांगा 15 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह के नेतृत्व में पांच सिंह साहिबान की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें सुखबीर सिंह बादल को कुछ दिन पहले बागी अकाली नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में स्पष्टीकरण देने के लिए 15 दिनों के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया गया।

इसके अनुसार शिरोमणि अकाली दल के कुछ वरिष्ठ नेताओं की ओर से श्री अकाल तख्त साहिब पर पहुंची शिकायत के अनुसार शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने सांप्रदायिक भावनाओं को उचित रूप से व्यक्त नहीं किया। इसके मद्देनजर सुखबीर बादल को इन आरोपों पर 15 दिन के अंदर श्री अकाल तख्त साहिब पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर लिखित में स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। सुखबीर बादल से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से 90 लाख के विज्ञापन संबंधी कुछ अकाली नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

इसके साथ ही गुरुद्वारा साहिबों में दिन-प्रतिदिन बढ़ रही बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक गुरुद्वारा साहिब में स्थाई रूप से 24 घंटे सेवादारों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। किसी भी कोताही या बेअदबी की स्थिति में संबंधित गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी जिम्मेदार होगी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक अन्य निर्णय के अनुसार बाबा दया सिंह जी मुखी सम्प्रदाय दल बाबा बिधि चंद जी, चलदा वहीर चक्रवर्ती निहंग सिंघां, हेड क्वार्टरर सूरसिंह, जिला श्री तरनतारन साहिब की सेवाओं को देखते हुए उन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा 'पंथ सेवक' का विशेष सम्मान देने की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री धामी बोले- मोदी ने भारत को विश्व का नेतृत्व करने वाला देश बनाया

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जो माणा और आदि कैलाश जैसे सभी सीमांत क्षेत्र में विकास की योजनाओं को लेकर गए और प्राथमिकता से वहां प्रथम गांव मानकर विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। हालिया नीति आयोग की रिपोर्ट में देश में पहले स्थान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि जन-जन के सहयोग से हमारी विकल्परहित संकल्प के प्रयासों का नतीजा है।

भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में रामराज्य स्थापित करने में सफल हुए हैं। उन्होंने लगातार तीसरी बार मोदी के प्रधानमंत्री बनने की उपलब्धि को जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों के साथ कार्यकर्ताओं के समर्पण का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी एकमात्र पार्टी है जिसने कभी अपने विचारों और सिद्धांतों से

समझौता नही किया। चाहे धारा 370 समाप्त करना हो, चाहे श्रीराम मंदिर का निर्माण हो, चाहे आर्थिक महाशक्ति बनना हो, चाहे बिजली, पानी से गरीबों को मुफ्त राशन हो। ऐसे अनेकों ऐतिहासिक कार्य और साहसिक एवं दूरदर्शी विदेश नीति से भारत को विश्व का नेतृत्व करने वाला देश बनाया।

उत्तराखंड में राज्य स्थापना दिवस से पूर्व यूसीसी लागू करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की कि हमारी सरकार ने नौ नवंबर को राज्य स्थापना दिवस से पूर्व यूसीसी को लागू करने का लक्ष्य तय किया है। इसका ड्राफ्ट सार्वजनिक कर दिया गया है। शीघ्र जनता को उसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में एक बड़ा तबका ऐसा है जो लगातार भ्रम, झूठ, अफवाह फैलाने साजिश में लगा रहता है। चाहे यात्रा के पंजीकरण की बात हो, चाहे यात्रा मार्ग को लेकर भ्रम फैलाने की साजिश हो, चाहे जातिवाद क्षेत्रवाद-नस्लवाद को संरक्षण देने की बात हो, चाहे धार्मिक स्थलों एवं परंपराओं पर झूठा विवाद खड़ा करने के कुत्सित प्रयास हों। हम सबको ऐसे प्रयासों को असफल बनाना है। हम सबको 2047 तक विकसित भारत के साथ इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाना है। नई ऊर्जा, उत्साह, उमंग, विचार और योजनाओं को अपने-अपने क्षेत्र में लेकर जाना है। भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय सभागार में विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित उत्तराखंड बनाने के लक्ष्य के साथ संपन्न हुई।

बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग ने पकड़ा जोर, समर्थन में आए चिराग और मांझी

एजेंसी

पटना। केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद से ही राजग की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को संसद से लेकर सड़क तक उठा रही है। अब हम पार्टी के जीतन राम मांझी और लोजपा (आर) के चिराग पासवान ने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की है। नेताओं का कहना है कि बिहार के पास संसाधनों की कमी है और इसके विकास के लिए ये जरूरी है। नीति आयोग की 12 जुलाई को जारी एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 की रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि कुछ पैमानों पर स्थिति में सुधार के बावजूद बिहार सतत विकास का आकलन करने वाले एसडीजी इंडिया इंडेक्स में सबसे निचले पायदान पर रहा है। इसके बाद राज्य में और केंद्र

में मंत्रियों ने दावा किया है कि रिपोर्ट में बिहार सरकार की विशेष राज्य के दर्जे की मांग की पुष्टि हो गई है। मंत्रियों ने कहा है कि नीति आयोग की सतत विकास लक्ष्य इंडिया इंडेक्स 2023-24 की नई रिपोर्ट ने केंद्र से राज्य के लिए ज्यादा वित्तीय सहायता की मांग को सही बता दिया है। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नीति आयोग की नवीनतम रिपोर्ट ने अधिक केंद्रीय वित्तीय सहायता को लेकर लंबे समय से की जा रही हमारी मांग को सही साबित कर दिया है। यही कारण है कि हम बिहार के लिए विशेष दर्जा (एससीएस) या विशेष राहत पैकेज की मांग कर रहे हैं, जो अपने वित्त का प्रबंधन खुद कर रहा है जबकि यह देश के उन राज्यों में से एक है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य संजय झा ने भी दिल्ली से लेकर पटना तक कई बार इस बात को दोहराया है कि बिना किसी देरी के बिहार को विशेष पैकेज या विशेष राज्य का दर्जा देने की घोषणा कर देनी चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बिहार के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

शंकराचार्य ने उठाया सवाल-केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब होने की जांच क्यों नहीं शुरू हुई?

एजेंसी

मुंबई। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ मंदिर पर सवाल उठाने के साथ आरोप लगाया कि केदारनाथ में सोने का घोटाला हुआ है, वह मुद्दा क्यों नहीं उठाया जाता? वहां घोटाला करने के बाद अब दिल्ली में केदारनाथ बनेगा? और फिर एक और घोटाला होगा। उन्होंने कहा कि केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब है, लेकिन कोई जांच शुरू नहीं हुई है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है?... अब वे कह रहे हैं कि दिल्ली में केदारनाथ बनाएंगे, ऐसा नहीं हो सकता।

शंकराचार्य ने शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे के मातोश्री आवास पर पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने कहा कि जिसने उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात किया, वह हिंदू कैसे हो सकता है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्रकारों से कहा कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे को धोखा दिया गया है। हम उनके विश्वासघात से दुखी हैं। जब तक वह दोबारा मुख्यमंत्री नहीं

बनेंगे, हमारा दुख दूर नहीं होगा। उन्होंने राज्य के हालात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इसका खामियाजा महाराष्ट्र के लोगों को भुगतना पड़ा है। यह समस्या चुनाव में भी देखने को मिली। यह उन लोगों के लिए भी अपमानजनक है, जो अपने नेताओं को चुनते हैं। सरकार को बीच में तोड़ना और जनादेश का अपमान करना गलत है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हमारे यहां 12 ज्योतिर्लिंग हैं। केदारनाथ हिमालय में है तो दिल्ली लाने की क्या जरूरत है। आप लोगों को भ्रमित क्यों करते हैं? केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब हो गया है। यह नहीं दिखाया गया है। अब तक कोई जांच नहीं। उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अब वे दिल्ली में केदारनाथ का निर्माण करना चाहते हैं और घोटाला करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम उनके शुभचिंतक हैं। वे हमारे पास आये। उन्होंने नमस्कार किया। हमने उन्हें आशीर्वाद दिया है। हम उनके दुश्मन नहीं हैं। अगर वे कोई गलती भी करते हैं तो भी हम बात करते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 को आएंगे रांची

रांची। झारखंड भाजपा की एक दिवसीय विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक 20 जुलाई को धुर्वा स्थित जगन्नाथ मैदान में होगी। प्रदेश अध्यक्ष

बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे। बैठक में मंडल से लेकर प्रदेश स्तर के पार्टी पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, सभी सात मोर्चों के पदाधिकारी, कार्यसमिति सहित विभाग और प्रकोष्ठ के सूचीबद्ध कार्यकर्ता शामिल होंगे।

भाजपा सरकार की नीतियों से जनता त्रस्त : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार चलने वाली नहीं है। ये सरकार गिरने वाली है। भाजपा सरकार की नीतियों से जनता त्रस्त है। भाजपा अभी भी जनता को धोखा देने में लगी है। जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारा सबक सिखाया है। अब आगामी विधानसभा चुनाव में भी जनता भाजपा का सफाया करके ही दम लेगी।

अखिलेश यादव यहां पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में आए पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रही है। सन् 2027 में विधानसभा चुनाव की चुनौती सामने है। सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और एकजुटता से लगे रहना है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में कोई सुनने वाला नहीं है।

जनता कमरतोड़ महंगाई से कराह रही हैं नौजवानों के सामने अंधेरा है। भविष्य में रोटी रोजगार मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। बुनियादी मुद्दों का हल भाजपा करने वाली नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय के प्रति संकल्पित है। समाजवादी चाहती है कि जातीय जनगणना हो ताकि लोगों की समानुपातिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। पीडीए एक नारा नहीं, आंदोलन है। इसके माध्यम से पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों सहित महिलाओं को गरीबों को भी सम्मान एवं हक मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब, मजदूर और मध्यम वर्ग की मेहनत और खून पसीने की कमाई को लूट रही है। लखनऊ, आगरा, कानपुर, वाराणसी के बाद अब झांसी स्मार्ट सिटी भी शर्म से पानी-पानी हो गई है। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को चौपट करने वाली भाजपा सरकार के सत्ता में अब गिने चुने दिन ही रह गये हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का भरोसा जनता की ताकत पर है। सपा का संकल्प है कि सन् 2027 में बनने वाली समाजवादी सरकार में जनहित में विकास कार्य जारी रखे जाएंगे। गांव-गरीब, किसान हमेशा समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता में रहे हैं। अब सपा जनता को न्याय दिलाने के लिए सड़क से सदन तक वैचारिक संघर्ष करने में पीछे नहीं है। इस अवसर पर पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विकास पुष्पकार पुत्र सुशील कुमार निवासी सुल्तानपुर बाजार, रानीगंज प्रतापगढ़ को राज्य मुख्यालय, लखनऊ में बुलाकर सम्मानित किया। विकास पुष्पकार समाजवादी पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं।

हेल्दी स्किन चाहते हैं खाने की इन चीजों से करें परहेज

कौन नहीं चाहता है कि उसका स्किन हेल्दी और चमकदार हो? हां, हम सभी स्किन को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं लेकिन इसके लिए हमें उचित भोजन करने की आवश्यकता है। हमारा स्किन हमारे शरीर का सबसे सेंसेटिव पार्ट है। अगर हम कुछ वैसा खाते है जो हमारे शरीर के लिए फिट नहीं है तो इसका असर तुरंत हमारे स्किन पर दिखाई देने लगता है। हेल्दी स्किन के लिए गुड डाइट और उचित भोजन की आदत बहुत महत्वपूर्ण है। पुअर डाइट से ड्राय स्किन और मुंहासा हो सकता है। नीचे कुछ फूड आइटम्स दिये गये हैं जो स्किन के लिए हानिकारक है-

कैंडी

अगर आप अपने स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं तो ज्यादा कैंडी नहीं खाएं। क्योंकि इसमें सुगर ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। सुगर ज्यादा खाने से हमारा स्किन डल और झुर्रीदार हो सकता है।

साल्ट

अगर आप हेल्दी स्किन चाहते हैं तो ज्यादा नमक और नमकीन फूट आइटम खाना बंद करें। क्योंकि यह हानिकारक है। इससे शरीर में तरल पदार्थ की मात्रा बढ़ जाती है और बॉडी में स्वेलिंग होने का खतरा रहता है औ र सूजा हुआ दिखने लगता है। यह स्किन की बनावट को खराब कर देता है।

कैफीन

अगर आप हेल्दी स्किन चाहते हैं को कॉफी, चाय और कोला इत्यादि का सेवन कम करें क्योंकि इसमें कैफीन पाया जाता है। कैफीन शरीर में कॉर्टिसॉल का प्रोडक्शन करता है और इस प्रकार यह स्किन को पतला करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को बढ़ता है। साथ ही कैफीन स्किन में पाये जाने वाले पानी को कम कर देता है जिससे झुर्री होने की संभानवा बढ़ जाती है।

प्रोसेस्ड फूड

प्रोसेस्ड फूड को नजरंदाज करना चाहिए क्योंकि इसमें अध्यधिक मात्रा में नमक और सोडियम पाया जाता है जो हमारे स्किन के लिए अच्छा नहीं है। प्रोसेस्ड फूड में पानी कम मात्रा में पाया जाता है।

दूध

हम सभी जानते है कि दूध हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। लेकिन यह हमारे स्किन के लिए लाभदायक नहीं होता है। अत्यधिक दूध पीने से मुंहासा हो सकता है। क्योंकि दूध में ग्रोथ हार्मोस और इन्फ्लैमेटरी पदार्थ पाया जाता है। जो स्किन के छिद्र को बंद कर देता है।

शेल्फिश

भोजन में झींगा, केकड़ा, झींगा मछली का ज्यादा सेवन ना करें क्योंकि इनमें अधिक मात्रा में आयोडीन पाया जाता है। भोजन में इनके ज्यादा इस्तेमाल से मुंहासा हो सकता है।

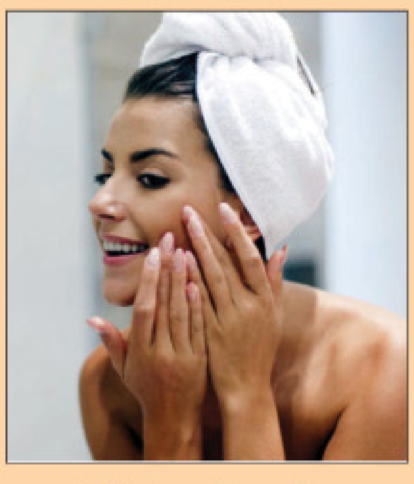

मुहांसों से मुक्ति दिलाए ये 5 घरेलू उपाय

अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान हैं तो घरेलू उपाय इसके लिए बेहद कारगर होते हैं। पेश है पांच घरेलू उपाय जिन्हें अपनाकर आप मुहांसों से छुटकारा पा सकते हैं।

चंदन : चंदन मुहांसों के लिए रामबाण की तरह काम करता है। चंदन मुहांसो को शीतलता प्रदान करता है जिससे जल्द ठीक होने में मदद मिलती है। इसलिए मुहांसों को ठीक करने के लिए चंदन का उपाय बेहतरीन उपायों में से एक है।

संतरे का छिलका : संतरे का छिलका मुहासों को ठीक करने के लिए बेहतर माना जाता है। इसमें विटामिन सी होता है जिससे त्वचा के कई रोग मुहांसों आदि को ठीक करने में मदद मिलती है। इससे मुहासों से मुक्ति के अलावा त्वचा की चमक भी बनी रहती है।

मुल्तानी मिट्टी : मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कर भी आप मुहासों से छुटकारा पा सकते है। तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से मुहांसे जल्द ठीक होते है। इससे त्वचा के रोमछिद्र भी खुल जाते है।

नींबू : अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान हैं तो इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू बेहद कारगर है। नींबू के रस में विटामिन सी होता है जिससे मुहांसों से जल्द मुक्ति मिलती है।

एलोवेरा : एलोवेरा त्वचा के लिए बेहतर माना जाता है और इससे भी मुहांसों को ठीक करने में मदद मिलती है।

रिफाइंड से बेहतर है पारंपरिक भारतीय खाद्य तेल, जानिये क्यों

विशेषज्ञों ने कहा है कि घी, नारियल तेल और सरसों तेल जैसे खाना पकाने के पारंपरिक भारतीय तेल आधुनिक समय के 'रिफाइंड' या जैतून के तेल से ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक हैं। गंगा राम अस्पताल के हृदय रोग विभाग के डॉ एससी मनचंदा ने बताया, 'खाना पकाने का तेल भारतीय आहार का एक अभिन्न हिस्सा है।'

लोगों को आमतौर पर बाजार में उपलब्ध कई तरह के खाद्य तेलों से स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि खाना पकाने की भारतीय विधियों (जिनमें तलना शामिल है) में घी, नारियल तेल और सरसों तेल जैसे हमारे परंपरागत तेल स्वास्थ्य लाभों के मामले में 'रिफाइंड' और अन्य तेलों से बेहतर हैं।

यह अवलोकन इंडियन हर्ट जर्नल में एक संपादकीय में किया गया है।

जन स्वास्थ्य पोषण कंसलटेंट संतोष जैन पास्सी ने बताया कि रिफाइंड तेलों से दूर रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि रिफाइनिंग की प्रक्रिया में तेल को अत्यधिक तापमान पर गर्म किया जाता है जिससे उनका क्षरण होता है और जहरीले पदार्थ पैदा होते हैं।

उन्होंने बताया, 'रिफाइंड तेल तेजी से खराब हो जाते हैं और इसलिए उन्हें तलने से बचना चाहिए। इसके उलट संतृप्त वसाओं (जैसे घी, नारियल तेल) को भारतीय व्यंजन पकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि वे तलने के दौरान तुलनात्मक रूप से स्थिर रहते हैं।'

अगर आप माइग्रेन से हैं परेशान तो 'विटामिन' को ना करें नज़रअंदाज़!

माइग्रेन एक ऐसी समस्या है जिससे जूझने वाला ही इसकी तकलीफ को बता सकता है, अगर आपमें माइग्रेन के लक्षण दिखे, तो विटामिन की जांच करा लें, क्योंकि नए शोध के मुताबिक कुछ विटामिन की कमी से भी बच्चों, किशोरों व वयस्कों में माइग्रेन रोग हो सकता है। शोधकर्ताओं के निष्कर्ष में इस बात का खुलासा हुआ है कि माइग्रेन से पीड़ित अधिकांश किशोरों व वयस्कों में विटामिन डी, राइबोफ्लेबिन तथा कोइंजाम क्यू10 की कमी पाई गई। लड़कों की तुलना में लड़कियों में कोइंजाइम क्यू10 की कमी की संभावना होती हैं, जबकि पुरुषों में विटामिन डी की कमी की संभावना अधिक होती है।

अमेरिका स्थित सिनसिनाती चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर में मुख्य शोधकर्ता सुजेन हगलर ने कहा, 'इस बात पर अभी और अध्ययन करने की जरूरत है कि माइग्रेन की अवस्था में विटामिन के सेवन से आराम पहुंचता है या नहीं।'

इससे पहले के अध्ययन में यह साबित हो चुका है कि शरीर में कुछ विटामिनों की कमी से माइग्रेन रोग हो सकता है। निष्कर्ष अमेरिका के सैन डिएगो में हाल में अमेरिकन हेडेक सोसायटी के वैज्ञानिकों की सालाना 58वीं बैठक के दौरान प्रस्तुत किया गया।

बहुत तकलीफदेह होता है माइग्रेन

इसका शिकार होने पर सिर के आधे हिस्से में दर्द रहता है। जबकि आधा दर्द से मुक्त होता है। जिस हिस्से में दर्द होता है, उसकी भयावह चुभन भरी पीड़ा से आदमी ऐसा त्रस्त होता है कि सिर क्या बाकी शरीर का होना भी भूल जाता है।

माइग्रेन मूल रूप से तो न्यूरोलॉजिकल समस्या है। इसमें रह-रह कर सिर में एक तरफ बहुत ही चुभन भरा दर्द होता है। ये कुछ घंटों से लेकर तीन दिन तक बना रहता है। इसमें सिरदर्द के साथ-साथ गैस्टिक, जी मिचलाने, उल्टी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। पर्याप्त नींद न लेना, भूखे पेट रहना और पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना जैसे कुछ छोटे-छोटे कारणों से भी आपको माइग्रेन की शिकायत हो सकती है।

घर पर बनाइये ड्रिंक और दर्द दूर भगाइये

सामान्य तौर पर पोषक तत्वों की कमी, तनाव, एलर्जी और अल्कोहल का सेवन माइग्रेन पैदा करने में सहायक होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और डिहाइड्रेशन भी माइग्रेन के लिए सामान्य आधारभूत घटक हैं। सही मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन न करना माइग्रेन का कारण बन सकता है।

लेकिन आप परेशान न हों, माइग्रेन से जल्द राहत पाने के लिए यह ड्रिंक आपकी मदद करेगा और आप इसे घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं। जानिए ड्रिंक बनाने के लिए जरूरी सामग्री –

1. नींबू का रस
2 .दो छोटे चम्मच समुद्री नमक
3. एक कप ठंडा पानी

यदि आपको सामान्य कारणों से माइग्रेन की समस्या हो रही है, तो आप पानी में नींबू का रस और समुद्री नमक मिलाकर पिएं। इससे आप दर्द से राहत महसूस कर सकते हैं। लेकिन अगर आपका दर्द कम नहीं हो रहा है, तो एक बाद डॉक्टर को जरूर दिखाएं, क्योंकि यह इलेक्ट्रोलाइट के असंतुलन के कारण भी हो सकता है।

धूप की कमी बढ़ा सकती है आपका माइग्रेन

यदि आप बार-बार हो रहे माइग्रेन के दर्द से परेशान हैं तो हो सकता है आपके इस दर्द की वजह आपकी धूप से दूरी हो। एक अध्ययन में सामने आया है कि माइग्रेन से जूझ रहे अधिकांश लोगों में विटामिन डी और विटामिन बी2 की कमी पाई गई है। सिनसिनाटी चिल्ड्रन हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर के रिसर्चर्स का कहना है कि हो सकता है कि इन विटामिनों की कमी ही माइग्रेन का दर्द बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो, लेकिन इसे प्रमाणित करने के लिए हमें और भी अध्ययन करने होंगे। जब हमारे शरीर की त्वचा सूरज की रोशनी के संपर्क में आती है तो विटामिन डी हमारे शरीर में ही बनता है। इस अध्ययन में माइग्रेन से जूझ रहे मरीजों के ब्लड टेस्ट के रिकॉर्ड की जांच कर विटामिन डी, रिबोफ्लेविन, सीओक्यू10 और फॉलाटे की जांच की गई। इनमें से ऐसे कई मरीज थे जिन्हें माइग्रेन रोकने के लिए प्रिवेंटिव मेडिसिन दी जा रही थी साथ ही उन्हें विटामिन के सप्लिमेंट्स भी दिए जा रहे थे। इस रिसर्च के बारे में प्रमुख रिसर्चर और हेडऐक मेडिसिन के फेलो डॉ सुजाने हागलेर का कहना है कि क्योंकि कुछ लोगों को माइग्रेन के साथ ही विटामिन भी दिया गया इसलिए यह तय नहीं किया जा सकता कि विटामिन की कमी माइग्रेन के दर्दमें बढ़ोतरी करती है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि लड़कों और पुरुषों में विटामिन डी की कमी ज्यादा पाई गई है। यह अध्ययन अमेरिकन हेडएक सोसायटी की 58वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया है।

अपने दिमाग को मजबूत बनाने के लिए खाएं ये सुपरफूड्स!

हरी फूलगोभी- मस्तिष्क के फंक्शन के लिए ब्राकली काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें कोलीन की ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। कोलीन मस्तिष्क में नए सेल्स बनाता है।

बादाम - हर किसी को रोजाना मुट्ठी भर बादाम, मूंगफली, अखरोट और काजू खाना चाहिए। इनमें विटामिन ई पाया जाता है जो मस्तिष्क के फंक्शन को बेहतर बनाता है।

अंडे- हम सभी को पाता है अंडा सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन यह मस्तिष्क के लिए भी काफी उपयोगी है। अंडे में कोलीन भी पाया जाता है जो शॉर्ट टर्म मेमोरी फंक्शन में काफी जरूरी है।

मछली- मस्तिष्क के विकास के लिए मछली का सेवन महत्वपूर्ण माना जाता है। मछली के वसा में ओमेगा 2 एसिड मिलता है जो मस्तिष्क के विकास और उसके फंक्शन में काफी मददगार साबित होता है।

डिमेंशिया के खतरे को कम करता है नियमित कसरत

नियमित रूप से कसरत करने के कई फायदे होते हैं। इससे शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने में मदद तो मिलती ही है। एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में भी यह योगदान करता है। नियमित रूप से कसरत करने से न केवल हमारा मस्तिष्क सक्रिय रहता है बल्कि डिमेंशिया जैसी भूलने वाली बीमारी का खतरा भी कम हो जाता है।

चूहे पर किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया कि कसरत शरीर में एक महत्वपूर्ण प्रोटीन की उत्पादकता बढ़ा सकता है। यह प्रोटीन मस्तिष्क को सक्रिय करने के साथ ही (न्यूरो) तंत्रिका से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करता है।

अध्ययन में पाया गया कि चूहे के नियमित कसरत के दौरान कुछ रसायन स्वतः मस्तिष्क में जमा हुए और मस्तिष्क के लिए बीडीएनएफ (मिरेकल-ग्रो) का उत्पादन करने लगे। बीडीएनएफ याददाश्त बढ़ाने और तंत्रिका कोशिकाओं की वृद्धि में सहायक होता है। न्यूयार्क यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मोसेस चाओ के मुताबिक, 'हमारा मानना है कि स्तनधारियों में कसरत से बढ़ने वाले बीडीएनएफ के पीछे होने वाली जैविक प्रकिया को हमारा यह अध्ययन दर्शाता है।'

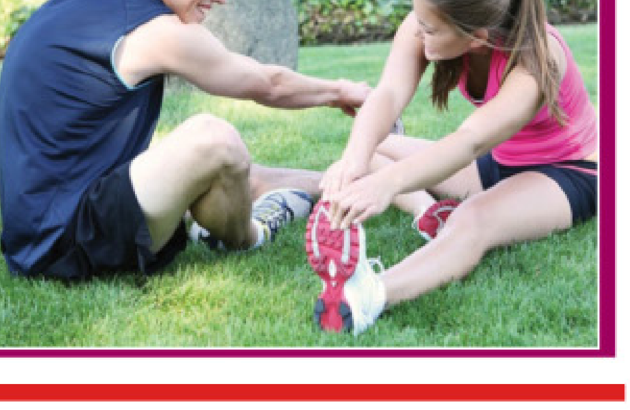

जर्मनी के फुटबॉलर थॉमस मुलर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। जर्मनी के थॉमस मुलर ने यूरो 2024 के समापन के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। 34 वर्षीय मुलर ने राष्ट्रीय टीम के लिए 131 मैच खेले, 45 गोल किए और 2014 में विश्व कप जीता। मुलर ने अपने फ़ैसले की घोषणा करते हुए एक वीडियो बयान में कहा, 131 राष्ट्रीय टीम के खेल और 45 गोल के बाद, मैं अलविदा कह रहा हूँ। मुझे हमेशा अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व था और मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं 2026 के विश्व कप में टीम के लिए एक प्रशंसक के रूप में अपनी उंगलियाँ क्रास कर रहा हूँ, लेकिन अब मैदान पर एक खिलाड़ी के रूप में नहीं। मुलर ने मार्च 2010 में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उन्होंने 2010 विश्व कप में पांच गोल किए, जिसके लिए उन्हें गोल्डन बूट और फीफा यंग प्लेयर अवार्ड मिला। वे जर्मनी की 2014 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे, जिसमें ग्रुप चरण में पुर्तगाल के खिलाफ हैट्रिक सहित पांच गोल किए। बेयर्न म्यूनिख का यह खिलाड़ी इस गर्मी की यूरोपीय चैम्पियनशिप में मुख्य रूप से एक विकल्प था, जिसने दो मैचों में 56 मिनट खेले। मेजबान टीम को स्पेन ने अतिरिक्त समय में 2-1 से हराकर अंतिम आठ में बाहर कर दिया था। स्पेन ने रविवार को फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर खिताब जीता।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिला आसान ड्रॉ, इस वरीयता के साथ पदक पर दांव लगाने उतरेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के लिए बैडमिंटन के ड्रॉ कुछ दिन पहले निकले थे, लेकिन उसमें पुरुष डबल्स के ड्रॉ की घोषणा नहीं हुई थी। अब 26 जुलाई से शुरू हो रहे इन खेलों के लिए डबल्स वर्ग के ड्रॉ की घोषणा भी हो गई है और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी को अनुकूल ड्रॉ मिला है। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को तीसरी वरीयता मिली है। ड्रॉ में जोड़ियों की संख्या को लेकर खेल पंचाट (कैस) की सुनवाई के कारण शुक्रवार को पुरुष डबल्स ड्रॉ स्थगित कर दिया गया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था को ड्रॉ स्थगित करना पड़ा क्योंकि कैस ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को आदेश दिया कि कोर्वी और लेबर की जोड़ी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सिफारिश की जाए। फ्रांस की जोड़ी के शामिल होने से पुरुष ड्रॉ में शुरुआती 16 की जगह अब 17 जोड़ियां होंगी। स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी को ग्रुप सी में रखा गया है जहां फजर अल्फियां और मोहम्मद रियान एरदियांतो की इंडोनेशिया की छठे नंबर की जोड़ी उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में मार्क लैम्सफस और मर्विन सीडल की जर्मनी की 31वें नंबर की जोड़ी और लुकास कोर्वी तथा रोनन लेबर की फ्रांस की दुनिया की 43वें नंबर की जोड़ी से भी भिड़ना है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

स्विट्जरलैंड के स्टार जेरदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्या

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी जेरदान शकीरी ने सोमवार को यूरो 2024 की समाप्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। अपने 14 साल के लंबे सफर को खत्म करने की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। 32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए यूरो 2024 के लिए स्विस टीम में चुना गया था। रोसोक्रोसियाटी ने टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में अपनी यात्रा समाप्त की।

यूरो 2024 में जेरदान का प्रदर्शन

क्लब फुटबॉल में उन्होंने बेसल, बायर्न म्यूनिख, इंटर मिलान, स्टोक सिटी, लिवरपूल और ल्योन के लिए खेला है। वर्तमान में वह शिकागो फायर एफसी के साथ मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेल रहे हैं। स्विटजरलैंड ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में इटली को 2-0 से हराया। हालांकि, वे पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से दुखद हार के बाद क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हार गए। यूरो 2024 में शकीरी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ एक गोल किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली।

पेरिस ओलंपिक से पहले सेना प्रमुख ने की भारतीय सेना के एथलीटों से चर्चा

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब 11 दिन शेष हैं। भारत इस बार पेरिस ओलंपिक में 100 से अधिक खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और सभी को इनसे बेहतर प्रदर्शन करने की आशा है। इनमें भारतीय सेना के कुछ एथलीट भी शामिल हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले भारतीय सेना प्रमुख ने भारतीय सेना के एथलीटों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए चर्चा की। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय सेना के एथलीटों को शुभकामनाएं दीं और उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आपकी उपलब्धियां भारतीय सेना और राष्ट्र के लिए बहुत गर्व का स्रोत हैं।

कनाडा के कोच के रूप में दासनायके के बर्खास्तगी की हो रही आलोचना

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा के मुख्य कोच पुबुदु दासनायके महीने के अंत में अपने पद से हट जाएंगे, क्रिकेट कनाडा ने पूर्व श्रीलंकाई और कनाडाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के अनुबंध को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया है।

दासनायके को पहले ही सूचित किया गया था कि उन्हें टी20 विश्व कप से पहले बर्खास्त किया जाएगा, लेकिन उस समय उस निर्णय की पुष्टि नहीं की गई थी। हालांकि, जुलाई के अंत में दासनायके का अनुबंध समाप्त होने वाला है। क्रिकबज के अनुसार, क्रिकेट कनाडा ने इसे नवीनीकृत नहीं करने का फैसला किया है।

इस निर्णय की कुछ लोगों ने आलोचना की है, खास तौर पर पूर्व अध्यक्ष राजपाल बाजवा ने। बाजवा ने क्रिकबज से कहा कि यह निर्णय क्रिकेट कनाडा द्वारा की गई पिछली गलतियों को दर्शाता है, जो संगठन की भविष्य की दिशा के बारे में चिंताएँ पैदा करता है। उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नए बोर्ड ने पुबुदु को जाने देने का फैसला किया है, जबकि उनके अनुबंध में हमने जो मील के पत्थर तय किए थे, उन्हें पूरा करने का उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। जुलाई 2022 में जब दासनायके कनाडा के कोच के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने के लिए लौटे, तो कनाडाई टीम एसोसिएट वन-डे प्रतियोगिता के दूसरे टियर,सीडबल्यूसी चैलेंज लीग में खेल रही थी, जिसने 2014 में अपना वनडे दर्जा खो दिया था। दासनायके के नेतृत्व में कनाडा चैलेंज लीग के बाकी हिस्सों में अपराजित रहा और अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा और नामीबिया में 2023 विश्व कप क्वालीफायर प्लेऑफ में जगह पक्की की। वहां चौथे स्थान पर रहने के कारण उन्हें लगभग एक दशक में पहली बार वनडे दर्जा हासिल हुआ। कनाडा को

सीडब्ल्यूसी चैलेंज लीग से एसोसिएट प्रतियोगिता के शीर्ष स्तर, सीडब्ल्यूसी लीग 2 में भी पदोन्नति मिली, जहां वे वर्तमान में तालिका में शीर्ष पर अपराजित हैं।

दासनायके ने पिछले साल कनाडा को अमेरिका टी20 क्षेत्रीय फाइनल में सफलतापूर्वक पहुंचाया और 2024 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया, शॉर्ट फॉर्मेट विश्व कप में कनाडा की पहली उपस्थिति और 2011 के पचास ओवर के संस्करण के बाद से वैश्विक मंच पर पहली वापसी थी। उस टूर्नामेंट में कनाडा का 1-2 रिकॉर्ड ग्रुप चरण से आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त नहीं था, प्रतिद्वंद्वी यूएसए से एक कठिन हार, जिसे दासनायके ने पहले कोचिंग दी थी, उस संबंध में निर्णायक साबित हुई। कनाडा ने आयरलैंड पर जीत हासिल की, हालांकि, यह आईसीसी के शीर्ष टूर्नामेंट में पूर्ण सदस्य के खिलाफ उनकी पहली जीत थी।

उन उपलब्धियों के मद्देनजर, बाजवा ने दासनायके के जाने पर दुख जताया; उन्होंने कहा, कनाडा एसोसिएट क्रिकेट में अपार ज्ञान और अंतर्दृष्टि वाले कोच को खो देगा। कोच पुबुदु क्रिकेट कनाडा में इस पद के लिए सही व्यक्ति हैं और रहेंगे। कोच पुबुदु के साथ काम करना और उनके कार्यकाल के दौरान कनाडाई टीम की कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों का हिस्सा बनना खुशी की बात थी। उनका समर्पण और विशेषज्ञता कनाडाई क्रिकेट पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ेगी। कप्तान साद बिन ज़फ़र ने भी दासनायके की प्रशंसा करते हुए कहा, कोच पुबुदु ने अपने पूरे करियर में उल्लेखनीय परिणाम देने की असाधारण क्षमता का प्रदर्शन किया है। खेल के प्रति उनकी गहरी समझ, उनके समर्पण और अथक कार्य नैतिकता के साथ मिलकर उन्हें एक बेहतरीन कोच के रूप में अलग पहचान दिलाती है। उनके मार्गदर्शन में, हम अपना वनडे दर्जा वापस पाने में सफल रहे और अपना पहला टी20 विश्व कप खेलने के लिए क्वालीफाई किया, जो टीम को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करने और नेतृत्व करने की उनकी क्षमता के बारे में बहुत कुछ बताता है। मैं कनाडाई क्रिकेट में उनके उल्लेखनीय योगदान और एक क्रिकेटर और टीम के कप्तान के रूप में मेरे व्यक्तिगत विकास के लिए उनका धन्यवाद करता हूँ।

वनडे दर्जा हासिल करने के साथ-साथ, दासनायके टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना और विशेष रूप से आयरलैंड पर जीत को कनाडा के साथ अपने दूसरे कार्यकाल का मुख्य आकर्षण मानते हैं।

सीपीएल 2024 : सेंट लूसिया किंग्स में शामिल हुए आरोन जोन्स

एजेंसी

नई दिल्ली। यूएसए के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आरोन जोन्स, जिन्होंने 2024 पुरुष टी20 विश्व कप में अपनी दमदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, को कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 ड्राफ्ट में सेंट लूसिया किंग्स ने खरीद लिया। वह अपने बारबाडोस पासपोर्ट के कारण स्थानीय खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल हुए। सभी छह टीमों ने ड्राफ्ट के दिन से बहुत पहले ही साइनिंग और रिटेंशन के ज़रिए अपनी टीम के ज़्यादातर खिलाड़ियों का चयन कर लिया था, जब बाकी टीम पूरी हो गई थी। किंग्स ने ड्राफ्ट में खारी कैंपबेल, जोहान जेरेमिया, मिकेल गोविया और अकीम ऑगस्टे को भी चुना।दूसरी ओर, सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने ड्राफ्ट में काइल मेयर्स को अपनी पहली पसंद के तौर पर चुना और उसके बाद मिकाइल लुइस, रयान जॉन और वीरासामी

परमाउल को चुना।

मैथ्यू नंदू गत चैंपियन गुयाना अमेज़ॅन वॉरियर्स में शामिल हो गए, जिन्होंने अपनी टीम को पूरा करने के लिए रेमन रीफ़र और रोनाल्डो अलीमोहम्मद की ऑल-राउंड जोड़ी को भी चुना। सीपीएल की सबसे नई टीम एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स ने ड्राफ्ट में पांच खिलाड़ियों रोशोन प्राइमस, जस्टिन ग्रीव्स, जाहमार हैमिल्टन, टेडी बिशप और कोफी जेम्स को चुना, जबकि ट्रिनाबागो नाइट राइडर्स ने केवल दो खिलाड़ियों को चुना, जिसमें उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए नाथन एडवर्ड और शैकर पैरिस को शामिल किया गया।बारबाडोस रॉयल्स के पास अपनी टीम में भरने के लिए केवल तीन स्थान थे, जिन्हें ड्राफ्ट में कदीम एलेने, इसाई थोर्न और नाथन सीली के चयन द्वारा पूरा किया गया। सीपीएल का 2024 संस्करण 29 अगस्त को शुरू होने वाला है, जिसमें एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स का मुकाबला सर विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स से होगा।

सीपीएल 2024 की टीमें-

बारबाडोस रॉयल्सः रोवमैन पॉवेल, जेसन होल्डर, डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक, महेश थीक्षाना, एलिक अथानाज़े, नवीन-उल-हक, ओबेद मैककॉय, केविन विकम, केशव महाराज, कदीम एलीने, रहकीम कॉर्नवाल, इसाई थोर्न, नाथन सीली, नईम यंग, रिवाल्डो क्लार्क, रेमन सिमंड्स।

पैराग्वे ने ब्राइटन फॉरवर्ड जूलियो एन्किसो को ओलंपिक फुटबॉल टीम में शामिल किया

एजेंसी

असुनसियोन। ब्राइटन फॉरवर्ड जूलियो एन्किसो को पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए पैराग्वे की टीम में

शामिल किया गया है। पैराग्वे फुटबॉल संघ ने यह जानकारी दी। 20 वर्षीय खिलाड़ी क्रुज़ेरो मिडफील्डर फैब्रीज़ियो पेराल्टा की जगह लेंगे, जिन्हें मांसपेशियों की चोट के कारण बाहर होना पड़ा था। इस साल की शुरुआत में एन्किसो को पैराग्वे टीम की अनंतिम सूची में शामिल किया गया था, जिसे इस महीने की शुरुआत में घटाकर 18 खिलाड़ी कर दिया गया था। पैराग्वे की टीम में 23 वर्ष से अधिक आयु के दो खिलाड़ी शामिल हैंः गोलकीपर गैटिटो फर्नांडीज और डिफेंडर फैबियन बाल्बुएना।

दक्षिण अमेरिकी टीम ने फरवरी में वेनेजुएला में दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ प्री-ओलंपिक टूर्नामेंट जीतकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई। पैराग्वे 24 जुलाई को जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, उसके बाद ग्रुप चरण में इज़राइल और माली का भी सामना करेगा।

ताइक्कांडो चैम्पियनशिप : मेजबान लखनऊ रहा ओवरआल चैंपियन, आगरा की टीम रही उपविजेता

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान लखनऊ ने 40वीं सब जूनियर, 8वीं कैडेट, 42वीं जूनियर व 41वीं सीनियर क्योरगी व आठवीं पूमसे उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्कांडो चैंपियनशिप में अपनी चमक बिखेरते हुए सर्वाधिक 27 स्वर्ण पदकों के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। वहीं आगरा की टीम ने आठ स्वर्ण, छह रजत व 10 कांस्य के साथ 24 पदक जीते और उपविजेता रही। उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में रविवार रात संपन्न चैंपियनशिप में लखनऊ के खिलाड़ियों ने 27 स्वर्ण, 31 रजत व 45 कांस्य सहित कुल 103 पदक जीते जिससे मेजबान टीम सबसे आगे रही। इस चैंपियनशिप में आगरा की टीम 8 स्वर्ण, 6 रजत व 10 कांस्य सहित कुल 24 पदकों के साथ उपविजेता रही। लखीमपुर-खीरी की टीम को 6

स्वर्ण, 6 रजत व 7 कांस्य सहित कुल 19 पदकों के साथ तीसरा स्थान मिला।चैंपियनशिप के समापन समारोह में उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू ने पदक विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। वहीं समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए सचिव राजकुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन के पर्यवेक्षक संतोष कुमार मौर्या (टीजीटी शारीरिक शिक्षा, केंद्रीय विद्यालय, बबीना छावनी, आगरा संभाग), कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह के साथ अन्य पदाधिकारीगण सहित विभिन्न जिला एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

कोपा अमेरिका: जेम्स रोड्रिगेज को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, मार्टिनेज को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार

एजेंसी

मियामी। कोलंबिया के जेम्स रोड्रिग्ज को कोपा अमेरिका 2024 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है, जबकि अर्जेंटीना के एमिलियानो मार्टिनेज को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। (स्थानीय समयानुसार) को फाइनल में कोलंबिया को 1-0 से हराकर अर्जेंटीना को रिकॉर्ड 16वां कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। अर्जेंटीना के नाम अब प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे अधिक खिताब दर्ज है, इसके बाद 15 खिताबों के साथ उरुग्वे है। फाइनल में कोलंबिया के हारने के बावजूद, रोड्रिग्ज ने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट में रिकॉर्ड छह असिस्ट दर्ज किए। उनका छठा असिस्ट कोलंबिया की उरुग्वे के खिलाफ सेमीफाइनल में 1-0 की जीत के दौरान आया था। 32 वर्षीय मिडफील्डर रोड्रिग्ज ने अपना छठा असिस्ट हासिल किया और अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी के कोपा अमेरिका अभियान में पांच असिस्ट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मेसी ने 2021 में अर्जेंटीना के खिताब जीतने वाले अभियान के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।32 वर्षीय आक्रामक मिडफील्डर ने कोलंबिया के शुरुआती ग्रुप गेम में पैराग्वे के खिलाफ दो असिस्ट हासिल करके अपने अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कोस्टा रिका के खिलाफ एक और पनामा के खिलाफ कोलंबिया के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फिर से दो असिस्ट दर्ज किए। मार्टिनेज, जिन्होंने एक और क्लीन शीट हासिल की, को कोपा अमेरिका 2024 का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया।

पूरे टूर्नामेंट में, उन्होंने पाँच क्लीन शीट हासिल की। ??मार्टिनेज के साथी, लुटारो मार्टिनेज, कोपा अमेरिका 2024 के शीर्ष गोल स्कोरर बने। उन्होंने अभियान में पाँच गोल किए, जिसमें कोलंबिया के खिलाफ फाइनल में एक महत्वपूर्ण गोल भी शामिल है, जिसकी बदौलत अर्जेंटीना ने खिताब जीता।

पंजाब हॉकी लीग : राउंडग्लास और सुरजीत अकादमी ने जारी रखा अपना अजेय अभियान

एजेंसी

मोहाली। राउंडग्लास हॉकी अकादमी (आरजीएचए) और सुरजीत हॉकी अकादमी पीआईएस, जालंधर ने जूनियर आयु वर्ग के लिए उद्घाटन पंजाब हॉकी लीग में अपना अजेय अभियान जारी रखा। तीसरे सप्ताह के मैचों के बाद, आरजीएचए और सुरजीत हॉकी अकादमी (एसएचए) तीन मैचों में क्रमशः नौ और सात अंकों के साथ अंक तालिका में पहले और दूसरे स्थान पर हैं।आरजीएचए ने सभी तीन मैच एकतरफ़ा जीते हैं, जबकि सुरजीत अकादमी ने शूटआउट के कारण दो जीत हासिल की हैं, क्योंकि निर्धारित समय के बाद मैच टाई पर समाप्त हुआ था।

लुधियाना के ओलंपियन पृथ्वीपाल सिंह हॉकी स्टेडियम में खेले गए तीसरे सप्ताह के मैचों में आरजीएचए, सुरजीत हॉकी अकादमी और पीआईएस मोहाली ने जीत हासिल की। खेले गए दोनों

मुकाबलों का फैसला शूटआउट से हुआ। पहले मैच में नामधारी स्पोर्ट्स अकादमी और सुरजीत हॉकी अकादमी निर्धारित समय तक 4-4 से बराबरी पर थीं। एसएचए ने शूटआउट 4-3 से जीतने और एक अतिरिक्त अंक हासिल करने के लिए अपना हौसला बनाए रखा। अगले मैच में पीआईएस मोहाली और पीआईएस लुधियाना ने मनोरंजक ढंग से 3-3 से ड्रा खेला लेकिन शूटआउट में मोहाली की टीम 3-1 से जीत गई। आरजीएचए ने पीआईएस लुधियाना को 6-1 से हराकर अजेय रहते हुए तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। जपनीत सिंह और अमनदीप ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए दो-दो गोल किए और अर्जनदीप सिंह और इंद्रजीत सिंह ने टीम के लिए स्कोरिंग पूरी की। पीआईएस लुधियाना के लिए नितिन सिंह ने सांत्वना गोल किया। पंजाब हॉकी लीग का आयोजन राउंडग्लास द्वारा हॉकी पंजाब के सहयोग से किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को मूल्यवान मैच अनुभव प्रदान करना, उनके पेशेवर और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना है। मैचों का अगला सेट 20 और 21 जुलाई को लुधियाना के ओलंपियन पृथ्वीपाल सिंह हॉकी स्टेडियम और जीवन नगर के नामधारी हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड, इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम घोषित की, कूपर कोनोली नया चेहरा

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए अपनी टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में पर्थ स्कॉर्चर्स के ऑलराउंडर कूपर कोनोली को नया चेहरा हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए डेविड वार्नर के बाद का युग शुरू हो गया है, और स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ उनकी सफेद गेंद की सीरीज के लिए एक नई सलामी जोड़ी मैदान पर उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम सितंबर में स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया इस महीने के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 और पाँच वनडे भी खेलेगा। स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच 4, 6 और 7 सितंबर को खेले जाएँगे और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 11 सितंबर से शुरू होगी। वार्नर की जगह, जेक फ्रेजर-मैकगर्क को दोनों सीरीज के लिए टी20 टीम और इंग्लैंड के खिलाफ़ वनडे टीम में

शामिल किया गया है। फ्रेजर-मैकगर्क खुद को ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक सलामी बल्लेबाज़ के रूप में स्थापित करना चाहेंगे।

कोनोली ने 15 घरेलू टी20 मैचों में हिस्सा लिया है। उन्होंने बिग बैश लीग 2022-23 के फ़ाइनल में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए 11 गेंदों पर 25* रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। शेफील्ड शील्ड में अपने पदार्पण मैच में उन्होंने इस साल की शुरुआत में तस्मानिया के खिलाफ 90 रन बनाए थे। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में मिसेल मार्श टीम की कमान संभालेंगे, कमिंस को आराम दिया गया है। कमिंस वर्तमान में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ चल रहे मेजर लीग क्रिकेट में शामिल हैं।

मिचेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल की अनुभवी जोड़ी भी टी20 सीरीज से बाहर रहेगी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम से जुड़ेगी। मैथ्यू शॉर्ट, जो रिजर्व खिलाड़ी के रूप में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम के साथ गए थे, अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण टी20 दौरे से बाहर रहेंगे।

राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक बयान में कहा, यह दौरा हमें डेविड वार्नर और मैथ्यू वेड की अनुपस्थिति में कुछ नए खिलाड़ियों को लाने का एक शानदार अवसर देता है, साथ ही कुछ वरिष्ठ खिलाड़ियों को घरेलू गर्मियों और अगले साल की व्यस्त पहली छमाही के लिए तैयार होने का समय देता है। हम पिछले 12 महीनों में जेक, स्पेंसर, जेवियर और आरोन जैसे खिलाड़ियों को शामिल करने के बाद कूपर को टी20 टीम में अपना पहला मौका देने पर विशेष रूप से प्रसन्न हैं। वे व्हाइट-बॉल सेट-अप में कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के साथ जुड़ने की रोमांचक संभावनाएँ हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में लगभग सात महीने बाकी हैं, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम में सही संतुलन बनाने की कोशिश करेगा।

उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल की शुरुआत में हमारे दरवाजे पर होगी, गर्मियों में पाकिस्तान के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज और भारत के खिलाफ एक बड़ी घरेलू टेस्ट सीरीज होगी, इन अगले छह महीनों में बहुत सारी योजनाएँ बनाई गई हैं।

इसमें नए खिलाड़ियों को हमारे व्हाइट-बॉल स्क्वॉड में धीरे-धीरे शामिल करना शामिल है, जिन्होंने बिग बैश या राज्य क्रिकेट में शानदार फॉर्म के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय अवसर अर्जित किए हैं।

स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के लिए ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीमः मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस (विकेट कीपर), स्पेंसर जॉनसन, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा।

इंग्लैंड के लिए ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीमः मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस (विकेट कीपर), ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क, एडम जाम्पा।

अर्जेंटीना ने कोलंबिया को 1-0 हराकर रिकॉर्ड 16वीं बार जीता कोपा अमेरिका खिताब

एजेंसी

मियामी। लियोनेल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने (भारतीय समयानुसार) को कोलंबिया को 1-0 से हराकर रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका का खिताब जीत लिया है। मैच का एकमात्र गोल लाउटारो मार्टिनेज ने किया। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में दूसरे हाफ में मेसी को बदले जाने के बाद रोते हुए देखा गया। लेकिन मार्टिनेज ने गोल कर अर्जेंटीना के जादूगर को अपने करियर के अंतिम चरण में अपना दूसरा कोपा अमेरिका खिताब दिला दिया। इस जीत के साथ ही अर्जेंटीना ने कोलंबिया के 28 मैचों से चले आ रहे अपराजित क्रम को भी तोड़ दिया। मैच की शुरुआत अर्जेंटीना द्वारा कोलंबिया के बॉक्स में घुसने की कोशिश से हुई, लेकिन इसे प्रभावी ढंग से टाल दिया गया। कोलंबिया ने जवाबी हमला किया, विंगर लुइस डियाज़ ने अर्जेंटीना के बॉक्स में तेज़ी से दौड़ लगाई और एक लो-ड्राइव शॉट मारा, जिसे मार्टिनेज ने आसानी से बचा लिया। एक मिनट बाद, कोलंबिया एक बार फिर गोल करने के करीब आ गया, जेम्स रोड्रिगेज ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए शॉट लगाया, जो गोल पोस्ट के बाहर लगी। पहला हॉफ गोलरहित समाप्त हुआ। हालांकि इस हाफ में मेसी को गिरने से चोट भी लगी। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना की वापसी हुई, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने बॉक्स के अंदर गेंद ली। हालांकि वह कैमिलो वर्गास को परखने का मौका नहीं ढूंढ पाए। देरी के कारण रियोस ने गेंद को क्लीयर कर दिया। एंजेल डि मारिया के दूर कोने में जाने और वर्गास को बचाने के लिए मजबूर करने के बाद अर्जेंटीना ने खेल में तेजी से बढ़त हासिल की।

96 घंटे बाद

दिव्यांका त्रिपाठी

और विवेक दहिया की भारत वापसी, इटली में लूटपाट का हुए थे शिकार

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया हाल ही में घूमने के लिए इटली गए थे. विवेक और दिव्यांका नई-नई जगह घूमने का बहुत शौक रखते हैं. दोनों अक्सर अलग-अलग जगह जाते रहते हैं और अपनी तस्वीरें फैन्स के साथ शेयर करते हैं. लेकिन इस बार के सफर पर उनके साथ एक घटना घट गई. उनका सारा सामान चोरी हो गया, जिसके बाद वो इटली में ही फंस गए थे. लेकिन अब 96 घंटे बाद उनकी घर वापसी हो गई है.दिव्यांका और विवेक ने इंस्टाग्राम पर अपने इमरजेंसी सर्टिफिकेट के साथ फोटो शेयर करते हुए बताया कि उनकी घर वापसी हो रही है. उन्होंने कैप्शन में लिखा, जल्द ही भारत आ रहे हैं. आप सभी के इतने प्यार और सपोर्ट के लिए बहुत शुक्रिया. हमारी 'घर वापसी' को मुमकिन बनाने के लिए इंडियन एंबेसी का बहुत-बहुत शुक्रिया. कपल ने अपनी घर वापसी के लिए इंडियन एंबेसी को धन्यवाद दिया.

इंडियन एंबेसी से कॉन्टैक्ट किया

दरअसल हुआ कुछ यूं कि 10 जुलाई को विवेक और दिव्यांका इटली के फ्लोरेंस शहर घूमने के लिए गए थे. वहां रहने के लिए वो होटल देख रहे थे. इसी के चलते वो एक प्रॉपर्टी देखने के लिए गए और उन्होंने अपनी कार पार्क की, जिसमें सभी डॉक्यूमेंट्स और बाकी चीजें छोड़ दी. लेकिन जब उन्होंने बाहर आकर देखा तो उनकी कार के साथ तोड़फोड़ की गई थी और कार के अंदर रखा सामान और डॉक्यूमेंट्स, जिसमें उनके पासपोर्ट भी थे, चोरी हो गया था. इसके बाद कपल वहां फंस गया था. लेकिन उन्होंने हिम्मत से काम लिया और मदद के लिए इंडियन एंबेसी से कॉन्टैक्ट किया.

दिव्यांका और विवेक

अब दिव्यांका और विवेक की तस्वीर देखकर उनके फैन्स को भी राहत मिल गई है. हालांकि दोनों का सामान मिल गया है या नहीं. इस बारे में जानकारी नहीं है. क्योंकि दोनों ने इमरजेंसी सर्टिफिकेट के साथ इंडिया वापसी करने की ही बात लिखी है. दिव्यांका त्रिपाठी टीवी का एक-जाना चेहरा हैं. विवेक और उनकी जोड़ी को लोग खूब पसंद करते हैं और उन पर खूब प्यार बरसाते हैं.

एक ऐसा एक्टर जिसके सामने तारक मेहता के प्रोडक्शन हाउस को भी झुकना पड़ा

मशहूर कवि और एक्टर शैलेश लोढ़ा का आज 55वां जन्मदिन है. शैलेश लोढ़ा ने अपने करियर की शुरुआत सोनी, सब टीवी के मशहूर टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के साथ की थी. टाइटल रोल के साथ उन्हें इस सीरियल का सूत्रधार भी बनाया गया था. लगभग 14 साल असित मोदी के इस शो में काम करने के बाद, प्रोडक्शन हाउस से हुई अनबन के चलते उन्होंने टीवी के इस मशहूर शो को अलविदा करने का फैसला लिया. अल्लू अर्जुन के पुष्पा की तरह शैलेश लोढ़ा भी प्रोडक्शन हाउस के सामने कभी झुके नहीं बल्कि उन्होंने तारक मेहता जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस को खुद के सामने झुकने के लिए मजबूर कर दिया.दरअसल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' क्विट करने के बाद भी शैलेश लोढ़ा को उनका बकाया नहीं दिया गया था. लगभग एक साल तक उन्होंने प्रोडक्शन की तरफ से उन्हें उनके हक के पैसे मिलने का इंतजार किया. लेकिन जब लंबे इंतजार के बाद भी उन्हें प्रोडक्शन की तरफ से पैसे नहीं मिले, तब शैलेश लोढ़ा ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में असित मोदी और उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'नीला टेलीफिल्म्स' के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया. कोर्ट ने इस पूरे मामले में शैलेश लोढ़ा के पक्ष में फैसला सुनाते हुए 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोडक्शन को उन्हें बकाया देने का आदेश दिया और आखिरकार असित मोदी के प्रोडक्शन ने शैलेश लोढ़ा को 1 करोड़ 5 लाख 85 हजार की रकम का डिमांड ड्राफ्ट देकर उन्हें उनके हक के पैसे दे दिए.

अपनी बात पर अड़े रहे शैलेश लोढ़ा

अपनी जीत के बाद इटाइम्स टीवी के साथ की खास बातचीत में शैलेश लोढ़ा ने कहा था कि उनकी ये लड़ाई पैसे की लिए नहीं बल्कि न्याय और आत्मसम्मान के लिए थी और इस केस में जीत हासिल करने के बाद उन्हें ऐसे लग रहा है कि उन्होंने कोई बड़ी जंग जीत ली है. शैलेश आगे बोले कि मैं इस जीत से बहुत खुश हूं कि आखिरकार ये सच्चाई सबके सामने आ गई है. दरअसल वो लोग (मेकर्स) चाहते थे कि बकाया देने से पहले मैं कुछ पेपर्स पर साइन करूं, इन पेपर में कई शर्तें थीं. इन शर्तों में से एक थी कि मैं मीडिया से बात नहीं करता. लेकिन मैं उनके सामने नहीं झुका. अपने हक की पैसे पाने के लिए मैं कोई पेपर क्यों साइन करूं.

शिवानी कुमारी की क्लास लगाने आए रवि किशन, फूट-फूटकर रोते हुए बोलीं- मम्मी कसम...

बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में शिवानी कुमारी की बदतमीजी दिन ब दिन बढ़ती जा रही है. हर हफ्ते 'वीकेंड का वार' पर अनिल कपूर उनकी खूब क्लास लगाते हैं. लेकिन शिवानी कुमारी उनकी बातों को अक्सर नजरअंदाज करती हुई नजर आती हैं. जब इस बारे में उन्हें सवाल पूछा जाए तब उनकी तरफ से एक ही जवाब दिया जाता है और वो है, 'हम तो भैया, ऐसे ही हैं और हम जहां से हैं, वहां यही भाषा बोली जाती हैं.' उनके इस ऐटिटूड के चलते इस हफ्ते शिवानी की क्लास लगाने मशहूर एक्टर रवि किशन अनिल कपूर के साथ 'वीकेंड का वार' में शामिल हुए थे.अनिल कपूर ने रवि किशन की सरप्राइज एंट्री के बारे में बात करते हुए कहा कि आमतौर पर बिग बॉस के मंच पर सेलिब्रिटी अपने शो या फिल्म का प्रमोशन करने आते हैं. लेकिन रवि किशन यहां सिर्फ शिवानी से मिलने आए हैं. रवि किशन ने शिवानी की क्लास लगाते हुए कहा कि हम खुद गांव से हैं और तुम्हारे गांव में भी हमने एक फिल्म की शूटिंग की है. वहां के लोग बहुत मीठी भाषा में बात करते हैं, लोगों को सम्मान देते हैं. औरेया (शिवानी का गांव) के लोगों की बातों में कितना गन्ने का मीठा रस होता है. लेकिन तुम ये करेले का जूस तुम कहां से लेकर आई हो. सोशल मीडिया पर कितने लोग तुम्हें फॉलो करते हैं और एक शो के लिए तुमने क्यों ऐसा अजीब रूप धारण कर लिया है.

फूट-फूटकर रोईं शिवानी कुमारी

आगे रवि किशन बोले, भाषा की आड़ में आप इस शो से जुड़े लोगों का अपमान नहीं कर सकतीं. हमारे देश का कोई भी गांव, कोई भी भाषा और हमारे देश की संस्कृति सामने वाले को अपमानित करना नहीं सिखाती. आप यहां गांव के लोगों की गलत इमेज बना रही हैं. जब शिवानी ने रवि किशन की बातें सुनी तब वो फूट-फूटकर रोने लगीं. उन्होंने कहा कि सर, आप जाकर हमारे वीडियो देखिए, हम इस तरह से ही वीडियो में बात करते हैं.

रवि किशन ने किया मार्गदर्शन

शिवानी की बात सुनकर रवि किशन ने उन्हें समझाते हुए कहा कि वो खुद बिग बॉस के शो का हिस्सा भी रह चुके हैं. उन्होंने कहा,मैं खुद 3 महीने इस घर में रहा हूं. मैं आपका पागलपन समझ सकता हूं. लेकिन इस शो ने मुझे बहुत प्यार दिया है. आप भी आपको मिले हुए मौके का सही इस्तेमाल करना और एक बात याद रखना कि किसी को अपमानित करके, किसी को काट-पीट के, किसी को चोट पहुंचा के, किसी को नीचा दिखा के आप इस शो में आगे नहीं बढ़ सकतीं.

पहले कीमो सेशन के बाद पहला शूट...कैंसर से जंग लड़ रहीं

हिना खान

काम पर लौटीं

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुज़र रही हैं. पर उनके चेहरे पर अब भी पहले जैसी ही चमक दिख रही है. हाल ही में हिना को पता चला था कि उन्हें स्टेज 3 का ब्रेस्ट कैंसर हुआ है. बीमारी का पता लगते ही उन्होंने इलाज शुरू किया. उनकी कीमोथेरेपी का पहले सेशन भी हो गया है और अब हिना काम पर लौट गई हैं.सोमवार को हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपना एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वो शूट के लिए तैयार होती नज़र आ रही हैं. उनके शरीर पर कीमो सेशन के निशान भी नज़र आ रहे हैं. हिना वीडियो में कहती हैं, पहले कीमो सेशन के बाद ये मेरा पहला शूट है. जितना हो सके, टांके के निशान छिपाने की कोशिश कर रही हूं.

हिना खान करती रहेंगी काम

इस दौरान टांके छिपाने के दौरान हिना को दर्द होने लगता है, जिससे वो थोड़ा परेशान हो जाती हैं. हिना कहती हैं कि मैं पहले शूट के लिए पूरी तरह से तैयार हूं. अपने मेकअप आर्टिस्ट सचिन की ओर इशारा करते हुए वो कहती हैं कि हम हार नहीं मानेंगे. हिना बताती हैं कि सचिन हमेशा कहते हैं कि 'द शो मस्ट गो ऑन'. इस वीडियो में हिना ये भी बता रही हैं कि कीमोथेरेपी के अभी और सेशन होने बाकी हैं.

हिना वीडियो में जज्बा दिखाती दिख रही हैं. वो कहती हैं, हम लड़ेंगे, हम शूटिंग करते रहेंगे, कड़ी मेहनत करते रहेंगे. और हम जीतेंगे. हाल ही में हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ कुछ इमोशनल तस्वीरें शेयर की थीं. हिना ने बताया था कि जब मां को उनके कैंसर के बारे में पता चला था तब उनकी कैसी हालत हो गई थी.